www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार...

राष्ट्रीय संस्करण

पत्र नहीं मित्र

देशबन्धु

नई दिल्ली, शुक्रवार, 2 अगस्त, 2024 | वर्ष-17 | अंक-118 | पृष्ठ - 10 | मूल्य - 3.00 रुपए

मेयर डॉ. शैली ओबरॉय ने दिल्ली में जल भराव... 02

■ शहर में सीसीटीवी की निगरानी में होंगे जलभराव प्वॉइंट
■ सीईओ ने तीन गांव में 14 खसरों पर बने अवैध ... 04

■ भारत, जापान में बौद्ध धर्म की साझी विरासत दोनों...
■ सरकार ने किसानों की हालत सुधारने के लिए ... 07

ट्यूशन छात्रों के लिए बन गया है एक जरूरी ... 10

सार संक्षेप

पूजा खेड़कर की अग्रिम जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली। भारतीय प्रशासनिक सेवा की पूर्व प्रशिक्षु पूजा खेड़कर को गुरुवार को एक और झटका लगा जब दिल्ली की एक अदालत ने गुरुवार को संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) सिविल सेवा परीक्षा, 2022 के लिए आवेदन में कथित रूप से तथ्यों को गलत तरीके से प्रस्तुत करने से संबंधित शिकायत के परिप्रेक्ष्य में उनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी।

जम्मू-कश्मीर के सांबा में पाकिस्तानी घुसपैठिया ढेर

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा (आईबी) पर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के सतर्क जवानों ने घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया। बीएसएफ ने बताया कि बुधवार देर शाम जम्मू डिवीजन के सांबा जिले में घुसपैठ की कोशिश को जवानों ने नाकाम कर दिया। इस दौरान जवानों ने एक पाकिस्तानी घुसपैठिए को मार गिराया।

नीट पेपर लीक मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार

भुवनेश्वर। नीट पेपर लीक मामले में सीबीआई तेजी से कार्रवाई कर रही है। सीबीआई ने पेपर लीक मामले में भुवनेश्वर से तीन और लोगों को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि गिरफ्तार किए गए तीनों आरोपी रंजीत कुमार, अमित प्रसाद और धीरेंद्र कुमार सेटर गैंग के सदस्य हैं। सीबीआई को पेपर लीक मामले के तार ओडिशा से जुड़ते हुए दिखाई दिए है।

कन्नड़ सुपरस्टार दर्शन की न्यायिक हिरासत 14 तक बढ़ाई

बेंगलुरु। जेल में बंद कन्नड़ सुपरस्टार दर्शन व उसके सहयोगियों की न्यायिक हिरासत 14 अगस्त तक बढ़ा दी गई है। रेणुकास्वामी हत्याकांड के आरोपी दर्शन, उसकी पार्टनर पवित्रा गौड़ा व अन्य को गुरुवार को बेंगलुरु सेंट्रल जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए 24वें अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट (एसीएमएम) की अदालत में पेश किया गया।

हिजबुल्लाह के शीर्ष कमांडर का शव मलबे में मिला

बेरूत। इजरायली हमले में मंगलवार को मारे गए हिजबुल्लाह के शीर्ष सैन्य कमांडर फौद शोकोर का शव बेरूत के दहिएह में मलबे के नीचे मिला है। इजरायली ड्रोन ने मंगलवार शाम को शूरा काउंसिल के नजदीक एक ठिकाने पर तीन मिसाइलें दागीं। फौद शोकोर के अलावा हमले में पांच अन्य लोग मारे गए।

आरक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

सुप्रीम कोर्ट ने कोटे के अंदर कोटे को दी मंजूरी

आरक्षण के लिए एससी, एसटी का उप वर्गीकरण कर सकती हैं सरकारें

नई दिल्ली, 1 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (एससी/एसटी) आरक्षण को लेकर बड़ा फैसला सुनाया है। मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली सात जजों की संविधान पीठ ने एससी-एसटी में कोटे के अंदर कोटे को मंजूरी दे दी है। यानी एससी-एसटी कोटे में उप-वर्गीकरण (सब कैटेगरी) किया जा सकता है।

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ तथा न्यायमूर्ति बीआर गवई, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी, न्यायमूर्ति पंकज मिथल, न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की संविधान पीठ ने छह-एक के बहुमत वाले अपने फैसले में पंजाब के अलावा तमिलनाडु और अन्य राज्यों में इस तरह के उप-वर्गीकरण के लिए कानून की वैधता को बरकरार रखा। न्यायमूर्ति त्रिवेदी ने बहुमत से असहमति वाला फैसला सुनाते हुए कहा कि इस तरह का उप-वर्गीकरण स्वीकार नहीं किया जा सकता है।

सात जजों की संविधान पीठ ने ईवी चिन्नैया के 2004 के फैसले को पलट दिया, जिसमें अनुसूचित जातियों के भीतर कुछ उप-जातियों को विशेष लाभ देने से इनकार किया गया था। सासाल 2004 में ईवी चिन्नैया बनाम आंध्र प्रदेश राज्य मामले में पांच जजों की संविधान पीठ ने फैसला सुनाया था कि अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के सदस्य एक समान समूह हैं, जिन्हें आगे किसी उप-समूह या वर्गीकरण में बांटा नहीं जा सकता। ईवी चिन्नैया के फैसले में कहा गया था कि संविधान के अनुच्छेद 341 के तहत जारी राष्ट्रपति अधिसूचना में निर्दिष्ट अनुसूचित जातियों को फिर से वर्गीकृत करना विपरीत भेदभाव के समान होगा और यह संविधान के अनुच्छेद 14 के तहत समानता के अधिकार का उल्लंघन होगा। 2020 में न्यायमूर्ति अरुण मिश्रा (अब सेवानिवृत्त) की अध्यक्षता वाली 5 न्यायाधीशों की पीठ ने कहा था कि ईवी चिन्नैया फैसले पर एक बड़ी पीठ द्वारा दोबारा विचार किए जाने की जरूरत है। सुप्रीम कोर्ट, पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के उस फैसले के खिलाफ पंजाब सरकार की ओर से दायर अपील पर विचार कर रहा था, जिसमें 2006 के पंजाब अनुसूचित जाति और पिछड़ा वर्ग (सेवाओं में आरक्षण) अधिनियम को रद्द कर दिया गया था, जिसके तहत अनुसूचित जाति कोटे के तहत वाल्मीकि और मजहबी सिख जातियों को 'प्रथम वरीयता' दी गई थी।

■ सुप्रीम कोर्ट ने 2004 के फैसले को पलटा

■ 7 जजों की संविधान पीठ ने सुनाया फैसला

क्रीमी लेयर की हो पहचान

न्यायमूर्ति गवई ने एक अलग फैसले में कहा कि राज्यों को एससी और एसटी में क्रीमी लेयर की पहचान करनी चाहिए और उन्हें आरक्षण से बाहर करना चाहिए। असहमति जताते हुए फैसला लिखते हुए न्यायमूर्ति त्रिवेदी ने कहा कि राज्य संविधान के अनुच्छेद 341 के तहत अधिसूचित अनुसूचित जाति की सूची में छेड़छाड़ नहीं कर सकते।

एक सब-कैटेगरी को 100 फीसदी आरक्षण नहीं

पीठ ने छह अलग-अलग फैसले सुनाए। बहुमत के फैसले में कहा गया कि सब कैटेगरी का आधार राज्यों द्वारा मात्रात्मक और प्रदर्शन योग्य डेटा द्वारा उचित ठहराया जाना चाहिए, जिसमें उनकी खुद की मर्जी नहीं चल सकती। कोई भी सरकार एक ही सब-कैटेगरी को 100 फीसदी आरक्षण नहीं दे सकती। पीठ 23 याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें पंजाब सरकार द्वारा दायर एक मुख्य याचिका भी शामिल थी, जिसमें पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के 2010 के फैसले को चुनौती दी गई थी।

संसद की छत टपकने पर विपक्ष का तंज

बाहर पेपर लीकेज संसद में वॉटर लीकेज

नई दिल्ली, 1 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली में 31 जुलाई को हुई मूसलाधार बारिश से पूरा शहर जलमग्न हो गया। देश के नए संसद भवन में भी जलभराव देखने को मिला। इससे जुड़े कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हैं।

नई संसद के निर्माण कार्य पर सवाल खड़े किए

1200 करोड़ रुपए खर्च करके बनाए गए नए संसद भवन की लॉबी में छत से पानी टपकता हुआ नजर आया है। इस पर विपक्ष ने सरकार पर निशाना साधते हुए नई संसद के निर्माण कार्य पर सवाल खड़े किए हैं। इसके बाद लोकसभा सचिवालय ने भी प्रतिक्रिया दी है। संसद भवन के कैंपस में, जहां से सांसदों की आवाजाही होती है, वहां गेट पर भी जलभराव की तस्वीरें सामने आईं। विपक्षी दल पुरानी संसद बिल्डिंग से इसकी तुलना कर हैं। कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर बी ने तो इस पर लोकसभा में स्थगन प्रस्ताव का नोटिस देने की चेतावनी तक दे दी। तमिलनाडु के विरुधुनगर सीट से कांग्रेस के सांसद मणिकम टैगोर बी ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा। 'बाहर पेपर लीकेज, संसद में वॉटर लीकेज। राष्ट्रपति द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली संसद की लॉबी में पानी का लीकेज चौंकाने वाला है। संसद के नए भवन में ऐसा होना मौसम संबंधी समस्याओं को उजागर करता है। ये पूरा घटनाक्रम इसका निर्माण पूरा होने के महज एक साल बाद ही सामने आया है।'

1200 करोड़ रुपए खर्च करके बना है नया संसद भवन

हिमाचल प्रदेश में भी जल प्रलय

पांच स्थानों पर बादल फटे

4 शव मिले, 52 लापता

शिमला, 1 अगस्त (देशबन्धु)। हिमाचल प्रदेश में अगस्त महीने की शुरुआत जल प्रलय के साथ हुई। राज्य में बीती रात बादल फटने की पांच घटनाओं में 2 लोगों की मौत हो गई जबकि 50 अन्य लापता हैं जिनकी तलाश जारी है। बादल फटने की ये घटनाएं शिमला, मंडी और कुल्लू जिलों में हुई। इन घटनाओं में लापता लोगों की गलश जारी है और इस कार्य में वायु सेना तथा एनडीआरएफ की मदद भी ली जा रही है। राज्य में आई इस जल प्रलय में केंद्र सरकार ने भी मदद का हाथ बढ़ाया है और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू को फोन कर हर संभव मदद का भरोसा दिया है। जानकारी के मुताबिक कुल्लू जिले में तीन जगह और मंडी और शिमला में एक-एक जगह बादल फटा है। राज्य मुख्यालय पर प्राप्त सूचना के अनुसार, अभी तक दो शव बरामद हुए हैं, जबकि 50 लोगों के लापता होने की सूचना है। बीते 12 घंटों में बादल फटने और भारी बारिश से एक राष्ट्रीय राजमार्ग और पांच सड़कें अवरुद्ध हैं, जबकि तीन पुल क्षतिग्रस्त हुए हैं। शिमला जिले के झाकड़ी का समेज क्षेत्र सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है, जहां बादल फटने से आवासीय क्षेत्र से 36 लोग लापता हैं और एक सड़क मार्ग भी अवरुद्ध है। रामपुर क्षेत्र के झाकड़ी में समेज खड्ड में हाइड्रो प्रोजेक्ट के नजदीक वीरवार सुबह तड़के बादल फटने की घटना हुई।

■ मुख्यमंत्री ने बादल फटने से हुए नुकसान की समीक्षा की

■ वायु सेना और एनडीआरएफ बचाव कार्य मे जुटी

वायनाड पहुंचे राहुल, भावुक हुए

मुझे पता है, अपनों को खोने का गम

वायनाड, 1 अगस्त (एजेंसियां)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी गुरुवार को केरल के वायनाड पहुंचे। भूस्खलन वाले क्षेत्र का दौरा करने के बाद राहुल गांधी भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि मेरे लिए यह एक राष्ट्रीय आपदा है। अभी राहत-बचाव और सहायता का वक्त है।

मुझे वायनाड के लोगों की सहायता की चिंता है ना कि राजनीति की। अभी समय यह सुनिश्चित करने का है कि सभी तरह की सहायता मिले। मुझे अभी राजनीति में कोई दिलचस्पी नहीं है। मुझे वायनाड के लोगों में दिलचस्पी है। मुझे पता है कि अपनों को खोने का गम क्या होता है। मैं गौरवान्वित हूं कि वायनाड के साथ इस घड़ी में वायनाड के लोग, देश के लोग साथ खड़े हैं।

■ वायनाड में मंगलवार को हुआ था भूस्खलन

■ दो भूस्खलन की घटनाओं में गांव के गांव बहे

यहां पर परिस्थिति दर्दनाक है

वायनाड से पूर्व सांसद राहुल गांधी ने कहा कि यह वायनाड, केरल और पूरे देश के लिए एक भयावह त्रासदी है। हम परिस्थिति को देखने आए हैं और यहां पर परिस्थिति दर्दनाक है। हम पीड़ितों की सहायता की पूरी कोशिश करेंगे। अभी कई काम हैं जो करना है। यहां पर मदद कर रहे सभी लोगों का धन्यवाद करूंगा। मेडिकल टीम का शुक्रिया अदा

केरल में अभी तक 276 शव मिले

केरल के वायनाड में आई तबाही में लाशों के निकलने का सिलसिला जारी है। वायनाड में आए भूस्खलन के मलबे से अब तक 276 शव निकले जा चुके हैं, अब भी 200 से ज्यादा लोग लापता हैं। जो लापता हैं उनके भी जीवित बचने की उम्मीद न के बराबर जताई जा रही है क्योंकि घटना को हुए 3 दिन हो गए हैं। बचाव अभियान में समय बीतता जा रहा है और रुक-रुक कर हो रही बारिश के कारण यह और चुनौतीपूर्ण होता जा रहा है। मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने कहा कि दो दिनों में 1,592 लोगों को बचाया गया है।

महाराष्ट्र में आंतरिक सर्वे ने बढ़ाई भाजपा की चिंता

■ विधानसभा चुनाव में 55 से 65 सीटें ही जीत सकती है पार्टी

■ भाजपा 2019 में 105 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनी थी

मुंबई, 1 अगस्त (एजेंसियां)। आगामी महाराष्ट्र विधानससभा चुनावों को लेकर सभी पार्टियों ने अपनी कमर कस ली है। भारतीय जनता पार्टी की तैयारी भी जूरे जोर शोर से चल रही है। लेकिन सबकों को भाजपा के आंतरिक सर्वे ने चौंका दिया है। इसमें विधानसभा चुनाव में भाजपा को महज 55 से 65 सीटें ही मिल रही है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार भाजपा इस सर्वे को लेकर खासी चिंतित नजर आ रही है। यह बात अलग है कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को भाजपा को सहयोग से फिर से सरकार में लौटने का पूरा भरोसा है। जबकि भाजपा ने 2014 में 122 व 2019 में 105 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनी थी। महाराष्ट्र में अजित पवार की एनसीपी को साथ लेने से संघ भी खुश नहीं है। कई एनसीपी नेताओं ने भी अजित पवार को साथ छोड़ दिया है।

उद्धव ने भी दी है चुनौती

शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने अनिल देशमुख द्वारा लगाए गए आरोपों के बाद बुधवार को महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर हमला बोला था। इस दौरान उन्होंने फडणवीस को चुनौती देते हुए कहा कि या तो तुम वहां रहोगे या मैं। इस दौरान ठाकरे ने प्रधानमंत्री मोदी को भी आगामी विधानसभा चुनावों में प्रचार करने के लिए एक बार फिर महाराष्ट्र आने की चुनौती दी।

पेरिस ओलंपिक : भारत को मिला तीसरा पदक

स्वप्निल कुसाले ने जीता कांस्य

पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3पी स्पर्धा में जीता पदक

चेटौरौक्स, 1 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय निशानेबाज स्वप्निल कुसाले ने गुरुवार को यहां पेरिस ओलंपिक में पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। वह इस चतुष्कोणीय प्रतियोगिता में पदक जीतने वाले पहले भारतीय निशानेबाज भी बन गए। यह भारत का इन खेलों में तीसरा पदक भी है। कुसाले ने आठ खिलाड़ियों के फाइनल में कुल 451.4 अंक अर्जित कर तीसरा स्थान प्राप्त किया। चीन के लियू युकुन ने कुल 463.6 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता। यूक्रेन के सेरही कुलिश ने 461.3 का स्कोर किया और रजत पदक जीता। कुल मिलाकर, पेरिस ओलंपिक में यह भारत का तीसरा पदक है। इससे पहले, मनु भाकर ने सरबजोत सिंह के साथ महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल और 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में दो कांस्य पदक जीते थे।

मणिपुर में पुलिस ने भीड़ पर दागे आंसू गैस के गोले

इंफाल, 1 अगस्त (एजेंसियां)। मणिपुर में आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्तियों के लिए गुरुवार को आयोजित एक विरोध रैली के दौरान पुलिस ने एक पत्रकार और कुछ अन्य विस्थापित व्यक्तियों पर पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे। मैतेई पीड़ितों की सुरक्षा समिति द्वारा आयोजित रैली एक राहत शिविर से शुरू हुयी और मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास की ओर बढ़ी। शहरी क्षेत्र में निषेधाज्ञा लागू होने के कारण पुलिस ने उन पर फायरिंग की। पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे, जिससे शहरी क्षेत्र में दहशत फैल गई। एक स्कूल में कक्षाएं चल रही थीं उसी दौरान पुलिस ने गोलीबारी से प्राथमिक कक्षा के कुछ छात्र गोलियों की आवाज सुनकर बेहोश हो गई।

विस्थापितों ने आयोजित की थी विरोध रैली

मौसम | *जगह-जगह जलभराव से लोगों को हुई परेशानी*

दिल्ली-एनसीआर में बारिश बनी आफत, 10 की मौत

नई दिल्ली, 1 अगस्त (देशबन्धु)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में बुधवार शाम हुई भारी बारिश से लोगों का हाल बेहाल हो गया। दिल्ली में जगह-जगह जलभराव की समस्या देखने को मिली। इस कारण लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। इस बीच दिल्ली-एनसीआर में जलभराव की समस्या के बाद लोगों ने दिल्ली पुलिस को फोन कर मदद मांगी।

दिल्ली पुलिस को बुधवार देर शाम से गुरुवार सुबह तक ट्रैफिक जाम की समस्या को लेकर 2,945 फोन किए गए। पुलिस को बुधवार शाम से गुरुवार सुबह तक के बीच जलभराव को लेकर 127 फोन आए। इसके अलावा 27 फोन मकान गिरने की घटनाओं के बारे में थे। जबकि पेड़ गिरने की घटनाओं के लिए 50 कॉल किए गए। दिल्ली के अलग-अलग क्षेत्रों में भारी बारिश के कारण जानमाल का भी नुकसान हुआ है। शास्त्री पार्क में दो लोग और डिफेंस कॉलोनी में एक शख्स घायल हुआ। जबकि सब्जी मंडी में एक व्यक्ति की मौत हुई। दिल्ली और एनसीआर में भारी बारिश के कारण दस लोगों की मौतें हुई और दो लोग घायल हुए। इसमें मकान गिरने से एक शख्स की मौत हुई और दो घायल हुए। वहीं, दिल्ली के खोड़ा इलाके में गटर में गिरने से मां-बेटी की मौत हो गई। ऐसा ही हाल दिल्ली से सटे गुरुग्राम, गौतमबुद्धनगर, फरीदाबाद और गाजियाबाद का भी रहा। गुरुग्राम में करंट लगने से तीन लोगों की जान चली गई। फरीदाबाद में पानी में डूबने से एक की मौत हो गई। गौतमबुद्धनगर में दीवार गिरने से दो लोगों की मौत हो गई।

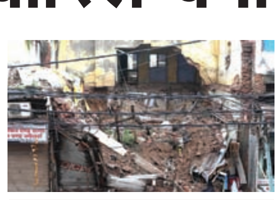

■ 3 हजार लोगों ने फोन पर मांगी मदद

6 अगस्त तक बारिश के आसार

इस बीच मौसम विभाग ने दिल्ली-एनसीआर में भारी बारिश की संभावना जताई है। मौसम विभाग के अनुसार, 6 अगस्त तक बारिश के आसार हैं। मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर में 6 अगस्त तक अधिकतम तापमान 35 डिग्री और न्यूनतम 25 डिग्री तक रहने की संभावना है।

उल्टा पुल्टा

टीचर : टिल्लू तुम बताओ, बड़े होकर क्या बनोगे ?
टिल्लू, शरमाते हुए : दूल्हा
टीचर : अरे मेरा मतलब है, बड़े होकर क्या पाना चाहते हो ?
टिल्लू, शरमाते हुए : दुल्हन
टीचर : उफ्फोह, मुझे बताओ, बड़े होकर ऐसा क्या करोगे जो तुमने अभी तक नहीं किया ?
टिल्लू, शरमाते हुए : जी टीचर, शादी!

दिल्ली में नाला सफाई में सैकड़ों करोड़ रुपयों का हुआ है घोटाला : वीरेन्द्र सचदेवा

- दिल्ली की सीवर व्यवस्था व बरसाती पानी की निकासी की व्यवस्था चरमराई
- भाजपा ने 'आप' पर लगाया मानसून की तैयारियों की अनदेखी का आरोप

नई दिल्ली, 1 अगस्त (देशबन्धु)। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा कि गत दो-तीन सालों में दिल्ली की सीवर व्यवस्था एवं बरसाती पानी की निकासी पूरी तरह चरमरा गई है, हलकी सी बारिस आने पर भी दिल्ली की सड़कें जलमग्न हो जाती हैं।

उन्होंने कहा कि केजरीवाल सरकार पूरी तरह भ्रष्टाचार में लिप्त है और आज यह कहना अतिशयोक्ति ना होगा की केजरीवाल सरकार ने भ्रष्टाचार की सभी सीमाएं लांघ दी हैं और आज सामने आया सिल्ट सफाई घोटाला केजरीवाल सरकार के ताबूत की आखिरी कील साबित होगा।

श्री सचदेवा ने कहा कि दिल्ली में 1998 के बाद से भारतीय जनता पार्टी का शासन नहीं रहा है पर समय-समय पर दिल्ली नगर निगम के माध्यम से हम लोक सेवा में समर्पित रहे और छोटे नालों और कालोनियों की नालियों की सफाई हमारे कार्यकाल में पूरी निष्ठा से की जाती थी पर गत दो वर्षों में हमने देखा कि मुख्य मार्ग हो या कालोनियों की गलियां सभी में एक बराबर जल भराव की स्थिति देखी जा रही है। हमनें इस कार्य के अध्ययन के लिए विधायक मोहन सिंह बिष्ट, दिल्ली नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष सरदार राजा इकबाल सिंह, वरिष्ठ निगम पार्षद संदीप कपूर एवं प्रदेश मीडिया प्रमुख श्री प्रवीण शंकर कपूर की एक आंतरिक कमेटी का गठन किया जिसको अचानक गत दो वर्ष से बढ़े जल भराव के कारणों की जांच का काम सौंपा गया। श्री सचदेवा ने कहा कि हमारी आंतरिक कमेटी 20 जून, 2024 के आसपास ही हमें सचेत किया था कि दिल्ली के नालों एवं नालियों की डी-सिल्टिंग का काम न तो दिल्ली सरकार का कोई संबंधित विभाग कर रहा है और न ही दिल्ली नगर निगम कर रहा है। हमनें पत्रकार सम्मेलन के माध्यम से दिल्ली सरकार को चेताया था कि मानसून की कोई तैयारी नहीं पर सरकार के कान पर जू नहीं रेंगी है।

> केजरीवाल सरकार पूरी तरह भ्रष्टाचार में लिप्त है और आज यह कहना अतिशयोक्ति न होगा कि आप सरकार ने भ्रष्टाचार की सभी सीमाएं लांघ दी हैं : सचदेवा

दिल्ली पर हक जमाना है तो उसके हक का पैसा भी दे केंद्र सरकार : सौरभ भारद्वाज

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के मंत्री सौरभ भारद्वाज और दिल्ली की मेयर शैली ओबेरॉय ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा है कि अगर केंद्र सरकार दिल्ली पर अपना हक जमाना चाहती है तो उसके हक का पैसा भी दिल्ली को देना चाहिए।

दिल्ली सरकार के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा संसद में बजट पेश होने से पहले भी दिल्ली की वित्त मंत्री आतिशी ने केंद्रीय वित्त मंत्री को दिल्ली के हक का पैसा देने की बात कही थी। दिल्ली के लोग पूरी ईमानदारी से अपना इनकम टैक्स केंद्र सरकार को भेजते हैं। दिल्ली के लोग हर साल 2.07 लाख करोड़ से ज्यादा रुपया केंद्र सरकार को इनकम टैक्स के रूप में देते हैं। केंद्र सरकार देश की विभिन्न अर्बन बॉडीज को वहां की जनसंख्या के हिसाब से पैसा देती है।

भाजपा व आप के बीच आरोप-प्रत्यारोप की लड़ाई में चार और लोगों की गई जान : देवेन्द्र यादव

- कांग्रेस ने जलभराव व करंट से मरने वाले के लिए 'आप' सरकार को ठहराया जिम्मेदार

नई दिल्ली, 1 अगस्त (देशबन्धु)। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि दिल्ली सरकार, दिल्ली नगर निगम, डीडीए, बाढ़ एवं सिंचाई विभाग, दिल्ली जल बोर्ड, पीडब्लूडी आदि भाजपा और आम आदमी पार्टी की एजेंसियों ने मिलकर दिल्ली को जल भराव के दलदल में धकेला है क्योंकि दिल्ली उच्च न्यायालय ने 11 जनवरी 2024 को राजधानी के ड्रेनेज सिस्टम और जल भराव पर अधिकारियों को फटकार लगाकर कहा था कि जल निकासी की स्थिति बहुत ही दयनीय है। स्थिति को सुधारने के लिए अप्रैल या मानसून का इंतजार न करे, काम अभी से शुरु करे, स्थिति बहुत खराब है। लगातार बिगड़ते हालात और लोगों की मौतों के लिए जिम्मेदार मंत्री आतिशी तुरंत प्रभाव से इस्तीफा दें।

> भाजपा और आम आदमी पार्टी की एजेंसियों ने मिलकर दिल्ली को जल भराव के दलदल में धकेला है : देवेन्द्र यादव

देवेन्द्र यादव ने कहा कि दिल्ली सरकार, दिल्ली नगर निगम और दिल्ली विकास प्राधिकरण यह अच्छी तरह समझते है कि 45 वर्ष पुराना दिल्ली का ड्रेनेज सिस्टम वर्तमान जनसंख्या का भार सहने में पूरी तरह असमर्थ है। फिर भी इसमें सुधार करने की जगह हर वर्ष हजारों करोड़ रुपए गाद निकालने के नाम दस्तावेजों में खर्च करके भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाते है और जल भराव की भयावह स्थिति के लिए सरकारों के निकम्मेपन का हर्जाना हर वर्ष लोग पानी डूबने या पानी में करंट उतरने के कारण अपनी जान गंवा कर भुगत रहे है।

देवेन्द्र यादव ने कहा कि कल रात की बारिश के बाद फिर चार लोगों की जान गई जिनमें जिनमें बिंदापुर में 12 वर्षीय लड़का बिजली का करंट लगने, 62 वर्षीय व्यक्ति की सब्जी मंडी में इमारत गिरने, पूर्वी दिल्ली के गाजीपुर में 23 वर्षीय महिला और उसका 3 साल का बेटा नाले में डूबने से मर गए। अब तक जल भराव और करंट से मरने वाले 19 लोगों की मृत्यु के लिए दिल्ली सरकार और दिल्ली नगर नगर सीधे तौर पर जिम्मेदार है। देवेन्द्र यादव ने कहा कि सरकार ने कुछ नहीं किया। भ्रष्टाचार का आलम यह है कि नए संसद भवन की छत से पानी टपक रहा है, जी-20 वाले मडपम भवन, राष्ट्रपति भवन, विजय चौक, आईटीओ, मंडी हाउस, रफी मार्ग, कनॉट प्लेस, मिंटो रोड़, तालकटोरा रोड़, चॉदनी चौक, धौला कुंआ, द्वारका सभी कुछ घंटों की बारिश में डूब गए गए।

सार संक्षेप

एनडीसीसी करेगी सुविधा शिविर का आयोजन

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद अपने क्षेत्र के निवासियों और सेवा उपयोगकर्ताओं के हित में सूचना, सुविधा और शिकायत निवारण प्रदान करने के लिए अपना अगला सुविधा शिविर 3 अगस्त 2024 को सुबह 10.30 बजे से 12.30 बजे तक एनडीसीसी कन्वेंशन सेंटर, जय सिंह रोड, नई दिल्ली में आयोजित करेगी। इस शिकायत निवारण सुविधा कैम्प में विभिन्न विभागों के हेल्पडेस्क सेवा उपयोगकर्ताओं, कर्मचारियों, आरडब्ल्यूए, एमटीए और एनडीएमसी के निवासियों की शिकायतों का निवारण और सुविधा प्रदान करने के लिए उपलब्ध रहेंगे।

दिल्ली-एनसीआर में 6 अगस्त तक भारी बारिश की उम्मीद

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में बुधवार शाम हुई तेज बारिश से लोगों का हाल बेहाल हो गया। जगह-जगह पानी भर जाने की वजह से लोगों को आने-जाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। तेज बारिश से पूरे एनसीआर का हाल बेहाल हो गया है। मौसम विभाग के अनुसार, 6 अगस्त तक लोगों को बारिश का सामना करना पड़ेगा। इस दौरान कभी रुक-रुक कर तो कभी तेज बारिश होगी। हालांकि, बारिश के कारण लोगों को भीषण गर्मी से राहत तो मिल गई है लेकिन जलभराव और अन्य कारणों से उनकी दिक्कतें बढ़ गई हैं। मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर में 6 अगस्त तक अधिकतम तापमान 35 डिग्री और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री तक रहने की आशंका जताई गई है। 1 अगस्त को अधिकतम तापमान 33 डिग्री और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री रहेगा। आसमान में बादल छाए रहेंगे और बारिश होने की संभावना बनी रहेगी। वहीं 2 अगस्त को भी अधिकतम तापमान 33 डिग्री और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री बना रहेगा।

उड़ाने रद्द होने की घटनाओं में इजाफा : संजय सिंह

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूसरे कार्यकाल में देश की एयरलाइंसों में तकनीकी खराबी और उसके चलते उड़ाने रद्द होने की घटनाएं लगातार बढ़ी हैं। आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने राज्यसभा में 2019 से 2024 के बीच विमानों में आई तकनीकी खराबी व उसके प्रभाव पर कई प्रश्न पूछे थे। इसके जवाब में केंद्रीय विमानन मंत्री से मिले जवाब के अनुसार बीते पांच साल में विमानों में तकनीकी खराबी की 2993 शिकयतें मिलीं। जबकि इस साल अब तक तकनीकी खराबी के 425 घटनाएं सामने आई हैं और 269 उड़ाने रद्द की गई। वहीं, बीते पांच सालों में 1997 उड़ानें रद्द की गईं। इन पांच सालों में 8 एयर लाइंस कंपनियों ने अलग-अलग कारण बताकर अपनी सेवाएं भी बंद कर दी है। संसद के बजट सत्र में आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह द्वारा विमानों में तकनीकी खराबियों और उसके चलते रद्द किए गए विमान के संबंध में पूछे गए प्रश्न संख्या 695 का उत्तर 29 जुलाई 2024 को नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री ने दिया। सरकार के जवाब में यह जानकारी सामने आई कि 2019 से 2024 के बीच विभिन्न एयर लाइनों में कुल 2,993 तकनीकी खराबियां दर्ज की गई।

मेयर डॉ. शैली ओबरॉय ने दिल्ली में जल भराव की समस्या को लेकर अधिकारियों को दिए विशेष निर्देश

नई दिल्ली, 1 अगस्त (देशबन्धु)। मेयर डॉ शैली ओबरॉय ने डिप्टी मेयर आले मोहम्मद इक़बाल और सदन के नेता मुकेश गोयल के साथ आज प्रेस वार्ता को संबोधित किया और कहा कि ओल्ड राजेन्द्र नगर की दुखद घटना व दिल्ली में जल भराव की समस्या के मद्देनजर अधिकारियों को विशेष निर्देश दिए गए हैं।

राजेन्द्र नगर की घटना के तुरंत बाद यह निर्देश दिए गए थे कि दिल्ली के जितने भी कोचिंग सेंटरों बिल्डिंग बायलॉज का उल्लंघन कर रहे हैं, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और तुरंत सील कर दिया जाए। सभी ज़ोन में बिल्डिंग बायलॉज का उल्लंघन करने वाले संपत्तियों और कोचिंग सेंटरों को व्यापक स्तर पर सील भी किया जा रहा है। दूसरा यह निर्देश दिया गया कि जिन स्थानों पर फुटपाथ व नालों पर अतिक्रमण कर लिया गया है , वहाँ अतिक्रमण हटाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए ताकि जल की निकासी सुचारु रूप से हो पाए। तीसरा निर्देश यह दिया गया है कि जहां जल भराव की अधिक समस्या है उन वल्नरेबल स्थानों पर अतिरिक्त पोर्टेबल पंप लगाए जाएं, साथ ही निगम आयुक्त को भी निर्देश दिए गए हैं कि जब तक मॉनसून है 24 घंटे सातों दिन अलग - अलग शिफ़्ट में अधिकारी व स्टाफ कार्य करें ताकि नागरिकों को जलभराव की समस्या का सामना ना करना पड़ा और राजेन्द्र नगर जैसी दुखद घटना न हो।

> दिल्ली में मेयर फण्ड से ड्रेनेज सिस्टम को दुरुस्त व मरम्मत करने का कार्य किया जाएगा : डॉ. शैली ओबरॉय

उन्होंने कहा कि दिल्ली में जितने भी क्षेत्रों में ओपन केबल या तारे हैं, उन स्थानों का सर्वे किया जाए। दूसरी एजेंसियां जैसे बीएसईएस और एनडीपीएल के साथ मिलकर इस समस्या के समाधान के लिए कार्रवाई की जाए। पिछले दिनों यूपीएससी की तैयारी करने वाले एक छात्र की करंट लगने से मृत्यु हो गई थी। इसके अतिरिक्त यह भी निर्देश दिए जिन स्थानों पर सीवेज और स्टॉर्म वॉटर कंबाइंड ड्रेनेज सिस्टम है, उनका सर्वे किया जाए, कार्रवाई की जाए ताकि जल भराव की समस्या कम से कम हो।

मेयर ने बताया की उन्होंने आज डेम्स और इंजीनियरिंग विभाग के उच्च अधिकारियों के साथ बैठक की और यह निर्देश दिए की पूरी दिल्ली में वार्ड वाइज लिस्ट बनाई जाए , जहां ड्रेनेज सिस्टम को दुरुस्त-मरम्मत करने की आवश्यकता है। दिल्ली में ऐसे बहुत से क्षेत्र है जहाँ कभी ड्रेनेज सिस्टम को बदला नहीं गया है और अब वर्तमान में सुचारु रूप से कार्य नहीं कर रहा है। लिस्ट के अनुसार जिन स्थानों पर ड्रेनेज सिस्टम को मरम्मत करने के लिए एस्टिमेट बनाने के भी निर्देश दे दिए गए हैं।

नई दिल्ली में भारी बारिश के बाद झिलमिल कॉलोनी अंडरपास में जलभराव में फंसे वाहन चालक व यात्री। फोटो : इम्तियाज खान

फिल्म 'घुसपैठिया' की टीम ने साइबर सुरक्षा मुख्यालय का किया दौरा

नई दिल्ली, 1 अगस्त (देशबन्धु)। सुसी गणेशन द्वारा निर्देशित और विनीत कुमार सिंह, उर्वशी रौतेला और अक्षय ओबेरॉय अभिनीत आगामी फिल्म 'घुसपैठिया' की टीम ने कफ परेड के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में साइबर सुरक्षा मुख्यालय का दौरा किया। इस दौरे में महाराष्ट्र साइबर विभाग के आईजीपी यशस्वी यादव आईपीएस के साथ बैठक शामिल थी, जिसमें भारत और दुनिया भर में साइबर धोखाधड़ी के बारे में जागरूकता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

इस दौरे के दौरान अभिनेता विनीत कुमार सिंह और अक्षय ओबेरॉय ने निर्देशक सुसी गणेशन के साथ साइबर अपराधों के प्रचलित मुद्दों के बारे में आईजीपी यशस्वी यादव के साथ एक व्यावहारिक चर्चा की। विनीत कुमार सिंह ने कहा कि साइबर धोखाधड़ी एक बढ़ता हुआ खतरा है, और लोगों को ऑनलाइन सामना करने वाले खतरों के बारे में जागरूक होना महत्वपूर्ण है। हमारा उद्देश्य अपने मंच का उपयोग शिक्षित करने और सुरक्षा के लिए करना है। अक्षय ओबेरॉय ने कहा कि साइबर अपराधियों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली रणनीति को समझकर, हम खुद को और अपने प्रियजनों को बेहतर तरीके से सुरक्षित कर सकते हैं। यह दौरा हमारी आंखें खोलने वाला रहा है।

चुनाव लड़ने की न्यूनतम आयु 21 वर्ष की जाए : राघव चड्ढा

नई दिल्ली, 1 अगस्त (एजेंसियां)। सांसद राघव चड्ढा ने देश में चुनाव लड़ने की न्यूनतम आयु 25 वर्ष से घटाकर 21 वर्ष करने की मांग की। राज्यसभा में शून्यकाल के दौरान यह मुद्दा उठाते हुए राघव चड्ढा ने कहा कि भारत दुनिया के सबसे युवा देशों में से एक है। हमारी 65 प्रतिशत आबादी 35 वर्ष से कम उम्र की है और 50 प्रतिशत 25 वर्ष से कम उम्र की है। जब आजादी के बाद पहली लोकसभा चुनी गई थी, तब 26 प्रतिशत सदस्य 40 वर्ष से कम उम्र के थे, और जब दो महीने पहले हमारी 17वीं लोकसभा चुनी गई थी, तब केवल 12 प्रतिशत सदस्य 40 वर्ष से कम उम्र के थे। हमारा देश पुराने राजनेताओं वाला एक युवा देश है। हमें युवा राजनेताओं वाला एक युवा देश बनने की आकांक्षा रखनी चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि मेरा भारत सरकार के लिए एक सुझाव है कि चुनाव लड़ने की न्यूनतम आयु 25 वर्ष से घटाकर 21 वर्ष की जानी चाहिए।

मां-बेटे की मौत का मामला: आम आदमी पार्टी ने किया प्रदर्शन, एलजी से इस्तीफे की मांग

नई दिल्ली, 1 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली के मयूर विहार फेज-3 में निर्माणाधीन नाले में गिरने के बाद हुई मां-बेटे की मौत पर आम आदमी पार्टी (आप) कार्यकर्ताओं ने विरोध-प्रदर्शन किया। आम आदमी पार्टी (आप) विधायक कुलदीप कुमार और रोहित मेहरोलिया के नेतृत्व में घटनास्थल पर पहुंचे कार्यकर्ताओं ने दिल्ली के उपराज्यपाल के खिलाफ नारेबाजी की। उन्होंने पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा देने की मांग भी की। आम आदमी पार्टी के तमाम कार्यकर्ताओं के हाथ में 'एलजी इस्तीफा दो', 'दोषी अफसरों पर कार्रवाई करो' लिखी तख्तियां थी। विधायक कुलदीप कुमार ने कहा कि डीडीए की लापरवाही से महिला और उसके ढाई साल के बच्चे की जान गई है। यह हादसा नहीं, हत्या है, इसके बाद भी एलजी ने अभी तक दोषी अधिकारियों पर कोई कार्रवाई नहीं की है। हमारी मांग है कि हत्या का मुकदमा दर्ज किया जाए और एलजी अपने पद से इस्तीफा दें। लेकिन, डीडीए के अधिकारियों ने इसमें जरा भी सावधानी नहीं बरती। नाला ढका नहीं गया था और ना ही इसकी बैरिकेडिंग की गई थी।

गाजीपुर हादसे को लेकर लोगों में आक्रोश, अरविंद केजरीवाल से इस्तीफे की मांग

नई दिल्ली। बुधवार की रात तेज बारिश के कारण राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया। गाजीपुर थाने के अंतर्गत जलजमाव और भारी अव्यवस्था के चलते एक मां और उसके बेटे की जान चली गई। इसको लेकर स्थानीय लोगों में काफी रोष है और वो अरविंद केजरीवाल सरकार से इस्तीफे की मांग कर रहे हैं।

आयुष मंत्रालय नेचुरोपैथी का करेगा समग्र विकास: प्रतापराव जाधव

नई दिल्ली, 1 अगस्त (देशबन्धु)। देश की राजधानी दिल्ली के कंस्टीट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में सूर्या फाउण्डेशन व इंटरनेशनल नेचुरोपैथी आर्गेनाइजेशन द्वारा केन्द्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री प्रतापराव जाधव का अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया था। समारोह का उद्घाटन आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) ने दीप प्रज्जवलन के साथ किया। समारोह में 200 से अधिक योग प्राकृतिक चिकित्सा जगत के प्रतिनिधियों के अतिरिक्त माननीय श्री राजू बिष्ट एवं श्री भोलासिंह जी दोनों सांसद, श्री कोस्तुभ कर्माकर (वेद जी) वॉइस चेयरमैन सूर्या फाउण्डेशन, डॉ. डी. एन. शर्मा व डॉ आर एस डबास दोनों राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री बिजय राज शिन्दे पूर्व विद्यायक बुलढाना महाराष्ट्र, श्री नन्द किशोर अग्रवाल अध्यक्ष व श्री मामराज अग्रवाल, बालाजी निरोगधाम वैलनेस नेचर क्योर दिल्ली तथा योग प्राकृतिक चिकित्सा योग की अन्य संस्थओं के प्रतिनिधि भी उपस्थित हुए।

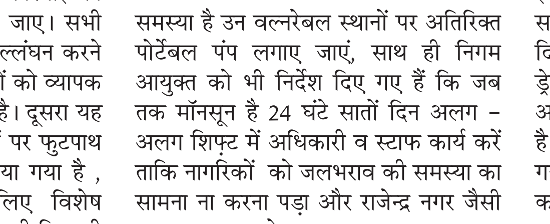

- समग्र स्वास्थ्य के लिए नेचुरोपैथी जरूरी : प्रतापराव जाधव
- नेचुरोपैथी से देश का स्वास्थ्य बजट होगा कम : डॉ अनंत बिरादार

समारोह में विशिष्ठ अतिथि के रूप में दार्जिलिंग के सांसद श्री राजूबिष्ट एवं बुलन्दशहर के सांसद डॉ भोलासिंह ने उपस्थित प्रतिनिधियों को सम्बोधित करते हुए बताया कि आदरणीय पद्मश्री जयप्रकाश जी पिछले तीन दशकों से प्राकृतिक चिकित्सा योग के समग्र विकास हेतु श्रेष्ठ व सराहनीय योगदान दे रहे है। हम भी संसद में प्राकृतिक चिकित्सा के विकास हेतु आवाज बुलंन्द करेगें।

आयुष मंत्री श्री प्रतापराव जाधव ने अपने अभिनंदन के लिए सूर्या फाउण्डेशन व एवं योग नेचुरोपैथी संस्थाओं का आभार प्रकट करते हुए बताया कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हम योग नेचुरोपैथी का समग्र विकास व प्रचार-प्रसार हेतु आयुष मंत्रालय की सभी योजनाए व प्रॉजेक्ट को प्रभावी रूप से लागू करेगें। मुझे आज इंटरनेशनल नेचुरोपैथी आर्गेनाइजेशन द्वारा दिए गए नेचुरोपैथी डॉक्टर्स का रजिस्ट्रेशन एवं अन्य महत्वपूर्ण सुझावों को शीघ्र ही लागू करने का प्रयास करूगा।

अभिनंदन समारोह के अध्यक्ष व इंटरनेशनल नेचुरोपैथी आर्गेनाइजेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनंत बिरादार ने आयुष मंत्रालय व नेशनल आयुष मिशन द्वारा पिछले 8 वर्षों में नेचुरोपैथी के लिए किये गए रचनात्मक कार्यों हेतु आयुष मंत्री व आयुष सचिव का आभार प्रकट किया। साथ ही नेचुरोपैथी में अनेक वर्षों से प्रैक्टिस कर रहे नेचुरोपैथी चिकित्सकों का रजिस्ट्रेशन नेचुमाध्यम से शीघ्र करने का निवेदन किया। साथ ही डॉ बिरादार ने बताया कि इंटरनेशनल नेचुरोपैथी आर्गेनाइजेशन मंत्रालय के सहयोग से प्राकृतिक चिकित्सा के प्रचार-प्रसार हेतु अंतरराष्ट्रीय योग दिवस, प्राकृतिक चिकित्सा दिवस, सामूहिक सूर्या नमस्कार, योग उत्सव, कौन बनेगा स्वास्थ्य रक्षक आदि अभियान पद्मश्री जयप्रकाश जी के मार्गदर्शन 32 में राज्यों में कर रहा है।

इस अवसर पर बालाजी निरोगधाम वैलनेस नेचर क्योर संस्था को प्राकृतिक चिकित्सा के प्रचार-प्रसार व विकास हेतु सूर्या फाउण्डेशन इंटरनेशनल नेचुरोपैथी आर्गेनाइजेशन द्वारा अवॉर्ड ऑफ ऐक्सीलेन्स (Award of E&cel-lence) दे कर सम्मानित किया गया। इस अवॉर्ड को श्री नन्द किशोर अग्रवाल व श्री मामराज अग्रवाल ने प्राप्त किया।

गैर-संचारी रोगों के मुद्दे पर दिल्ली में हुई गोलमेज चर्चा

नई दिल्ली, 1 अगस्त (देशबन्धु)। रीच ने दिल्ली स्थित इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में गैर-संचारी रोगों के मसले पर विज्ञान जगत एवं मीडिया जगत के मिलकर काम करने की अहमियत को लेकर एक गोलमेज़ चर्चा की मेज़बानी की जिसका शीर्षक था ''नॉन-कम्यूनिकेबल डिसीसिज़ एनसीडी: ब्रिंगिंग साइंस एंड मीडिया टूगैदर''। इस महत्वपूर्ण आयोजन में विविध पक्षों ने भाग लिया और गैर-संचारी बीमारियों के बढ़ते बोझ के विषय पर चर्चा की तथा इस जन स्वास्थ्य समस्या का प्रसार घटाने के प्रभावी उपायों पर विचार मंथन किया। इस चर्चा का प्रमुख उद्देश्य यह था कि जागरुकता को बढ़ाया जाए और स्वास्थ्य पेशेवरों, नीति निर्माताओं एवं मीडिया प्रतिनिधियों के बीच तालमेल कायम किया जाए।

इस गोलमेज चर्चा में रीच अलाईज़ के प्रोजेक्ट लीड एवं वरिष्ठ सलाहकार सुब्रत मोहंती ने स्वागत भाषण दिया और उन्होंने रीच व उसके मिशन से उपस्थित जनों को परिचित कराया।

रीच में वरिष्ठ मीडिया व सम्प्रेषण सहयोगी मयंक मोहंती ने पूरे भारत में जन स्वास्थ्य के क्षेत्र में किए जा रहे रीच के काम के बारे में जानकारी दी तथा मीडिया ऐंगेजमेंट प्रोग्राम से परिचय कराया। उन्होंने बताया कि यह निर्लाभकारी संस्था भारत में सभी के लिए एक समान स्वास्थ्य के ध्येय पर अग्रसर है। उन्होंने कहा, 'स्वास्थ्य के मामले में सटीक मीडिया रिपोर्टिंग अत्यंत अहम है, खास कर तब जब हमें गैर-संचारी रोगों के फैलाव से मुकाबला करना हो। सटीक व साक्ष्य-आधारित सूचना प्रदान करके पत्रकार पेचीदा स्वास्थ्य मसलों को समझाने, स्वास्थ्यकर व्यवहार को बढ़ावा देने और गैर-संचारी रोगों के असर को घटाने के अभियानों-पहलों में सहायता कर सकते हैं।

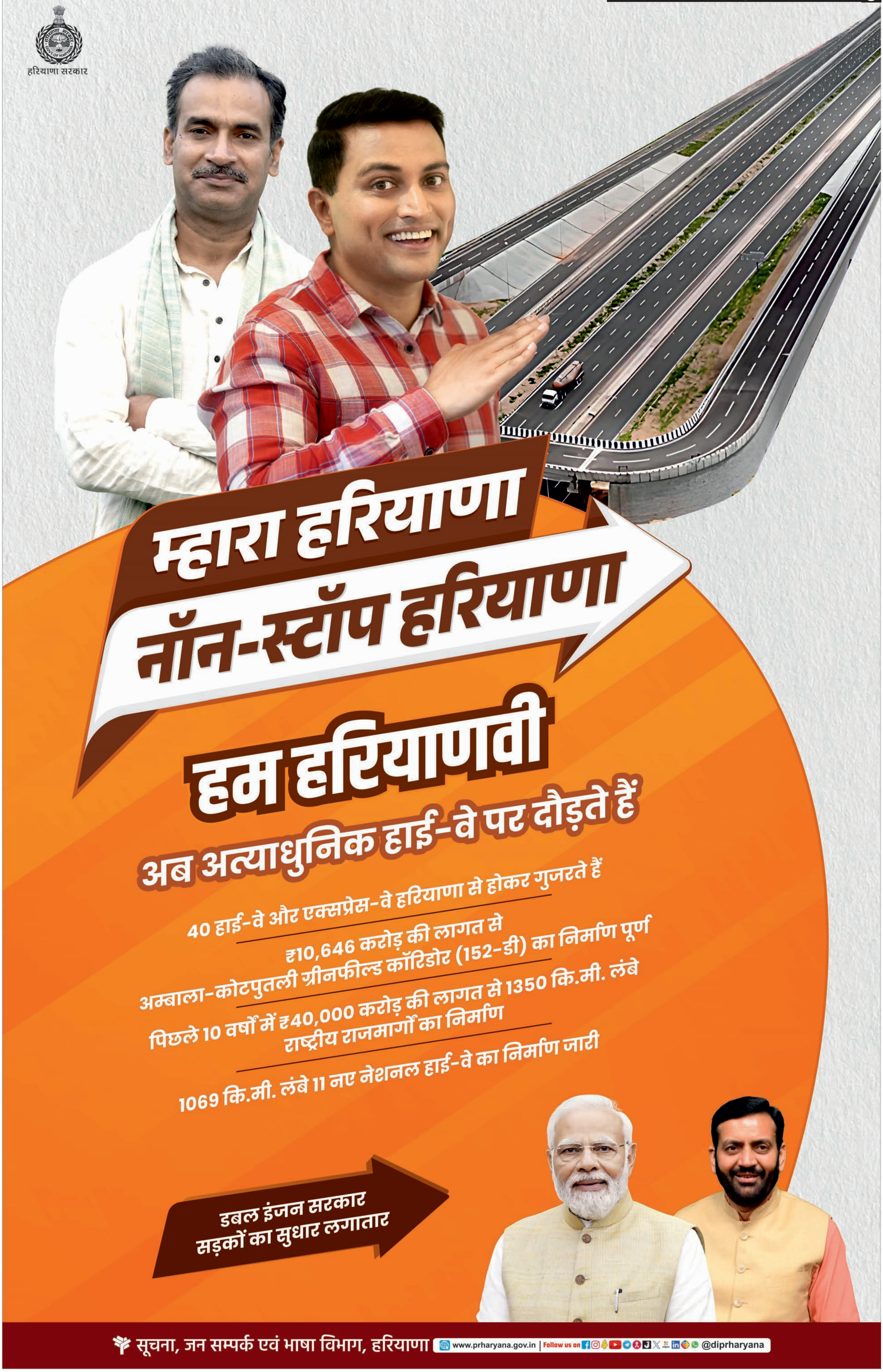
हरियाणा सरकार
म्हारा हरियाणा
नॉन-स्टॉप हरियाणा
हम हरियाणवी
अब अत्याधुनिक हाई-वे पर दौड़ते हैं
40 हाई-वे और एक्सप्रेस-वे हरियाणा से होकर गुजरते हैं
₹10,646 करोड़ की लागत से
अम्बाला-कोटपुतली ग्रीनफील्ड कॉरिडोर (152-डी) का निर्माण पूर्ण
पिछले 10 वर्षों में ₹40,000 करोड़ की लागत से 1350 कि.मी. लंबे
राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण
1069 कि.मी. लंबे 11 नए नेशनल हाई-वे का निर्माण जारी
डबल इंजन सरकार
सड़कों का सुधार लगातार
सूचना, जन सम्पर्क एवं भाषा विभाग, हरियाणा
www.prharyana.gov.in | Follow us on @diprharyana

कैपिटल ज़ोन

उवाच

हमारा लक्ष्य है कि प्राधिकरण की भूमि पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण न हो। हम इस तरह की अवैध गतिविधियों को हतोत्साहित करने के लिए कड़े कदम उठाएंगे। जनता से अपील करते हैं कि वे किसी भी प्रकार के अवैध निर्माण में शामिल न हों। यह न केवल कानूनी तौर पर अपराध है, बल्कि शहर के नियोजित विकास में भी बाधा डालता है।

डॉ. लोकेश एम, सीईओ, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण

दो घंटे की बारिश बनी खोड़ावासियों के लिए आफत

खोड़ा, 1 अगस्त (देशबन्धु) बुधवार रात्रि के दौरान दो घंटे तक हुई मूसलाधार बारिश से नगर पालिका परिषद द्वारा नाले नालियों की सफाई के सारे दावों की पोल हवा हवाई साबित हुई। जहां एक तरफ लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली वही दो घंटे तक लगातार बारिश होने से जीवन अस्त व्यस्त हो गया। बारिश का पानी नालियों की बजाय सड़कों पर बहता रहा। कई घरों में पानी भी जमा हो गया। कुछ जगहों पर निर्मित बेसमेंट में पानी भरने पर लोगों द्वारा टुल्लू पंप की सहायता से पानी निकालना पड़ा। मुख्य सड़कों और चौराहों पर पानी भरने की वजह से ऑटो ई रिक्शा और चारपहिया वाहन अधिक पानी की वजह से बंद हो गई। नतीजन निकाय क्षेत्र के अंदर सकरी सड़कों पर भीषण जाम भी लगा रहा। वीर बाजार से लेकर अटल चौक तक सड़क पर तीन फीट पानी भरने की वजह से लकड़ी की नौका पर तैरते हुए नगर पालिका परिषद द्वारा साफ सफाई की व्यवस्था पर रोष जाहिर किया। नपा की चेयरमैन मोहिनी शर्मा और जनप्रतिनिधियों के प्रति नाराजगी व्यक्त की। खोड़ा रेजिडेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष दीपक जोशी ने नपा में व्याप्त भ्रष्टाचार और साफ सफाई पर गहरी नाराजगी व्यक्त की गई। नगर पालिका परिषद के स्वास्थ्य एव सफाई निरीक्षक दिव्यकांत अग्रवाल का कहना है कि अचानक दो घंटे तक हुई तेज बरसात की वजह से सड़को पर जलभराव हुआ। बारिश की गति धीमी होने पर पानी नाले और नालियों से बह गया। यदि कही समस्या है तो जल्द सफाई कराई जाएगी।

सार संक्षेप

ऊंचाई से गिरकर युवक की मौत

नोएडा। फेज-3 क्षेत्र में रहने वाले युवक की ऊंचाई से गिरकर संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। थाना प्रभारी ने बताया कि क्षेत्र में रहने वाले 40 वर्षीय मुख्तार आलम संदिग्ध परिस्थितियों में ऊंचाई से नीचे गिर गए। इस घटना मे उनकी मौत हो गई है। उपनिरीक्षक सचिन कुमार राठी ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

कांवड़ लाने के दौरान व्यक्ति की मौत

नोएडा। थाना सेक्टर-39 क्षेत्र के गांव छलेरा में रहने वाले एक व्यक्ति कांवड़ लेने के लिए हरिद्वार गए थे। वह कांवड़ लेकर वापस लौट रहे थे, तभी मुरादनगर के पास उन्हें तेज बुखार आया। उनके परिजनों ने गंभीर हालत में उपचार के लिए कैलाश अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां उनकी मौत हो गई है। पुलिस के मुताबिक 35 वर्षीय आलोक सैनी छलेरा गांव में रहते थे। वह अपने साढ़ू और अन्य लोगों के साथ कांवड़ लेने के लिए हरिद्वार गए थे। हरिद्वार से वह कांवड़ लेकर वापस लौट रहे थे, तभी मुरादनगर के पास उन्हें तेज बुखार आया। उनके साढ़ू ने उन्हें उपचार के लिए नोएडा के कैलाश अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां पर उनकी मौत हो गई है। अस्पताल की सूचना पर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सांसद डॉ. भोला सिंह ने सदन में रखी दिल्ली के लिए सीधे रेल सेवा की मांग

बुलंदशहर। बुलंदशहर में रेल लाइन के लिए वर्षों से चली आ रही मांग को

स्थानीय सांसद डॉक्टर भोला सिंह ने लोकसभा में उठाया। लोकसभा बुलंदशहर सीट से सांसद डॉक्टर भोला सिंह ने बुलंदशहर को सीधे दिल्ली से जोड़ने की मांग संसद में पुरजोर तरीके से रखी। रेलमंत्री ने मौन सहमति जताकर आश्वासन दिया। सांसद ने बुलंदशहर में विभिन्न ट्रेनों के स्टॉपेज की भी मांग की। स्थानीय सांसद डॉक्टर भोला सिंह ने लोकसभा में अपनी मांग रखते हुए कहा कि बुलंदशहर से मुंबई एवं इंदौर के लिए विभिन्न ट्रेन होकर गुजरती हैं किंतु उन ट्रेनों का बैलेंस शहर में स्टॉपेज नहीं है जिसकी वजह से बुलंदशहर जिले के लोगों को समस्या का सामना करना पड़ता है।

लग्जरी कार चोरी करने वाले 5 गिरफ्तार

नोएडा। महज पांच मिनट में लग्जरी कार चोरी करने वाले पांच चोरों को नोएडा पुलिस ने गिरफ्तार किया है। ये लोग कारों के ईसीएम को रि प्रोग्राम करके की-मोड जनरेट करके चाबी बनाते थे। इनके पास से 17 लग्जरी कार बरामद की गई। चोरी की ये कार दिल्ली, उप्र, मध्यप्रदेश से चोरी की गई। इनको देश के अलग-अलग राज्यों में मन माफिक दामों पर पंजाब, हरियाणा, महाराष्ट्र, राजस्थान में बेचते थे। बार्डर पार कराने के लिए फर्जी कागज बनाते थे। शक न हो इसलिए अपने को बताते थे मैकेनिक। डीसीपी राम बदन सिंह ने बताया कि सीआरटी व थाना सेक्टर-24 पुलिस को मुखबिर से जानकारी मिली। जिसके बाद थाना सेक्टर-54 के पास चेकिंग बढ़ा दी गई। वहीं से अब्बास उर्फ इकराम, कप्तान उर्फ भूरा , आरिफ उर्फ डोरामोन, आसिफ उर्फ पाटू, अब्दुल रज्जाक को गिरफ्तार किया गया।

शहर में सीसीटीवी की निगरानी में होंगे जलभराव प्वॉइंट

- 24 घंटे एक्टिव रहेगा कंट्रोल रूम
- बारिश के पानी से कैसे निपटे, तैयार होगा एक्शन प्लान

नोएडा, 1 अगस्त (देशबन्धु)। बारिश के दौरान नोएडा सड़क तालाब बन गई। अंडरपास में पानी भर गया। लोग घंटों जाम में फंसे रहे। ऐसा दोबारा न हो इसके लिए नोएडा प्राधिकरण के सीईओ ने जन स्वास्थ्य, सिविल और जल के अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने निर्देशित किया कि जल भराव, सीवर ओवर फ्लोर बारिश के जुड़ी किसी भी समस्या के निपटारे के लिए एक कंट्रोल रूम बनाया जाए। उन स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाए। 24 घंटे निगरानी की जाए। जिससे फोन आते ही तत्काल एक्शन लिया जाए।

सीईओ ने कहा कि जलभराव वाले स्थलों पर सिविल, जल, जन स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीम द्वारा निरीक्षण करते हुए कंपोजिट एक्शन प्लॉन बनाया जाए। उन्होंने कहा कि जिन सीवर लाइन ओवर फ्लो है वहां की पाइप लाइन का बदलकर को बड़े व्यास की पाइप डालने का एक प्रस्ताव तैयार किया जाए। पानी की नोएडा के विभिन्न सेक्टरों एवं ग्रामों में गंदे पानी की आपूर्ति की शिकायत प्राप्त होती है। ऐसे में पानी की गुणवत्ता को बनाया जाए साथ ही पाइप लाइनों की फ्लशिंग से पहले सेक्टरवासियों को बताया जाए।

रात भर चलाया अभियान

जलभराव की प्वॉइंट को समझने के लिए प्राधिकरण के एसीईओ संजय खत्री और डीसीपी ट्रैफिक रात ने रात में ट्रैक्टर से शहर का जायजा लिया। दोनों अधिकारी सेक्टर-15ए से ट्रैक्टर से सेक्टर-62 तक गए। एक-एक प्वॉइंट का निरीक्षण किया। इसके बाद सेक्टर-63 से वापस लौटे। आज हुई बैठक में उन्होंने जलभराव के कारण भी सीईओ के समक्ष रखे।

जिन स्थानों पर हुआ जलभराव वहां कैसे निपटे

नोएडा एक्सप्रेस वे से सेक्टर-14ए, 15ए एवं सेक्टर-16ए की तरफ मुड़ने वाले लेफ्ट टर्न पर जल भराव हुआ। सीईओ ने निर्देश दिया कि फुटपाथ में पाइप के स्थान पर चौड़ी नाली बनाने एवं पीछे ग्रीन बेल्ट में ज्यादा रेन वाटर हार्वेस्टिंग प्वॉइंट बनाकर जल भराव को दूर किया जाए।

दलित प्रेरणा स्थल पर डीएनडी लूप पर जल भराव। वहां बड़े व्यास का 600 एमएम व्यास का ट्रांचिस पाइप डालकर सेक्टर-16ए के सामने ग्रीन बेल्ट में पानी को ले जाकर वहां पर रेन वाटर हार्वेस्टिंग प्वॉइंट बनाया जाए।

सेक्टर-62 अंडरपास में जल भराव। समस्या के समाधान के लिए अंडरपास के प्रवेश एवं निकासी मार्ग पर शेड बनाकर बारिश के पानी को अंडरपास में जाने से रोका जाए। अंडरपास के प्रवेश एवं निकासी मार्ग के सतह को ऊंचा कर बाहरी पानी के बहाव को रोका जाए। संपवेल लगाकर पानी को निकाला जाए।

खोड़ा कॉलोनी एवं सेक्टर-62 का केचमेंट एरिया अधिक होने के दृष्टिगत सेक्टर-62, 63 के पानी को ममूरा की तरफ ले जाने वाला नाला ओवर फ्लोर रहता है। यहां कैचमेंट एरिया का कंसलटेंट कंपनी के जरिए सर्वे कराते हुए पानी के निकासी के लिए एलाइनमेंट का चयन कर बड़े नालों का निर्माण कराने के निर्देश दिए।

एनएच-9 से नोएडा के प्रवेश द्वार पर स्थित गोल चक्कर एवं अंडरपास के दोनों ओर की मार्ग पर जाम लगता है। यहां अंडरपास के दोनों ओर स्थित मार्ग को चौड़ा करने, गोल चक्कर को रिडिजाइन करने एवं अन्य सुधार कार्य करने के लिए सलाहकार का चयन करने के निर्देश दिया।

सीईओ ने तीन गांव में 14 खसरों पर बने अवैध निर्माण तोड़ने के दिए निर्देश

- सलरपुर, भंगेल और हाजीपुर में मिला अवैध निर्माण
- मौके पर जाकर किया निरीक्षण, दिए निर्देश

नोएडा। नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ. लोकेश एम. ने शहर के विभिन्न गांवों का दौरा किया और प्राधिकरण की अधिसूचित भूमि पर व्याप्त अतिक्रमण का निरीक्षण किया। इस दौरे में गौतमबुद्ध नगर के जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा, प्राधिकरण के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी संजय कुमार खत्री, ओएसडी महेंद्र प्रसाद, क्रांति शेखर, अरविंद कुमार, डीजीएम विजय रावल और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

नोएडा प्राधिकरण सीईओ ने बरौला, सलारपुर, भंगेल, हाजीपुर आदि गांवों का दौरा किया, जहां बड़े पैमाने पर अतिक्रमण पाया गया। इसकी जानकारी ली गई। मौके पर सलारपुर गांव में खसरा संख्या 595-596, 601 से 609, 723 से 752, 779 और 780 पर अवैध निर्माण देखा गया। भंगेल गांव में खसरा संख्या 217, 221, 223, 225, 226 पर भी अवैध निर्माण मिला। इसी तरह हाजीपुर गांव में खसरा संख्या 412 पर भी अनधिकृत निर्माण पाया गया।

अवैध निर्माणों को ध्वस्त करने के निर्देश

सीईओ डॉ. लोकेश एम ने इन अवैध निर्माणों को ध्वस्त करने के निर्देश दिए। ऐसी गतिविधियों पर लगातार नजर रखने को कहा। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि प्राधिकरण की भूमि पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण न हो। हम इस तरह की अवैध गतिविधियों को हतोत्साहित करने के लिए कड़े कदम उठाएंगे। जनता से अपील करते हैं कि वे किसी भी प्रकार के अवैध निर्माण में शामिल न हों। यह न केवल कानूनी तौर पर अपराध है, बल्कि शहर के नियोजित विकास में भी बाधा डालता है।

करदाता विकास की धुरी : दीप्ति कटियार

नोएडा, 1 अगस्त (देशबन्धु)। व्यापारियों द्वारा जीएसटी के रूप में वसूल किए गए टैक्स से ही देश और प्रदेश का विकास कार्य होता है। इस दृष्टि से करदाता विकास की धुरी है। ये बात राज्य कर विभाग की संयुक्त आयुक्त कार्यपालक दीप्ति कटियार ने सेक्टर-62 स्थित आफिस स्क्वायर के सभागार में आयोजित पंजीयन जागरूकता मेगा सेमिनार में कही। राज्य कर विभाग द्वारा अधिक से अधिक व्यापारियों को जीएसटी में पंजीकृत होने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। इसके लिए पंजीयन शिविर और मेगा सेमिनार का आयोजन जा रहा है। इसी क्रम में खंड-9 नोएडा द्वारा एक मेगा सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में मालविका श्रीवास्तव सहायक आयुक्त द्वारा जीएसटी में पंजीयन कराने के लिए ऑनलाइन किन किन दस्तावेजों को अपलोड किया जाना वांछनीय है। उन्होंने कहा कि पंजीकृत होने से व्यापारी न केवल अपने व्यापार को सुचारु रुप से संचालित करते है। बल्कि एक नागरिक के रूप में अपने राष्ट्रीय और सामाजिक दायित्व को पूरा करते है। जिससे निश्चित रूप से उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा में बढ़ोतरी होती है। राज्य कर विभाग के उपायुक्त अभिषेक चतुर्वेदी ने जीएसटी में नए संशोधनों से अवगत कराने के अलावा प्रदेश में पंजीकृत व्यापारियों के लिए लागू व्यापारी दुर्घटना बीमा योजना की क्रियान्वयन की स्थिति के बारे में कहा गया कि गौतमबुद्ध नगर में अभी तक पांच ऐसे मामले आये है। जिसमें पंजीकृत व्यापारी की दुर्घटना में मृत्यु हुई। इन सभी मामलों में विभाग द्वारा शोक संतप्त परिवार के प्रति पूर्ण संवेदनशीलता बरतते हुए निर्धारित समयावधि में दिवंगत व्यापारी की आश्रित को रुपए दस लाख की बीमा राशि प्राप्त कराई गई है। सेमीनार में प्रोजेक्टर पर ऐसे आश्रित परिवारों पर केन्द्रित एक डाक्यूमेंट्री का प्रदर्शन किया गया। लघु उद्योग भारती के जिलाध्यक्ष एलबी सिंह ने कहा कि वर्तमान व्यवस्था में जी एस टी विभाग सेंट्रल और स्टेट दो हिस्सों में कार्यरत है। इस क्रम में उन्होंने सार्वजनिक रूप से राज्य कर विभाग की मुक्तकंठ से प्रशंसा करते हुए कहा गया कि राज्य कर विभाग में व्यापारियों की समस्याओं परेशानियों को हर अधिकारी के स्तर से सुना और उसका निस्तारण सहज रूप से किया जाता है।

नक्शे के अनुसार बेसमेंट नहीं बना तो लिया जाए एक्शन

- सीईओ ने दिया नियोजन और वर्क सर्किल को निर्देश

नोएडा, 1 अगस्त (देशबन्धु)। दिल्ली के बेसमेंट में हुए हादसे के बाद नोएडा प्राधिकरण एक्शन में है। पहले दिन तीन कोचिंग सेंटर के बेसमेंट सील किए गए। अब सीईओ ने निर्देश दिया कि शहर के सभी श्रेणियों के बनी इमारतों को चेक किया जाए। जहां भी नक्शे के विपरीत और मानकों का उल्लंघन करते हुए बेसमेंट का निर्माण किया गया उनको नोटिस जारी किया जाए। उनको 15 दिन का समय दिया जाए। इसके बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाए। वहीं 3 दिन के अंदर सभी कोचिंग सेंटर का निरीक्षण कर रिपोर्ट सब्मिट की जाए। इससे संबंधित एक आदेश सीईओ ने नियोजन विभाग को दिया है। इस आदेश की एक कांपी सभी वर्क सर्किल अधिकारियों को दी गई। इस क्रम में वर्क सर्किल-1 के सीनियर मैनेजर ने टीम के साथ सेक्टर-1 और 2 में कोचिंग सेंटर का निरीक्षण किया। यहां कोचिंग संचालकों को हिदायद दी कि वे मानकों का पालन करे अन्यथा कोचिंग सेंटर सील कर दिए जाएंगे। इसी तरह अन्य वर्क सर्किल के अधिकारी भी अपने यहां निरीक्षण कर रहे है। इसकी एक ज्वाइंट रिपोर्ट सब्मिट की जाएगी। जिसके बाद बड़े स्तर पर एक्शन होगा। दरअसल दिल्ली और उसके बाद जयपुर में उसकी तरह का हादसा हुआ। नोएडा इंडस्ट्रियल के साथ एजुकेशन हब भी है। यहां सैकड़ों की संख्या में आईएएस, पीसीएस, कंप्यूटर क्लासेस के अलावा अन्य शिक्षण की क्लालेस चलती है। जिसमें से अधिकांश बेसमेंट में है। ऐसे में जरा से लापरवाही यहां पढ़ने वाले स्टूडेंट्स के लिए खतरनाक हो सकती है। लिहाजा आदेश जारी करते हुए सीईओ न इस मामले को गंभीरता से लेने के निर्देश दिए है।

आज शिवालयों में शिवलिंग पर चढ़ेगा जल

- सबसे पहले कांवड़िए चढ़ाएंगे जल, इसके बाद श्रद्धालुओं की होगी बारी

नोएडा, 1 अगस्त (देशबन्धु)। शिवरात्रि के पर्व को देखते हुए मंदिरों में सारी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। देर शाम तक कई मंदिरों में साज-सज्जा का दौर जारी रहा साथ ही प्रसाद बांटने की व्यवस्था भी की गई। शिवरात्रि होने के चलते सुबह मंदिर के कपाट 4 बजे खुल जाएंगे। मंदिरों में रुद्राभिषेक के आयोजन भी किए गए। शिवरात्रि के मौके पर श्रद्धालु मंदिरों में जल अर्पित करने पहुंचेंगे। सेक्टर-2 लाल मंदिर के कपाट सुबह 4 बजे ही खोल दिए जाएंगे। सबसे पहले कांवड़िए जल चढ़ाएंगे। उसके बाद श्रद्धालु जल चढ़ा सकेंगे। सेक्टर-19 स्थित सनातन धर्म मंदिर में भी सुबह 4 बजे जल अर्पण शुरू हो जाएगा। सेक्टर- 20 स्थित हनुमान मंदिर, सेक्टर-22 शिव मंदिर, सेक्टर-31 शिव मंदिर, सेक्टर-40 व 48, सेक्टर- 56 स्थित लक्ष्मी नारायण मंदिर, सेक्टर-12 स्थित कलरिया बाबा मंदिर, सेक्टर-22 स्थित बाबा बालकनाथ मंदिर, सेक्टर-100 स्थित बोड़ा महादेव मंदिर सहित सभी प्रमुख मंदिरों में साफ-सफाई की गई। कई मंदिरों में फूलों से देर शाम सजावट भी की गई।

जल लेकर लौटे कांवड़िये

शहर से कांवड़ लेने गए कांवड़ियों के जत्थों की देर शाम तक वापसी हो गई। सोमवार को वे सेक्टर 14ए स्थित शनि मंदिर, कालिंदी कुंज, सेक्टर-71, सेक्टर-62, सेक्टर-63, सेक्टर-46, सेक्टर-31 में लगाए गए पंडाल में पहुंचे। जहां इनके खाने व ठहरने की व्यवस्था की गई है।

अपने चरम पर कांवड़ महोत्सव, लाखों कांवड़िये जल लेकर पहुंचे, हाजिरी जल शुरू

- जिलाधिकारी, महापौर व नगर आयुक्त ने का कांवड़ियों के साथ व्यवस्था में लगे कर्मचारियों पर भी बरसाए फूल

गाजियाबाद, 1 अगस्त (देशबन्धु)। कांवड़ महोत्सव ने अपने चरम पर पहुंच गया है हरिद्वार से चलने वाले कांवड़ों का वर्णन का सिलसिला लगातार जारी है और पूरी तरह से माहौल शिव में हो गया है शादी ऐतिहासिक पेट ईश्वर नाथ मंदिर में हाजिरी जल चढ़ाने का क्रम भी शुरू हो गया है। जिलाधिकारी, महापौर व नगर आयुक्त ने का कांवड़ियों के साथ व्यवस्था में लगे कर्मचारियों पर भी फूल बरसाए।

जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह ने भव्य कांवड़ महोत्सव को व्यवस्थित करने में निगम की अहम भूमिका बताई गई, महापौर तथा नगर आयुक्त की कार्ययोजना की सरहाना की। कांवड़ मार्गों की साफ सफाई तथा प्रकाश व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने के लिए भी संबंधित टीम को उत्साहित किया गया। इसी के साथ सभी ने मिलकर कांवड़ यात्रियों के स्वागत के बाद गाजियाबाद नगर निगम के स्वास्थ्य प्रहरियों पर भी फूल बरसाए गए। उधर दुधेश्वर नाथ मंदिर के महंत नारायण गिरी ने बताया कि आज अपराह्न 4 बजे हाजरी चल चढ़ाने का क्रम शुरू हो गया है। अपर नगर आयुक्त अरुण कुमार यादव, अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार डॉ. अनुज उद्यान प्रभारी महाप्रबंधक जल कामाख्या आनन्द मुख्य अभियंता निर्माण एनके चौधरी उपस्थित रहे। सिविल डिफेंस, आयुर्वेदिक विभाग, साथी फाउन्डेशन सहित अन्य के द्वारा कांवड़ मार्ग में विभिन्न स्थान पर लगाये गए कांवड़ शिवि का निरीक्षण नकिया गया। इस दौरान देखी गई मनमोहक झांकियां। एडिशनल कमिश्नर श्रीमती कल्पना सक्सेना एवं जिला सूचना अधिकारी योगेंद्र प्रताप सिंह ने कैंपो का निरीक्षण किया।

दिल्ली हादसे के बाद अलर्ट मोड में जीडीए

- खामियां पाए जाने पर कई बेसमेंट बंद करने के निर्देश
- शिक्षण संस्थान, मॉल व अन्य इमारतों का जीडीए अधिकारियों ने किया निरीक्षण

गाजियाबाद, 1 अगस्त (देशबन्धु)। दिल्ली में बेसमेंट में छात्राओं की मौत के बाद गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) अलर्ट मोड़ पर है। जीडीए उपाध्यक्ष अतुल वत्स ने भवनों के बेसमेंट में पार्किंग के स्थान पर अवैध गतिविधियों के नियंत्रण एवं मानक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सभी जोन में प्रभारी प्रवर्तन, सहायक अभियंता, अवर अभियंता की टीम को विशेष अभियान दल का सदस्य बनाते हुए निर्देश दिए गए कि जिन्हें पूर्व में नोटिस जारी हैं, उन पर नियमानुसार कठोर कार्रवाई कर सीलिंग कर दी जाए एवं यदि नोटिस जारी नहीं है तो चिन्हांकन कर तत्काल नोटिस दिया जाए। इसी क्रम में प्रवर्तन जोन-4 के क्षेत्रान्तर्गत गठित अभियान दल को जांच के दौरान पता चला कि विजय कुमार एवं सुदन रावत, प्लॉट न0 37, सेक्टर-1, अम्बेडकर रोड, गाजियाबाद द्वारा निर्मित बेसमेंट के चारों ओर आरसीसी वाल का निर्माण सेटबैक छोड़ते हुए कर लिया गया है। आंशिक रूप से अपूर्ण मिट्टी भराई को पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। इसी तरह कृष्ण कुमार केसरवानी, भूखंड संख्या- ।।-सी/130, नेहरूनगर,

गाजियाबाद में पूर्व निर्मित बेसमेंट को दो भागों में विभाजित किया गया है।

इसका एक भाग रिक्त हैं एवं दूसरे भाग में स्नूकर टेबिल स्थापित कर खेल के लिए संचालित किया जा रहा है, जिसे तत्काल प्रभाव से बंद करते हुए निर्देश दे दिए गए हैं। तरूण शर्मा, भूखंड संख्या ।।-सी/101, नेहरूनगर, गाजियाबाद को निर्मित बेसमेंट को दो भागों में विभाजित किया गया है, जिसका एक भाग रिक्त व दूसरे भाग में टाईल्स के डिमोस्ट्रेशन के लिए उपयोग किया जा रहा है, डॉहीराला शर्मा, ।।।-बी/02, नेहरूनगर, गाजियाबाद, पूर्व में निर्मित बेसमेंट में ब्लड बैंक का संचालन किया जा रहा है। प्रश्नगत स्थल पर मरीज को भर्ती किये जाने के लिए व्यवस्था नहीं है, मात्र ब्लड लेने व देने की व्यवस्था की संचालन किया जा रहा है, नितीश जैन, भूखंड संख्या ।।।-बी/03, नेहरूनगर, गाजियाबाद में पूर्व निर्मित बेसमेंट का बुक स्टोर के रूप में उपयोग किया जा रहा है, स्थल पर दो फायर एक्सिटिंगयूसर सुरक्षा की दृष्टि से स्थापित किए गए हैं।

प्रवर्तन जोन-8 के अन्तर्गत शालीमार गार्डन एक्स0-। के भवन संख्या 701 में गौरव प द्वारा निर्मित बेसमेंट में पार्किंग/व्यवसायिक गतिविधियां संचालित की जा रही थी जिसमें धारा-26, 27, 28(1) व 28(2) के अन्तर्गत सील, एफआईआर की कार्रवाई की गई है, श्रीमती ज्योति चौधरी निर्माणकर्ता श्री प्रवीण कसाना द्वारा इन्द्रप्रस्थ के डी-ब्लॉक स्थित भूखंड संख्या एन0पी0-06, टीला मोड द्वारा निर्मित बेसमेंट में जिम का संचालन किया जा रहा था जिसमें धारा-26, 27, 28(1) व 28(2) के अन्तर्गत सील, एफआईआर की कार्रवाई की गई है, जयवीर सिंह मावी द्वारा भूखंड संख्या ए-18, इन्द्रपुरी लोनी बॉर्डर पर बेसमेंट निर्माणाधीन पाया गया, जिसका मानचित्र स्वीकृत न होने के कारण धारा-26, 27, 28(1) व 28(2) के अन्तर्गत कार्रवाई की गई है, श्री मंगत राय गर्ग निर्माणकर्ता श्री प्रवीण कसाना, इन्द्रप्रस्थ के डी-ब्लॉक के भूखड संख्या एनपी-10, टीला मोड पर निर्माणाधीन बेसमेंट का निर्माण वर्षा ऋतु को देखते हुए स्थगित करने के निर्देश दिए गए। मौके पर निर्माणकर्ता और विकासकर्ताओं के निर्देश दिए गए कि स्वीकृत मानचित्र के विरूद्ध जनउपयोगी व्यवसायिक क्रियाओं का संचालन न करें। जिससे किसी भी जान-माल की क्षति से बचा जा सके। उक्त कार्रवाई निरन्तर जारी रहेगी।

नाले में डूबने से मां बेटे की मौत

- 100 मीटर तक नाले में बहते गए मां बेटा
- 4 घंटे के रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद दोनों के निकाले शव

खोड़ा, 1 अगस्त (देशबन्धु)। प्रकाश नगर के सामने पीडब्लूडी द्वारा निर्माणाधीन नाले में बुधवार रात्रि में तेज बारिश के दौरान तीन वर्षीय प्रियांशु और चौबीस वर्षीय तनुजा के गहरे नाले में डूबने से मौत हो गई। प्रकाश नगर निवासी तनुजा कल शाम को मयूर विहार फेज तीन की सीमा पर लगने वाली बुध बाजार में पुत्र और भाभी के साथ खरीदारी के लिए बाजार गई थी। मूल निवासी उत्तराखंड तनुजा प्रकाश नगर स्थित पिता के मकान में रहती थी आठ बजे रात्रि में अचानक मूसलाधार बारिश के दौरान घर लौटते हुए पीडब्ल्यूडी द्वारा निर्माणाधीन नाला खुला होने पर तीन वर्षीय प्रियांशु का पैर नाले में फिसल गया। प्रियांशु को बचाने के चक्कर में मां तनुजा भी नाले में कूद गई। दोनों नाले में लगभग सौ मीटर तक बह गए। दोनो को डूबता देख और बचाव का कोई रास्ता न दिखने पर तनुजा की भाभी भी नाले में कूद पड़ी। उसी दौरान रेहड़ी पटरी वालो ने दौड़कर भाभी को बचा लिया। आनन फानन में पहुंचकर थाना प्रभारी आनंद प्रकाश मिश्र चौकी इंचार्ज मनीष ने दमकल विभाग और गोताखोरों की मदद से प्रियांशु और तनुजा को खोजने का प्रयास किया गया। गोताखोरों की मदद से चार घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद सैकड़ों मीटर की दूरी पर मां बेटे को खोज कर नाले से निकाला गया। आनन फानन में अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने दोनो को मृत घोषित कर दिया। दो घंटे बाद घटनास्थल पर पहुंची दिल्ली पुलिस ने कागजी खानापूर्ति पूरी की। बड़ी लापरवाही ये है कि खोड़ा मयूर विहार फेज तीन की तरफ गहरे नाले की ऊंचाई का निर्माण पीडब्ल्यूडी द्वारा कराया जा रहा है। नाला दिल्ली की सीमा में है। नाला ढकने का कार्य अधूरा पड़ा है। नाले के रास्ते ही खोड़ा के हजारों लोग प्रतिदिन आवागमन करते है। तेज बारिश होने की वजह से सड़क और नाला लबालब पानी से भर गया था।

पहले भी हो चुका हादसा

दो वर्ष पहले भी नाले में डूबने से एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। घटना के बाद भी दिल्ली सरकार ने गंभीरता से नहीं लिया। के आर ए के पदाधिकारियों ने दिल्ली के उपमुख्यमंत्री और पूर्व सांसद से जलभराव की शिकायत के बाद नहीं लिया गया संज्ञान। नाला ढका होता तो दो जिंदगियां बच सकती थी। नपा के अधिशासी अधिकारी के के मिश्र का कहना है कि नाले को ऊंचा करने और सड़क निर्माण के लिए दिल्ली सरकार को कई बार पत्र लिखा गया था। लेकिन गंभीरता से नहीं लिया गया।

उवाच

उ.प्र. रेरा में लगभग 7000 एजेंट पंजीकृत हैं और ऐसी जानकारियां आती रहती हैं कि बहुत से एजेंट्स द्वारा अपने कार्यों को पेशेवराना ढंग से सम्पादित नहीं किया जा रहा है और यह भी देखा गया है कि उनमें से बहुतों में अपेक्षित योग्यता की कमी है। रियल इस्टेट सेक्टर में एजेंट्स की भूमिका तथा योगदान को देखते हुए यह आवश्यक है कि उनका ज्ञान वर्धन किया जाए जिससे वह अपने कार्यों को ठीक से कर सकें।
संजय भूसरेड्डी, अध्यक्ष, उ.प्र. रेरा

यीडा ने सुरक्षा समूह पर एनसीएलएटी फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में की अपील

■ **यीडा को 1335 करोड़ भुगतान करने का प्रस्ताव सुरक्षा समूह ने दिया था, अभी प्रस्ताव प्रदेश सरकार में लंबित**

ग्रेटर नोएडा, 1 अगस्त (देशबन्धु)। किसानों को अतिरिक्त मुआवजे के लिए यमुना एक्सप्रेस वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) को 1,335 करोड़ रुपए का भुगतान करने के सुरक्षा समूह के प्रस्ताव को वर्तमान में राज्य सरकार से मंजूरी का इंतजार है। इस बीच, यीडा ने अपील करने के अपने अधिकार को सुरक्षित रखने के प्रस्ताव को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। नियमों के मुताबिक, राष्ट्रीय कंपनी कानून अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) द्वारा जारी अंतिम फैसले के 45 दिनों के भीतर अपील दायर की जानी चाहिए। मामले को अभी सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाना बाकी है।

पिछले महीने, सुरक्षा समूह ने यमुना प्राधिकरण को 30 सितम्बर तक 490 करोड़ रुपए का भुगतान करने की अपनी तैयारी के बारे में सूचित किया था, जो 90 दिनों के भीतर कुल राशि का आवश्यक 10 प्रतिशत (133.5 करोड़ रुपए) से अधिक है। एनसीएलएटी ने 24 मई को कर्ज में डूबी जेपी इंफ्राटेक लिमिटेड (जेआईएल) के लिए सुरक्षा समूह की समाधान योजना को बरकरार रखा और समूह को चार वर्षों में किसानों के मुआवजे के लिए यीडा को 1,335 करोड़ रुपए का भुगतान करने का निर्देश दिया। एनसीएलएटी ने 20,000 घर खरीदारों और 10,000 किसानों सहित सभी हितधारकों को लाभ पहुंचाने के लिए संशोधित समाधान योजना को तुरंत लागू करने के महत्व पर जोर दिया। एनसीएलएटी के आदेश ने मार्च 2023 में नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) के पहले के फैसले को आंशिक रूप से पलट दिया, जिसमें अतिरिक्त किसानों के मुआवजे के लिए यीडा के 1,689 करोड़ रुपए के दावे को केवल 10 लाख रुपए तक सीमित कर दिया गया था, यीडा को एक परिचालन ऋणदाता के रूप में वर्गीकृत किया गया था। हालांकि, पिछले साल मार्च में एनसीएलटी द्वारा अनुमोदित सुरक्षा की बाकी समाधान योजना को बरकरार रखा गया था। एनसीएलएटी ने जीआईएल के लिए सुरक्षा समूह की समाधान योजना की मंजूरी को बरकरार रखते हुए किसानों के मुआवजे के लिए यीडा के दावे को 1,689 करोड़ रुपए से घटाकर 1,334.31 करोड़ रुपए कर दिया। ट्रिब्यूनल ने सुरक्षा समूह को चार वर्षों में पांच किस्तों में यीडा को 1,334.31 करोड़ रुपए का भुगतान करने का भी निर्देश दिया, जिसमें भुगतान अन्य सुरक्षित लेनदारों द्वारा प्राप्त 79 प्रतिशत के अनुपात में होगा। एनसीएलएटी के आदेश के बाद, मुंबई स्थित परिसंपत्ति पुनर्निर्माण कंपनी ने कानूनी चुनौतियों पर काबू पाते हुए जेआईएल का नियंत्रण अपने हाथ में ले लिया। एनसीएलएटी के आदेश के बाद, दोनों पक्षों ने कई वर्षों से अपने बकाया का इंतजार कर रहे 10,000 से अधिक किसानों को समय पर मुआवजा भुगतान के लिए, एक कार्य योजना तैयार करने के लिए बैठकें कीं। एनसीएलएटी के आदेश के अनुसार, सुरक्षा को 90 दिनों के भीतर 1,334.31 करोड़ रुपए का 10 प्रतिशत, पहले वर्ष के अंत तक 15 प्रतिशत और अगले तीन वर्षों में से लिए सालाना 25 प्रतिशत भुगतान करना था।

सुरक्षा ने 30 सितम्बर तक 490 करोड़ रुपए (37प्रतिशत), सितम्बर 2025 और 2026 तक प्रत्येक को 120 करोड़ रुपए (9 प्रतिशत) और सितम्बर 2027 और 2028 तक प्रत्येक को 302 करोड़ रुपए (22.5 प्रतिशत) का भुगतान करने का प्रस्ताव दिया। यीडा ने शेष को कवर करने पर सहमति व्यक्त की। किसानों के मुआवजे के लिए अपने फंड से 355 करोड़ रुपए की जरूरत है। सुरक्षा के प्रस्ताव और 30 सितम्बर तक एक किस्त में 355 करोड़ रुपए के अपने हिस्से को कवर करने के यीडा के फैसले को 26 जून को आखिरी बोर्ड बैठक में प्रस्तुत किया गया और फिर मंजूरी के लिए राज्य सरकार को भेज दिया गया। इसके साथ ही, यीडा को बोर्ड द्वारा निर्देश दिया गया था कि अगर सरकार का निर्णय फर्म के प्रस्ताव के पक्ष में नहीं आता है, तो अपील करने के अपने अधिकार को सुरक्षित करने के लिए सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की जाए। विशेष रूप से, सुरक्षा समूह ने बढ़े हुए भुगतान पर सहमत होने के लिए चार शर्तें रखी थीं, जिनमें से एक में शर्त थी कि यीडा को किसानों के मुआवजे के संबंध में एनसीएलएटी के आदेश को चुनौती नहीं देनी चाहिए और सुप्रीम कोर्ट में अपील करने से बचना होगा।

यीडा के हर ब्लॉक में बनेंगे नर्सरी स्कूल, मिल्क बूथ, क्रेज, डिस्पेंसरी

■ **यमुना प्राधिकरण ने सेक्टर-18,20 के सभी ब्लॉक में फैसिलिटी के लिए चिह्नित की जमीन**

■ **आवासीय सेक्टरों में बसावट के लिए यमुना प्राधिकरण ने उठाया कदम**

ग्रेटर नोएडा, 1 अगस्त (देशबन्धु)। यमुना एक्सप्रेस वे औद्योगिक विकास ने सेक्टर-18 व 20 में बसावट के लिए कारगर कदम उठाने जा रहे हैं। प्राधिकरण जल्द ही दोनों सेक्टर के 52 ब्लॉक में सेक्टरवासियों को मूलभूत सुविधाओं उपलब्ध कराने के लिए जमीन चिन्हित किया है। जिसमें हर ब्लॉक में एक नर्सरी स्कूल, प्ले स्कूल, क्रेज, डिस्पेंसरी, मिल्क व सब्जी बूथ का निर्माण किया जाएगा। प्राधिकरण जल्द ही इसके लिए भूखंड की योजना लाएगा। साक्षात्कार के माध्यम से भूखंड आवंटित किया जाएगा।

यमुना एक्सप्रेस वे प्राधिकरण ने सेक्टर-18 व 20 में 21 हजार आवासीय भूखंड का आवंटन 2009 में किया था। दोनों में कुल 52 ब्लॉक है। दोनों सेक्टरों में प्राधिकरण आवंटियों को भूखंड पर कब्जा देना शुरू कर दिया है। भूखंड पर कब्जा मिलने के बाद आवंटियों ने निर्माण कार्य भी शुरू कर दिया है। मकान बनाने के बाद आवंटियों को रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने के लिए इधर-उधर भटकना न पड़ा। प्राधिकरण ने इसका भी प्लॉन तैयार कर लिया है। दोनों सेक्टर के 52 ब्लॉक में मिल्क व सब्जी बूथ, नर्सरी स्कूल, प्ले स्कूल, क्रेज, डिस्पेंसरी आदि के लिए जमीन चिन्हित कर लिया है। मिल्क और सब्जी बूथ के लिए 100 वर्गमीटर के भूखंड, डिस्पेंसरी के लिए 1000 वर्गमीटर, क्रेज के लिए 200 वर्गमीटर, प्ले स्कूल, क्रेज के लिए 500 वर्गमीटर के लिए भूखंड चिन्हित किया है। प्राधिकरण के परियोजना विभाग ने इनके लिए भूखंड की योजना लाने के लिए प्लॉन तैयार करने में जुट गया है। कोपरेटिव सोसायटी को मिल्क व सब्जी बूथ का भूखंड आवंटित करने के लिए प्राधिकरण भूखंड आवंटित करने के लिए बोर्ड से प्रस्ताव मंजूर करा लिया है। जिसमें मदर डेयरी, अमूल, पराग जैसी दुग्ध डेयरी ने भूखंड के लिए आवेदन कर दिया है। यमुना एक्सप्रेस वे प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉक्टर अरुणवीर सिंह ने बताया कि सेक्टर के हर ब्लॉक में जब मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हो जाएगी तो लोग सेक्टर में रहना शुरू कर देंगे। मूलभूत सुविधाओं के लिए भूखंड का आवंटन साक्षात्कार के माध्यम से किया जाएगा।

रेरा ने रियल एस्टेट एजेंटों के लिए प्रशिक्षण व प्रमाणन किया अनिवार्य

■ **प्रशिक्षण तीन दिवसीय होगा तथा प्रतिष्ठित प्रशिक्षण संस्थानों के सहयोग से किया जाएगा संचालित**

ग्रेटर नोएडा, 1 अगस्त (देशबन्धु)। उ.प्र. रेरा द्वारा रियल एस्टेट सेक्टर में एजेंटों की महत्वपूर्ण भूमिका तथा उनमें दक्षता, अनुशासन तथा जिम्मेदारी की कमी को देखते हुए उन्हें प्रशिक्षण प्रदान करने तथा सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूर्ण करने के पश्चात प्रमाण-पत्र प्रदान करने का निर्णय लिया गया है। यह प्रशिक्षण तीन दिवसीय होगा। उ.प्र. रेरा में पंजीकृत समस्त एजेंटों के लिए यह प्रशिक्षण तथा प्रमाणन प्राप्त करना अनिवार्य होगा। अन्यथा उनका पंजीकरण नवीनीकृत नहीं किया जाएगा और ऐसे एजेंट जो एक वर्ष की अवधि के अन्दर प्रशिक्षण नहीं प्राप्त करेंगे, उनकी एजेंसी निरस्त कर दी जाएगी। कोई भी व्यक्ति या संस्था रेरा द्वारा निर्दिष्ट प्रशिक्षण तथा प्रमाणन प्राप्त किए बिना एजेंट के रूप में पंजीकरण हेतु आवेदन करने के लिए पात्र नहीं होगा। रेरा द्वारा लखनऊ के पंजीकृत एजेंटों के प्रशिक्षण में नामांकन हेतु ऑनलाइन आवेदन प्राप्त किए जा रहे थे। रेरा द्वारा आदेश दिए गए हैं कि जनपद लखनऊ, गौतमबुद्धनगर, कानपुर, गोरखपुर, वाराणसी, प्रयागराज, आयोध्या तथा मुरादाबाद के पंजीकृत एजेंटों द्वारा उ.प्र. रेरा की वेबसाइट पर जाकर प्रशिक्षण में नामांकन हेतु अविलम्ब ऑनलाइन आवेदन कर दिया जाए। प्रशिक्षण उपरान्त आयोजित परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाले एजेंटों को सचिव रेरा के हस्ताक्षर से प्रमाण-पत्र जारी किए जाएंगे। संजय भूसरेड्डी, अध्यक्ष, उ.प्र. रेरा द्वारा इस सम्बन्ध में जानकारी दी गई कि उ.प्र. रेरा में लगभग 7000 एजेंट पंजीकृत हैं और ऐसी जानकारियां आती रहती हैं कि बहुत से एजेंट्स द्वारा अपने कार्यों को पेशेवराना ढंग से सम्पादित नहीं किया जा रहा है और यह भी देखा गया है कि उनमें से बहुतों में अपेक्षित योग्यता की कमी है। रियल इस्टेट सेक्टर में एजेंट्स की भूमिका तथा योगदान को देखते हुए, यह आवश्यक है कि उनका ज्ञान वर्धन किया जाए जिससे वह अपने कार्यों को ठीक से कर सकें। इसके साथ यह भी सुनिश्चित किया जाए कि ऐसे व्यक्तियों को सेक्टर में प्रवेश न मिले जिनका पूर्व इतिहास तथा गतिविधियां संदिग्ध रही हैं।

कांवड़ यात्रियों को कोई परेशानी न हो, जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण

ग्रेटर नोएडा, 1 अगस्त (देशबन्धु)। श्रावण मास में चलने वाले कांवड़ यात्रा को सकुशल संपन्न कराने को लेकर जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा निरंतर कांवड़ मार्गों एवं मंदिर परिसरों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा ले रहे हैं। इसी श्रृंखला में गुरुवार को जिलाधिकारी सिद्ध पीठ शनि मंदिर सेक्टर-14 ए नोएडा पहुंचे, जहां पर उन्होंने मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के लिए की जा रही सभी व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि कांवड़ मार्गों एवं कांवड़ियों के ठहरने व सुगम आवागमन हेतु समुचित व्यवस्थाओं एवं अन्य सभी मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ रखा जाए ताकि श्रद्धालुओं को अपनी कांवड़ यात्रा के दौरान किसी भी परेशानी का सामना न करना पड़े। मेडिकल कैंप के निरीक्षण के दौरान जिला अधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि मेडिकल कैम्प पर कांवड़ियों को अपने स्वास्थ्य को लेकर किसी भी असुविधा का सामना न करना पड़े इसका विशेष ख्याल रखा जाए। उन्होंने इस अवसर पर मंदिर समिति के प्रबंधकों से वार्ता कर सभी व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की, जोकि संतोषजनक पाई गई। इस अवसर पर सिटी मजिस्ट्रेट विवेकानंद मिश्र, संबंधित अधिकारीगण एवं मंदिर समिति के प्रबंधक उपस्थित रहे।

गुरु गोविंद सिंह के जन्म दिवस पर दिया जाएगा राष्ट्रीय एकता पुरस्कार

■ **जिले के पात्र महानुभाव 5 सितम्बर तक कर सकते हैं अपना आवेदन**

ग्रेटर नोएडा, 1 जुलाई (देशबन्धु)। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के निर्देश पर जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल अधिकारी ने बताया कि उत्तर प्रदेश शासन की तरफ से गुरु गोविंद सिंह के जन्म दिवस पर अहर्ताएं वाले जनपद के पात्र महानुभाव को गुरु गोविंद सिंह राष्ट्रीय एकता पुरस्कार दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि उक्त पुरस्कार के तहत एक महानुभाव को एक लाख का नगद पुरस्कार तथा प्रशस्ति पत्र दिया जाएगा। उन्होंने उक्त पुरस्कार के लिए पात्रता के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि आवेदक भारत का मूल निवासी हो, उत्तर प्रदेश राज्य की सीमा के भीतर पुरस्कार पर विचार किए जाने के वर्ष में सामान्यतया निवास करता रहा हो, मानवाधिकार सामाजिक न्याय व राष्ट्रीय एकीकरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान रहा हो, गुरु गोविंद सिंह राष्ट्रीय एकता पुरस्कार योजना के अधीन पूर्व में इस राज्य सरकार द्वारा पुरस्कार न दिया जा चुका हो। उन्होंने बताया कि गुरु गोविंद सिंह राष्ट्रीय एकता पुरस्कार के संबंध में इच्छुक पात्र महानुभाव अपना आवेदन/प्रस्ताव व साक्ष्यों सहित 04 प्रतियों में आगामी 5 सितम्बर 2024 तक कार्यालय जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल अधिकारी, विकास भवन कमरा नंबर 311 में उपलब्ध करा सकते हैं।

रेलगाड़ी की समय-सारणी में संशोधन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि रेलवे द्वारा रेलगाड़ी संख्या 12424 नई दिल्ली – डिब्रुगढ़ राजधानी एक्सप्रेस की समय-सारणी में निम्नानुसार संशोधन करने का निर्णय लिया गया है:–

स्टेशन का नाम	वर्तमान समय		परिवर्तित समय		तिथि (प्रारंभिक स्टेशन से)
	आगमन	प्रस्थान	आगमन	प्रस्थान	
डिब्रुगढ़	06:00	--	06:00	--	05.08.2024
न्यू तिनसुकिया जं.	04:46	04:56	04:30	04:40	
मरियानी जं.	02:33	02:38	02:20	02:25	
डिमापुर	00:10	00:17	00:02	00:09	
लामडिंग जं.	22:45	22:50	22:40	22:45	

रेलयात्रियों से अनुरोध है कि किसी भी जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाइन सं. 139 पर संपर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES ऐप देखें।

पर हमें फॉलो करें

उत्तर रेलवे
सदैव आपकी सेवा में
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें
2359/2024
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

विद्युत आपूर्ति बाधित होने से नाराज लोगों ने अधिकारियों का किया घेराव

दनकौर, 1 अगस्त (देशबन्धु)। दनकौर क्षेत्र के सालारपुर विद्युत उपकेंद्र से जुड़े 20 से अधिक गांव में विद्युत आपूर्ति बाधित होने से लोग नाराज हैं। गुरुवार को भारतीय किसान यूनियन के कार्यकर्ताओं ने ग्रामीणों के साथ मिलकर निगम के अधिकारियों का घेराव किया। लोगों का कहना है कि उमस भरी गर्मी में भी निगम के अधिकारी निर्बाध विद्युत आपूर्ति के लिए गंभीर नहीं हैं। उनका कहना है कि क्षेत्र के गांव में फैली विद्युत लाइनें जर्जर हो चुकी हैं जो आये दिन टूट जाती हैं। साथ ही बारिश के मौसम में पोल भी गिर जाते हैं। जर्जर लाइन की मरम्मत नहीं होने के कारण यह समस्या पैदा हो रही है। साथ ही फुंके हुए ट्रांसफार्मरों को जल्द नहीं बदले जाने के कारण भी लोगों में आक्रोश है। जिसके कारण रोजाना कई घंटे तक विद्युत आपूर्ति ठप रहती है। गुरुवार को लोगों द्वारा विद्युत उपखंड अधिकारी विनय कुमार समेत अन्य अधिकारियों का करीब चार घंटे तक घेराव कर धूप में बिठाये रखा। विद्युत उपखंड अधिकारी विनय कुमार का कहना है कि समस्याओं के समाधान के लिये लोगों को आश्वस्त किया गया है। शिकायत मिलने के बाद ट्रांसफार्मरों को बदलने में तत्परता दिखाई जाती है। इस दौरान पवन खटाना, रॉबिन नागर, सुनील प्रधान, भगत सिंह, विनोद पंडित, चंद्रपाल, सुबेराम, अजीत पाल, जरीफ, सुभाष सलारपुर, भिखारी, सत्यपाल, इंद्र गैराठी, पवन नागर और संदीप खटाना आदि लोग उपस्थित रहे।

पौधारोपण महोत्सव में शिक्षक व आरडब्ल्यूए पधाधिकारी हुए शामिल

ग्रेटर नोएडा, 1 अगस्त (देशबन्धु)। अर्सलाइन कॉन्वेंट स्कूल ग्रेटर नोएडा में पौधारोपण महोत्सव का आयोजन किया गया। विद्यालय अपने रजत जयंती वर्ष में प्रवेश कर चुका है। इस वर्ष अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी के अंतर्गत 'सिल्वर रूट्स फॉर गोल्डन एरा' शीर्षक से वृक्षारोपण किया गया। शिक्षक शिक्षिकाएं जो किसी भी विद्यालय के आधार स्तंभ होते हैं, उनके कर कमलों द्वारा वृक्ष लगवाए गए। विद्यालय की प्रधानाचार्य सिस्टर रेखा के निर्देशन में सभी अध्यापकों ने इस कार्य में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। पौधारोपण समारोह में स्कूल प्रबंधन एवं स्टाफ के साथ आर.डब्लू.ए. के पदाधिकारियों में सूरत नागर, सुनील प्रधान, सुजीत तथा नरेन्द्र गौतम भी उपस्थित रहे और पौधारोपण करके इस पावन कार्य में अपना सहयोग दिया। आने वाली पीढ़ी के सुखद भविष्य के लिए यह प्रयास सराहनीय है।

उत्तर रेलवे

आज़ादी का अमृत महोत्सव

इलेक्ट्रॉनिक निविदा ई-प्रणाली के अंतर्गत मदों की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रण

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबन्धक, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली-110001 द्वारा इच्छुक फर्मों से निम्नलिखित मदों के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है:–

क्र. सं.	निविदा सं.	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	अंतिम तिथि
1	09242042	की बोल्ट विथ नट	281142 नग	26.08.2024
2	07240473	फुट स्टेप कम्पलीट फॉर एलएचबी कोचेस	5432 नग	27.08.2024
3	09242411	सेंटर पिवोट लाइनर	10701 नग	27.08.2024
4	19240885	ट्विन बीम लेड हेड लाइट	848 सेट	27.08.2024
5	19240632	इलास्टिक रिंग एक्लाथान रिंग	884 नग	27.08.2024
6	07240207	कंट्रोल आर्म असेंबली लेफ्ट	935 नग	28.08.2024
7	07240146	सेकेंडरी लेटरल डैम्पर फॉर फिएट बोगी	1769 नग	30.08.2024
8	07241825	फेस प्लेट, फॉर बफर प्लंजर	7753 नग	02.09.2024
9	01241778	स्ट्रक्चर बॉन्ड 40 एमएम x 6 एमएम एमएस फ्लैट	5929 नग	09.09.2024
10	07241972	किट ऑफ ब्रेक गियर बुशेस	3422 सेट	18.11.2024

निविदा शर्तें : 1. विस्तृत जानकारी IREPS वेबसाइट यानि www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है। 2. मैनुअल निविदा स्वीकार नहीं की जाएगी।
निविदा सूचना सं.: 38/2024-25 दिनांक: 31.07.2024 2341/2024
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
पश्चिमी उत्तर प्रदेश ब्यूरो कार्यालय
209 कृष्णा अपरा प्लाजा अल्फा कॉमर्शियल बेल्ट, ग्रेटर नोएडा
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के लिए संपर्क करें
खोया-पाया/ सूचना/ नाम परिवर्तन/ आवश्यकता
फोन:- 0120-4270009

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के संपर्क करें
क्षेत्रिय कार्यालय रबुपुरा
Mob: 9411492655

Shiv Mahima Enterprises
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
नाम परिवर्तन, खोया पाया, सूचना, अवश्यकता
Mob.: 9910280173
Off-221, 2nd Floor, Meridian View Plaza, Alpha Comm. Belt, Gr. Noida

प्रापर्टी डीलर की हत्या मामले में आजीवन कारावास व एक लाख का अर्थदंड

ग्रेटर नोएडा, 1 अगस्त (देशबन्धु)। प्रॉपर्टी डीलर की हत्या के मामले में जिला अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश की अदालत ने दोष सिद्ध होने पर तीन लोगों को दस साल का आजीवन कारावास भुगतने और एक लाख रुपए अर्थ दंड की सजा सुनाई है। दोषियों को अपने जीवित रहने तक जीवन कारागार में ही गुजारना होगा। गौतमबुद्ध नगर के गांव कुलेसरा में रहने वाले मुकेश शर्मा प्रॉपर्टी डीलर का काम करते थे। इसी के चलते गांव के ही कुछ लोगों से उनकी रंजिश थी। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता रोहताश शर्मा ने बताया कि 21 मार्च 2014 को शाम पांच बजे मुकेश शर्मा अपनी स्विफ्ट डिजायर कार से हिंडन पुश्ता पुल से गुजर रहे थे। यहीं पर दो बाइक सवारों ने उनको गोली मारकर हत्या कर दी। इस हत्याकांड में कुलेसरा के रहने वाले कृष्णा शर्मा और तुलसी शर्मा को गिरफ्तार किया गया। इनके पास से तमंचा और पिस्टल बरामद की गई। जांच के दौरान इन लोगों ने पूछताछ में कुलेसरा के रहने वाले मनोज शर्मा का नाम भी हत्याकांड में बताया। कहा कि मनोज के कहने पर ही हत्या की थी। इसके बाद तीनों लोगों पर अदालत में मुकदमा चला। सुनवाई के दौरान 31 दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत किए गए। साथ ही 12 गवाहों की गवाही हुई। दोनों पक्षों के बीच जिरह के बाद तीनों पर दोष सिद्ध हुआ। इस दौरान मनोज शर्मा ने विवेचक को बदलवाया और मामले को सीबीसीआईडी जांच में कराई लेकिन कोई राहत नहीं मिली। अदालत में दोष सिद्ध हुआ। इसी के चलते अदालत ने मनोज शर्मा, कृष्णा शर्मा और तुलसी शर्मा को आजीवन कारावास और एक लाख रुपए अर्थ दंड की सजा सुनाई है।

ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण

भूखण्ड संख्या-01, सैक्टर-नॉलेज पार्क-4, ग्रेटर नोएडा सिटी-201310 जिला-गौतमबुद्धनगर।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम/सैक्टर-घोडी बछेडा की प्रस्तावित आबादी में आवंटित आवंटन संख्या-जी.एच.डी.01919, भूखण्ड संख्या-95, B क्षेत्रफल-160 वर्ग मीटर श्री निछन्तर पुत्र श्री भरतू, निवासी-ग्राम – घोडी बछेडा, ग्रेटर नोएडा, जिला-गौतमबुद्धनगर उ०प्र० के पक्ष में आवंटित किया गया था। आवंटी श्री निछन्तर पुत्र श्री भरतू की मृत्यु के उपरांत इनके वारिसान श्री कृष्ण कुमार रावल, भाग सिंह, सुनील कुमार पुत्रगण स्व० श्री निछेतर सिंह, श्रीमती ओमवती पत्नी स्व० श्री निछेतर, निवासी-ग्राम-घोडी बछेडा, ग्रेटर नोएडा, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ०प्र० मे से श्री कृष्ण कुमार रावल पुत्र स्व० श्री निछेतर सिंह, निवासी-ग्राम-घोडी बछेडा, ग्रेटर नोएडा, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ०प्र० के पक्ष में नामांतरण करने हेतु नामांतरण प्रपत्र एवं शपथ-पत्र प्रस्तुत किये गये है। अतः इस नामांतरण के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 35 दिन के अन्दर अपनी लिखित आपत्ति कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखो में इनके श्री कृष्ण कुमार रावल पुत्र स्व० श्री निछेतर सिंह, निवासी-ग्राम-घोडी बछेडा, ग्रेटर नोएडा, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ०प्र० के पक्ष में सहः आवंटी के रूप में दर्ज कर दिया जायेगा।

प्रबन्धक (कृषक आबादी)
ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण

प्रथम तल, कॉमशियल कॉम्पलेक्स, पी-2, सैक्टर-ओमेगा-1, ग्रेटर नोएडा, जनपद गौतमबुद्ध नगर-201308 (उ0प्र0)

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम मिर्जापुर में उप जिलाधिकारी सदर, जनपद गौतमबुद्धनगर से प्राप्त परिवार सदस्यता प्रमाण पत्र संख्या 613/एस.टी.-एस.डी.एम/2024, दिनांक 12.07.2024 के अनुसार निम्न प्रकार मृतक स्व0 श्रीमती शान्ती देवी पत्नी श्री राजपाल, निवासी ग्राम मिर्जापुर, परगना दनकौर तहसील व जिला गौतमबुद्धनगर के स्थान पर उनके वारिसानों के नाम दर्ज किये जाने प्रस्तावित है।

ग्राम का नाम	खसरा संख्या	मृतक काश्तकार का नाम	मृतक के परिवारिक सदस्यों के नाम	मृतक से संबंध	आयु लगभग
निलौनी शाहपुर	746 742	स्व0 श्रीमती शान्ती देवी पत्नी श्री राजपाल निवासी ग्राम मिर्जापुर, परगना दनकौर तहसील व जिला गौतमबुद्धनगर	श्री धर्मेन्द्र	पुत्र	40 वर्ष
			श्री कालू	पुत्र	55 वर्ष
मिर्जापुर	708म		श्री राजकुमार	पुत्र	36 वर्ष
रूस्मपुर	21, 14 15		श्रीमती फूलवती	पुत्री विवाहित	56 वर्ष

उपरोक्त परिवार सदस्यों के संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर अपनी आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा प्राधिकरण अभिलेखों में मृतक के स्थान पर इनके वारिसानों का नाम 07 प्रतिशत आबादी भूखण्ड व अन्य अनुमन्य लाभ संबंधी अभिलेखो में दर्ज करा दिया जायेगा।

तहसीलदार
यमुना एक्सप्रेसवे औ0 वि0 प्राधिकरण

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण

YEIDA FUTURE IS HERE

प्रथम तल, कॉमर्शियल कॉम्पलेक्स, ओमेगा-1(पी-2), ग्रेटर नौएडा
Toll Free No. 18001808296 वेबसाइट : www.yamunaexpresswayauthority.com

पत्रांक : वाई.ई.ए./भूलेख/619/2024 दिनांक : 01.08.2024

सार्वजनिक सूचना

निम्नलिखित भूमि यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण द्वारा अपनी सहमति के आधार पर काश्तकारों से क्रय किया जाना प्रस्तावित है:–ग्राम चकजलालाबाद के सैक्टर सैक्टर 24ए व 22ई व ग्राम चकवीरमपुर के सैक्टर 32 के अन्तर्गत आने वाले खसरा नम्बरान

क्रमांक	सैक्टर/ग्राम का नाम	खाता संख्या	खसरा संख्या	खसरे का कुल क्षेत्रफल (हे0 में)	खातेदार का नाम व पता	तहसील से प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर काश्तकार का हिस्सा	काश्तकार का विक्रय हेतु क्षेत्रफल (हे0 में)
1.	24ए चकजलालाबाद	11	120 127	0.3790 0.0630	जगदीश, राजेन्द्र, रौदास व विजना पुत्रगण होशियार सिंह निवासी रौनीजा, तहसील जेवर जनपद गौतमबुद्धनगर।	1/4 1/4	0.0948 0.0158
2.	24ए चकजलालाबाद	11	127	0.0630	कुमरपाल पुत्र ज्ञानी सिंह नि० ग्राम रौनीजा।	1/4	0.0157
3.	22ई चकजलालाबाद	06	82/2 85/2 84/3स	0.1050 0.1520 0.2820	गुरूदत्त पुत्र सूखा निवासी रौनीजा, तहसील जेवर, जनपद गौतमबुद्धनगर।	1/4 1/4 1/4	0.0263 0.0380 0.0705
4.	चकवीरमपुर	172 119 120	63 66 145	0.2210 0.5230 0.0290	अशोक पुत्र नैपाल सिंह व किरन देई पत्नी नैपाल सिंह नि० ग्राम चकवीरमपुर, हाल निवासी मुफतिवाडा शिकारपुर, बुलंदशहर।	2/2210 3/5230 72/290	0.0002 0.0003 0.0072

उपरोक्त भूमि क्रय किये जाने में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति है तो वह लिखित रूप में 15 दिन के अन्दर अधोहस्ताक्षरी को अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है।

डिप्टी कलेक्टर
यमुना एक्सप्रेसवे प्राधिकरण

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के अधिसूचित क्षेत्र में प्राधिकरण द्वारा स्वीकृत मास्टर प्लॉन के अतिरिक्त प्लॉटिंग/हाउसिंग/कॉलोनी या किसी भी प्रकार का अन्य निर्माण पूरी तरह से अवैध है। सामान्यजन इस प्रकार की ख़रीदफ़रोख़्त से पूर्णतः सचेत रहें तथा कॉलोनाइजर के भ्रामक विज्ञापनों से बचें। अधिक जानकारी के लिए प्राधिकरण की वेबसाइट www.yamunaexpresswayauthority.com देखें।

{ संपादकीय }

नई दिल्ली, शुक्रवार 2 अगस्त 2024
संस्थापक-सम्पादक : स्व. मायाराम सुरजन

संसद से टपकता पानी

सरकारी निर्माण कार्यों में गुणवत्ता की उम्मीद करना भारतीयों ने अरसे से छोड़ दिया है। वे मानकर चलते हैं कि यदि किसी शासकीय स्कूल की इमारतें हों या फिर अस्पताल भवन, सड़कें हों या पुल-पुलिया- वे लम्बे समय तक नहीं चलेंगी। फिर वह निर्माण चाहे केन्द्र सरकार की देखरेख में बना हो या फिर राज्य सरकार द्वारा निर्मित हो। सरकारी भवनों को जर्जर होते देर नहीं लगती। कभी स्कूल में पढ़ाई करते बच्चों पर छत का प्लास्टर गिर जाता है तो कभी शाला भवन की दीवार ही ढह जाती है, कभी किसी सरकारी कार्यालय की सीढ़ियां टूटने लगती हैं तो कभी उनकी दीवारों पर उद्घाटन के पहले ही दरारें पड़ने लगती हैं। पुल-पुलियों के खम्भे टूटने लगते हैं तो सड़कें अल्प समय के इस्तेमाल करते ही फटने लगती हैं।

हाल के दिनों में ऐसे कई मामले सामने आये हैं। बिहार में पुलों ने गिरने का रिकॉर्ड बना दिया है। कुछ ही दिनों में दर्जन भर से अधिक पुल गिर गये। कई हाईवे पर तो उद्घाटन के केवल महीने-दो महीने में ही बड़ी दरारें पड़ गईं। सीवरेज अलग कहर ढाते हैं। जहां-जहां स्मार्ट सिटी परियोजना के अंतर्गत कार्य चल रहे हैं उनमें और भी बुरा हाल है। बारिश ने इस महत्वाकांक्षी व बहुप्रचारित योजना की पोल खोल दी है। सड़कों से लेकर मैदानों पर पानी ऐसा भरता है कि वाहन उनमें गिरते हैं, लोग हाथ-पांव तुड़वा रहे हैं या अपने प्राण गंवा रहे हैं। नियोजन से लेकर क्रियान्वयन तक सारा कुछ ऐसा दोषपूर्ण होता है कि इन योजनाओं का फायदा कम नुकसान ही अधिक होता है। जान-माल की हानि तो होती ही है, जीवन ही अव्यवस्थित हो जाता है। तिस पर अगर थोड़ी सी भी बरसात हो जाये तो जीवन को नर्क बनने में देर नहीं लगती।

अक्सर यह भी आरोप लगते हैं कि, जिसमें बड़े पैमाने पर सच्चाई भी है, भ्रष्टाचार का बड़ा योगदान गुणवत्ता को गिराने में होता है। यह किसी एक राज्य की बात नहीं है बल्कि यह सार्वभौमिक सत्य है कि शासकीय कार्य का अर्थ ही है अधिकारियों और राजनीतिज्ञों की जेबों का भरना। निर्माण कार्यों की लागत का आकलन तो वास्तविकता के आधार पर होता है, उसी कीमत पर कामों का आवंटन भी होता है परन्तु जब निर्माण शुरू होता है तो पता चलता है कि लाभ का एक बड़ा हिस्सा भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जायेगा। इससे ठेकेदार या निर्माण एजेंसियां गुणवत्ता में समझौते करती हैं। निर्माण हो जाता है व उसे विभाग को सौंप दिया जाता है, उद्घाटन हो जाते हैं लेकिन उन निर्माणों की गुणवत्ता जल्दी ही दीवारों, छतों, फर्शों और अन्य जगहों पर से झांकती दिखलाई पड़ती है। इसी कार्य पद्धति के तहत बने पुल लोगों पर गिरते हैं और मासूमों की मौतें होती हैं।

देश में सैकड़ों हादसे ऐसे होते हैं जिनके लिये यही घटिया निर्माण जिम्मेदार होता है परन्तु उससे भी बुरी बात होती है इस पर होने वाली सियासत। यह नया भारत है जहां पहले यह देखा जाता है कि जो भी हादसा हुआ है या निर्माण की खामियां उजागर होती है, तो वह किस राज्य का मामला है और वहां किसकी सरकार है। पहले न कोई ऐसी वारदात का बचाव करता था और न ही भ्रष्टाचार की स्वीकार्यता थी। लेकिन अब एक ही तरह की अलग-अलग राज्यों में होने वाली घटनाएं तय करती हैं कि उनकी आलोचना की जाये या बचाव। भारतीय जनता पार्टी की यह देन कही जा सकती है जिसके पास ऐसा प्रचार तंत्र है जो यह याद दिलाता है कि यदि अभी पुल-पुलिया गिर रहे हैं, एयरपोर्ट में पानी भर रहा है, रेलवे स्टेशन की छतों से पानी चू रहा है तो कोई बात नहीं, क्योंकि ऐसा पहले भी हुआ था- कांग्रेस के समय। भाजपा की ट्रोल आर्मी को फर्क नहीं पड़ता कि जनता के पैसे से बने अयोध्या के राममंदिर की छत से चू रहे पानी से गर्भगृह लबालब हो रहा है या महाकालेश्वर में लगाई गयीं मूर्तियां गिर रही हैं। करोड़ों की लागत से बने एक्सप्रेस-वे टूट जायें या पुल ढह जायें- उनकी बला से।

अपने प्रचार तंत्र और समर्थकों पर भारतीय जनता पार्टी की सरकार, खासकर नरेन्द्र मोदी को बहुत भरोसा है, फिर वे यह भी जानते हैं कि उन्हें इसे लेकर किसी को जवाब देना नहीं है। यही कारण है कि उनकी सीधी देखरेख में बने और उनका अपना ड्रीम प्रोजेक्ट कहे जाने वाले नये संसद भवन में पानी टपकने को लेकर सरकार का कोई बयान नहीं आया है। वैसे ही जिस प्रकार कुछ हवाई अड्डों में पानी भरने व एक्सप्रेस-वे टूटने पर कुछ नहीं कहा गया। इसके बावजूद देश के सबसे प्रतिष्ठित भवन की छत से अपने निर्माण के इतने कम समय में पानी टपकने की जिम्मेदारी से मोदी नहीं बच सकते। उन्होंने इसका निर्माण बहुत जल्दबाजी में कराया था। कोरोना काल में जब देश के लिये एक-एक रुपया महत्वपूर्ण था, इस पर करोड़ों रुपये लगाये गये (कितने, यह स्पष्ट नहीं)। मोदी इस काम का बार-बार निरीक्षण करते रहे। सेफ्टी हैलमेट लगाकर ड्राइंग फैलाये अन्य इंजीनियरों को जिस प्रकार से उंगली दिखाकर निर्देश देते हुए मोदी की तस्वीरें देश-दुनिया में प्रकाशित व प्रसारित हुई थीं, वैसी ही गुरुवार को सुबह से उस नीली बाल्टी की फोटुएं वायरल हो रही हैं जिसमें 'सेंट्रल विस्टा' कहे जाने वाले नवीन संसद भवन के भव्य गुंबद से टपकता पानी इकट्ठा हो रहा है। निर्माण में स्पेस टेक्नालॉजी का इस्तेमाल का दावा करने वाले मोदी को इस पर कुछ कहना चाहिये क्योंकि पुराने संसद भवन के बरक्स उन्होंने इसे अधिक गौरवशाली माना है।

जनगणना से कब तक डरना

बजट से जुड़ा हलवा बांटने वाले और हलवा खाने के रुपक के सहारे बात को जातिगत जनगणना तक ले जाने वाले राहुल गांधी ने अपनी राजनीति चल दी। अब इसका कितने लोगों पर कैसा असर हो रहा है इसका हिसाब अलग-अलग हो सकता है, लेकिन भाजपा पर इसका प्रभाव काफी पड़ा है। उसकी तरफ से राजनीति को हिन्दू-मुसलमान लाइन पर ले जाने का प्रयास बंद नहीं हुआ है लेकिन अब वह हर बात में जाति के सवाल को महत्व देने लगी है और राहुल गांधी तथा कांग्रेस को ही नहीं समाजवादी पार्टी और राजद को ही पिछड़ा और दलित विरोधी बताने का प्रयास भी कर रही है। लेकिन निश्चित रूप से वह जातिगत जनगणना के खिलाफ है और इसकी कोई उपयोगिता नहीं मानती-भले उसने बिहार में हुई जातिगत जनगणना का समर्थन किया था। लेकिन राहुल गांधी को अपनी इस राजनैतिक रणनीति या भाजपा की घेराबंदी में एक बार भी याद नहीं आया कि देश में वह सामान्य जनगणना भी नहीं हुई है जो विश्वयुद्ध के दौरान भी नहीं रुकी थी। और सरकार ने जिस कोरोना के नाम पर जनगणना रोकी थी (हालांकि दुनिया में ऐसा सिर्फ दो अन्य देशों में ही हुआ था) उसे गए जमाना हो गया है और अब आम चुनाव समेत सब काम रूटीन पर लौट आया है।

विपक्ष का नेता होने के चलते राहुल को यह पूछने की जरूरत थी क्योंकि इस बजट में भी जनगणना के लिए धन का प्रावधान नहीं हुआ है-यह रकम पहले से कम कर दी गई है। और तब भले गृहराज्य मंत्री ने सदन में और गृह मंत्री ने बाहर कोरोना के चलते जनगणना रोकने और ज्यादा व्यापक सवालों के साथ जनगणना कराने की बात कही हों अब तो सरकार के अधिकारी कहने लगे हैं कि 1948 के जनगणना कानून में इस बात का कोई प्रावधान नहीं है कि हर दस साल पर अनिवार्य रूप से जनगणना हो ही। संभवत: ऐसा है भी लेकिन पिछले डेढ़ सौ साल की जनगणना की परंपरा और उसकी रोजाना के काम की उपयोगिता ने हमारे लिए कानून के पन्ने पलटने की जरूरत नहीं छोड़ी थी। चुनाव के क्षेत्र निर्धारण से लेकर सरकारी नीतियां बनाने और संसाधनों के आवंटन तथा आगे होने वाले हर सर्वेक्षण में जनगणना के आंकड़ों को आधार बनाने की आदत हमारे मन मस्तिष्क में इस तरह समा गई है कि हम सोच भी नहीं सकते कि अच्छे दिन लाने और देश को विकसित दुनिया की बराबरी पर लाने और विश्वगुरु बनाने के दावे करने वाली सरकार जनगणना रोक देगी।

इस सरकार का आंकड़ों से 'बैर' अब छुपा नहीं है। उसने जाने कितने आंकड़े जुटाने का काम रोका है, कितने जुटे आंकड़ों को प्रकाशित नहीं होने दिया है, कितने ही दूसरे अनुमानों को झुठलाया है, जीडीपी की गणना से लेकर न जाने किस-किस हिसाब का आधार ही बदल दिया है। इन सबसे हमारे सारे आंकड़े संदेहास्पद हो गए हैं जबकि ब्रिटिश शासन काल से ही महा-सांख्यिकी लेखाकार के अधीन आंकड़े जमा करने की एक मजबूत व्यवस्था के अभी तक काम करते जाने के चलते दुनिया में हमारे आंकड़ों को बहुत सम्मान से देखा जाता था। और हद तो तब हो गई जब सरकार ने जीएसटी कर वसूली के निरंतर बढ़ते जा रहे आंकड़ों और कर वसूली बढ़ने के आंकड़ों को सार्वजनिक करने पर रोक लगा दी। देश विदेश के विभिन्न संस्थानों द्वारा जैसे-जैसे जुटाए आंकड़े जब सरकार के पक्ष में होते हैं तो उनका शोर मचाया जाता है वरना उनको खारिज कर दिया जाता है। और बुनियादी दिक्कत यह है कि जब पंद्रह साल पुरानी जनगणना को रैंडम सैंपलिंग के लिए कितनी भी ईमानदरी से इस्तेमाल किया जाए तो नतीजे गलत आने की पूरी गुंजाइश है। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण हो या परिवार स्वास्थ्य या उपभोग सर्वेक्षण, सभी जनगणना के आंकड़ों को ही आधार बनाते हैं।

अरविन्द मोहन

जनगणना का काम सिर्फ दूसरे सर्वेक्षणों का आधार बनना या उनकी पृष्ठभूमि तैयार करना नहीं है। उसका काम है देश की आबादी का, उसके आर्थिक, सामाजिक, भौतिक जीवन की वास्तविकता को सामने लाना। मकान की गिनती और स्थिति से शुरू होकर अब यह परिवार और व्यक्ति को लेकर बीसियों सूचनाएं जुटाता है और फिर उनको जमा करने के साथ वर्गीकृत करता है, विश्लेषित करता है।

जनगणना का काम सिर्फ दूसरे सर्वेक्षणों का आधार बनना या उनकी पृष्ठभूमि तैयार करना नहीं है। उसका काम है देश की आबादी का, उसके आर्थिक, सामाजिक, भौतिक जीवन की वास्तविकता को सामने लाना। मकान की गिनती और स्थिति से शुरू होकर अब यह परिवार और व्यक्ति को लेकर बीसियों सूचनाएं जुटाता है और फिर उनको जमा करने के साथ वर्गीकृत करता है, विश्लेषित करता है। और अगर अमित शाह की कुछ समय पहले कही बात अब भी सच है तो इस बार की जनगणना में कुछ और नई जानकारियां जुटाने का काम होना है। इनके आधार पर ग्राम पंचायत और शहर के वार्ड से लेकर पंचायत और नगरपालिका, विधान सभा और संसदीय क्षेत्र का आकार-प्रकार बदला और तय किया जाता है। इनके आधार पर शहरी घोषित हो गए गांव और कस्बे में सुविधाओं और कायदे-कानून में बदलाव होता है। जिन आंकड़ों के आधार पर सरकार और स्वशासी संस्थाओं के बजट का आवंटन होता है। कई जानकारों का अनुमान है कि जिन पैमानों पर सरकार 81.5 करोड़ लोगों को आज मुफ़्त राशन दे रही है अगर आबादी के नए हिसाब (अनुमान ही) को ध्यान में रखा जाए तो 93 करोड़ लोगों को मुफ़्त राशन मिलना चाहिए। अब राजनैतिक मजबूरी के चलते सरकार बिहार जैसे पिछड़े राज्य को जो धन दे रही है वह काम काफी पहले हो जाना चाहिए था।

लेकिन इससे भी बड़ी बात संसदीय क्षेत्रों का पुनर्गठन, समाज के विभिन्न जमातों में आबादी की वृद्धि की रफ्तार, गरीबी काम-ज्यादा होने का हिसाब, मकान-दूकान-वाहन-खेती-संपत्ति का हिसाब है। सरकार इसमें से कई का हिसाब सामने आने देना नहीं चाहती। इससे उसकी राजनीति कमजोर होगी (खासकर मुसलमानों की आबादी बढ़ाने की रफ्तार की असलियत से), दक्षिण और उत्तर के राज्यों के बीच संसदीय क्षेत्रों के पुनर्गठन और उनकी संख्या घटने-बढ़ने के सवाल पर उलझ जाएगी। इस बार की जनगणना रोकना राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर और सीएए जैसे विवादास्पद प्रावधानों की उलझन के चलते हुआ है। इन दो कानूनी प्रावधानों की जो दुर्गति हुई है सब देख रहे है। कुछ दर्जन केस भी सामने नहीं आए हैं। नागरिकता के उलझे सवाल पर सरकारी नजरिए का दोष जाहिर हुआ है और राजनैतिक लाभ की जगह घाटा हो गया है। यह भी हुआ कि जैसे ही सरकार ने जनगणना के साथ जनसांख्यिकी रजिस्टर और नागरिकता रजिस्टर वाली बात उठाई अनेक राज्यों ने विरोध कर दिया। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने तो एनआरसी वाली जानकारी भरने वाले जनगणाकारों का घेराव और धर-पकड़ का आह्वान कर दिया था। सरकार इससे भी डर गई। सरकार के डरने और जनगणना रोकने का तीसरा कारण जातिगत जनगणना की मांग हो सकती है। राहुल ने वह काम तो नेता विपक्ष बनाकर कर दिया है लेकिन जनगणना की मांग को छोड़ दिया।

तेहरान में हमास नेता हनीयेह की हत्या से मध्य पूर्व में युद्ध भड़कने की संभावना

■ नित्य चक्रवर्ती

बुधवार को मध्य पूर्व में अभूतपूर्व उथल-पुथल मच गई, जब खबर आई कि तेहरान में सुबह अज्ञात बंदूकधारियों ने उनके आवास में हमास नेता इस्माइलहनीयेह की हत्या कर दी। हालांकि ईरानी सरकार ने कहा कि वे हत्या की जांच कर रहे हैं और इजरायली सरकार ने आधिकारिक तौर पर चुप्पी साधे रखी, लेकिन फिलिस्तीन के नेताओं ने इसे 'विश्वासघाती ज़ायोनी छापा' करार दिया।

इससे पहले, ईरान के रिवोल्यूशनरीगार्ड्स ने कहा कि उन्हें एक ईरानी अंगरक्षक के साथ उनके आवास में निशाना बनाया गया था। उन्होंने कहा कि वे राष्ट्रपति मसूदपेजेशकियन के उद्घाटन समारोह में शामिल होने के लिए ईरान गये थे। पेजेशकियन को पिछले महीने राष्ट्रीय चुनावों में ईरान का नया राष्ट्रपति चुना गया था। 30 जुलाई को उनके शपथ ग्रहण समारोह में पश्चिम एशियाई देशों के कई वरिष्ठ नेताओं को आमंत्रित किया गया था।

हनियेह उग्रवादी समूह के निर्वासित राजनीतिक प्रमुख थे और उन्होंने हाल के वर्षों में अपना अधिकांश समय कतर और तुर्की में बिताया था। उन्हें एक व्यावहारिक व्यक्ति माना जाता है। उन्होंने इज़राइल-गाजा युद्ध के दौरान युद्ध विराम वार्ता में एक वार्ताकार के रूप में काम किया था। उन्होंने हमास के मुख्य सहयोगी ईरान के साथ संपर्क किया था और तुर्की के राष्ट्रपति से मुलाकात की थी। उन्हें एक कुशल वार्ताकार के रूप में बहुत महत्व दिया जाता था।

हनियेह उग्रवादी समूह के निर्वासित राजनीतिक प्रमुख थे और उन्होंने हाल के वर्षों में अपना अधिकांश समय कतर और तुर्की में बिताया था। उन्हें एक व्यावहारिक व्यक्ति माना जाता है। उन्होंने इज़राइल-गाजा युद्ध के दौरान युद्ध विराम वार्ता में एक वार्ताकार के रूप में काम किया था। उन्होंने हमास के मुख्य सहयोगी ईरान के साथ संपर्क किया था और तुर्की के राष्ट्रपति से मुलाकात की थी। उन्हें एक कुशल वार्ताकार के रूप में बहुत महत्व दिया जाता था और हमास नेतृत्व ने पिछले साल 7अक्टूबर को युद्ध शुरू होने के बाद से इज़राइल के खिलाफ़ हमास की लड़ाई के लिए सहायता का आयोजन करने में उनके कौशल का उपयोग किया।

हनियेह को खालिदमेशाल की जगह लेने के लिए 2017 में हमास राजनीतिक ब्यूरो का प्रमुख चुना गया था, लेकिन वह पहले से ही एक प्रसिद्ध व्यक्ति थे, क्योंकि 2006 में उस वर्ष के संसदीय चुनाव में हमास की अप्रत्याशित जीत के बाद वे फ़िलिस्तीनी प्रधानमंत्री बन गये थे। तुर्की सरकार के साथ उनके अच्छे संबंध थे और उन्होंने राष्ट्रपति एर्दोगन से फिलिस्तीनी लड़ाकों के पक्ष में वित्तीय और अन्य सहायता का प्रबंध किया था। अब तक इजरायल के युद्ध में 39,400 फिलिस्तीनी मारे गये हैं और आधिकारिक तौर पर घायलों की संख्या 90,996 बताई गई है।

मारे गये हमास नेता गाजा में फिलिस्तीनियों और इजरायल के बीच संघर्ष विराम पर बातचीत की प्रक्रिया का हिस्सा थे, जिसकी निगरानी अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन कर रहे थे। पिछले सप्ताह वाशिंगटन की अपनी यात्रा के दौरान इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को राष्ट्रपति बाइडेन और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस दोनों ने जल्द से जल्द संघर्ष विराम को अंतिम रूप देने के लिए कहा था। नेतन्याहू ने हमेशा की तरह देरी के लिए हमास नेतृत्व को दोषी ठहराया।

ताजा घटनाक्रम ने हमास नेतृत्व को नाराज कर दिया है और इस बात की पूरी संभावना है कि यह तनाव और बढ़ सकता है, क्योंकि लेबनान और तुर्की दोनों ही हमास का खुलकर समर्थन कर रहे हैं। लेबनान स्थित हिजबुल्लाह ने पिछले सप्ताह गोलनहाइट्स पर 12 लोगों की हत्या की थी, जिसमें बच्चे और महिलाएं भी शामिल थीं। इसके जवाब में इजरायल ने मंगलवार को बेरूत पर हवाई हमला किया, जिसमें गोलनहाइट्स पर हमले के लिए जिम्मेदार हिजबुल्लाह के शीर्ष कमांडर को निशाना बनाया गया।

इजरायल ने कहा कि पिछले सप्ताह के हमले के लिए लेबनान को गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। लेबनान स्थित आतंकवादी संगठन हिजबुल्लाह के अलावा, तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोगन ने कहा कि तुर्की फिलिस्तीनियों के समर्थन में इजरायल में प्रवेश कर सकता है। अगर उनके शब्दों को कार्रवाई में बदला जाता है, तो यह वर्तमान युद्ध को एक नया आयाम देगा, क्योंकि तुर्की नाटो का सदस्य है और नाटो के अपने सदस्यों के लिए कुछ नियम हैं। पहले ही इजरायल ने नाटो के समक्ष विरोध जताया है कि तुर्की आतंकवादियों को वित्तीय धन पहुंचाने का एक जरिया है। अब भौतिक भागीदारी फिलिस्तीन-इजरायल युद्ध के क्षेत्रों का और विस्तार करेगी। अगले कुछ दिन मध्य पूर्व में महत्वपूर्ण होंगे।

आपके पत्र

क्यों किसानों के लिए पशुपालन बोझ बनता जा रहा है?

हमारे देश में किसानों के लिए कृषि कार्य जितना लाभकारी है उतना ही पशुपालन भी उनकी आय का एक बड़ा माध्यम है। देश के लगभग सभी किसान कहीं न कहीं खेती के साथ-साथ पशुपालन भी ज़रूर करते हैं। इससे जहां उन्हें कृषि संबंधी कार्यों में सहायता मिलती है तो वहीं वह उनके अतिरिक्त आय का स्रोत भी होता है। देश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मज़बूत बनाने पशुपालन भी एक प्रमुख साधन है लेकिन हाल के कुछ वर्षों में राजस्थान के कई ग्रामीण इलाकों में पशुपालन किसानों के लिए घाटे का सौदा साबित होता जा रहा है। कभी बढ़ती महंगाई तो कभी मवेशियों में फैलती जानलेवा बीमारी किसानों को पशुपालन से दूर करता जा रहा है। कई किसान परिवार अब अपने मवेशियों को बोझ समझ कर पशुपालन का काम छोड़ने पर विचार करने लगे है, जो न केवल किसानों के लिए बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए भी नुकसानदेह साबित हो सकता है।

राज्य के बीकानेर जिला स्थित लूणकरणसर ब्लॉक का करणीसर गांव भी इसका एक उदाहरण है। जहां किसानों के लिए मवेशी पालना आय का अतिरिक्त स्रोत नहीं बल्कि घाटे का कारण बनता जा रहा है। ब्लॉक मुख्यालय से करीब 35 किमी दूर इस गांव में 543 परिवार आबाद हैं इनमें लगभग सभी परिवार खेती किसानी के साथ-साथ पशुपालन का काम भी करता है। गांव में प्रवेश करते ही जगह-जगह पालतू मवेशी खुले में घूमते नज़र आ जाएंगे। इनमें सबसे अधिक संख्या गायों की है। इस संबंध में 35 वर्षीय किसान लालचंद बताते हैं कि पहले की अपेक्षा अब मवेशी पालना कठिन हो गया है। जितनी उससे आमदनी नहीं होती है उससे अधिक उनके चारे में खर्च हो जाता है। वह बताते हैं कि वर्षों से उनके परिवार की परंपरा रही है कि कृषि के साथ-साथ गाय भी पाले जाते हैं। इस समय उनके पास भी 6 गायें हैं। लेकिन अब उनके लिए इस परंपरा को जारी रखना मुश्किल होता जा रहा है क्योंकि इन गायों से जितनी दूध नहीं मिलती है उससे कहीं अधिक उनके लिए चारे की व्यवस्था करनी पड़ती है। लगातार बढ़ती महंगाई भी इस दिशा में उनके लिए बहुत बड़ी समस्या के रूप में सामने खड़ी है। लालचंद बताते हैं कि फसल कटाई के समय मवेशी के लिए चारा उपलब्ध हो जाता है, जो अगले कुछ महीनों के लिए काफी होता है लेकिन उसके बाद चारा खरीदने पड़ते हैं जो पहले की अपेक्षा महंगी मिलती है।

वहीं एक अन्य किसान रविदास स्वामी बताते हैं कि कृषि कार्य के साथ-साथ उनके पास 10 गायें भी हैं जिनके लिए अब उन्हें चारे की व्यवस्था बहुत मुश्किल से होती है। वह बताते हैं कि करणीसर गांव में पीने के पानी की बहुत बड़ी समस्या है। जो पानी बावड़ी या अन्य स्रोतों से उपलब्ध होता है वह बहुत खारा होता है। जिसे इंसान ही नहीं मवेशी भी पीकर बीमार होते जा रहे हैं। वह कहते हैं कि गांव में कोई भी आर्थिक रूप से इतना संपन्न नहीं है कि अकेले अपने परिवार के लिए पीने के पानी का टैंकर मंगवा सके इसलिए सभी गांव वाले आपस में पैसा इकठ्ठा करके हर हफ्ते पानी का टैंकर मंगाते हैं। ऐसे में भला हम अपने मवेशियों के लिए पीने का अच्छा पानी कहां से उपलब्ध करा सकते हैं। मजबूरीवश उन्हें खारा पानी देते हैं जिसे पीकर वह अक्सर बीमार हो जाते हैं और कई बार उनकी मौत भी हो जाती है।

28 वर्षीय महिला पशुपालक पूनम कहती हैं कि सरकार द्वारा बनाई गई योजना सराहनीय है इससे ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले हम जैसे पशुपालकों को काफी लाभ होगा। लेकिन यह योजना धरातल पर किस प्रकार क्रियान्वित होगी यह बहुत अहम होगा। कई बार पशुपालकों को सरकार द्वारा चलाई जा रही ऐसी लाभकारी योजनाओं की जानकारियां नहीं होती हैं जिससे वह इसका लाभ उठाने से वंचित रह जाते हैं और पशुपालन के धंधे को छोड़ देते हैं।

उर्मिला कंवर, लूणकरणसर, राजस्थान

ललित सुरजन की कलम से

पन्द्रह मिनट की बहस

'निर्वाचित सदनों की कार्यप्रणाली पर विगत तीन दशकों के दौरान लगातार सवाल उठाए जाते रहे हैं। ये हमारी अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतर रहे, इनकी विश्वसनीयता क्षीण होती गई है और इनकी कार्यप्रणाली को लेकर प्रबुध्द वर्ग ही नहीं, आम जनता में भी गहरा असंतोष पनपने लगा है। हम जब सांसदों और विधायकों को चुनते हैं तो उनसे सहज उम्मीद करते हैं कि वे सदन में जन आकांक्षाओं को वाणी देंगे तथा देश-प्रदेश की प्रगति के लिए ईमानदारी के साथ अपना कर्तव्य निभाएंगे, लेकिन अब ऐसा नहीं हो रहा है। साल दर साल सत्र छोटे होते गए हैं, बैठकों के दिनों में कटौती होती गई है और जितने दिन सदन बैठता है उसका एक बड़ा हिस्सा निरर्थक बहसों और अवांछनीय दृश्यों में चला जाता है। तिस पर यह विरोधाभास कि सांसद और विधायक अपने लिए सुविधाएं साल-दर-साल बढ़ाते गए हैं। गोया, जिस जनता ने उन्हें चुनकर भेजा है उसके प्रति अब उनकी कोई जिम्मेदारी नहीं है।'

(देशबन्धु में 13 सितम्बर 2012 को प्रकाशित)

https://lalitsurjan.blogspot.com/2012/09/blog-post_12.html

पावन प्रसंग

आत्मसम्मान बढ़ाएं

आत्मसम्मान जीवन का केंद्रिय तत्व है, जो व्यक्तित्व के समुचित विकास का निर्णायक आधार गौन है। आत्मसम्मान स्वयं के प्रति अपनी धारणा वे अपनी क्षमताओं के बारे में विश्वास का नाम है, जिसके आधार पर हमारी दूसरों के प्रति धारणा व्य तय होती है। जब स्वयं के प्रति सकारात्मक धारणा क्षहोती है, तो अपने बारे में, जीवन के बारे में तथा जगत में अपने स्थान के बारे में हम सकारात्मक से दृष्टिकोण लिए होते हैं, जो जीवन के उतार-चढ़ावों क का बेहतर ढंग से सामना करने में हमें सक्षम बनाता है। इसके चलते दूसरों के प्रति भी हमारा संतुलित एवं सकारात्मक भाव बना रहता है।

जब हमारा आत्मसम्मान न्यून होता है, तो हम स्वयं व अपने जीवन को नकारात्मक व आलोचनात्मक रूप में देखना प्रारंभ करते हैं। अपनी क्षमताओं, व्यक्तित्व या दूसरों के कारण अपने जीवन में होने वाले परिवर्तनों के बारे में आश्वस्त नहीं रहते और हम जीवन की चुनौतियों का सामना करने में भी अक्षम अनुभव करते हैं। साथ ही दूसरों के प्रति भी नकारात्मक एवं असंतुलित भाव से आक्रांत रहते हैं।

आत्मसम्मान को चार आयामों में समझा जा सकता है, यथा-स्व के प्रति धारणा, अपनी पहचान का भाव, दूसरों के प्रति भाव तथा अपनी क्षमताओं पर विश्वास। स्व के प्रति धारणा आत्मविश्वास व सुरक्षा के भाव से जुड़ी है। अपनी मूलभूत आवश्यकताएं पूरी हो रही हैं या नहीं, निवास स्थान, शारीरिक स्वास्थ्य और आर्थिक स्थिरता आदि के प्रति सुरक्षा का भाव-विचार इस धारणा में रहता है।

नौकरी-पेशे, अपने विश्वास व संस्कृति के प्रति विचार शामिल रहते हैं। अपनों से संबंधित होने के भाव में अपने परिवार, मित्र-संबंधी, समाज, व्यवसाय व कार्यक्षेत्र शामिल रहते हैं। अपनी क्षमताओं के प्रति आश्वस्त होने में जीवन के प्रति न्यूनतम नियंत्रण का भाव रहता है, साथ ही गलतियों से सीख, असफलताओं व चुनौतियों का सामना करने की क्षमता आदि शामिल रहते हैं।

आत्मसम्मान में कमी के कारण जीवन के प्रति सुरक्षा का भाव खंडित हो जाता है। स्वयं के प्रति स्वस्थ एवं संतुलित सोच का अभाव रहता है। इसी तरह दूसरों के प्रति भी विकृत सोच पनपती है और अपनी क्षमताओं के प्रति व्यक्ति में अविश्वास का भाव आता है। ऐसे में व्यक्तित्व का समग्र विकास नहीं हो पाता और एक सुखी, सफल व संतुष्ट जीवन का सपना साकार नहीं हो पाता।

वास्तव में आत्मसम्मान का विकास बचपन से ही प्रारंभ हो जाता है। माता-पिता, अभिभावक, मित्रगण व शिक्षक आदि हमें सतत सकारात्मक या नकारात्मक संदेश संकेत भेजकर इसके सकारात्मक 7 या नकारात्मक विकास में उत्प्रेरक की भूमिका निभाते हैं। इस संदर्भ में आज के दौर में मीडिया के प्रभाव को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इन न सबके साथ जुड़े नकारात्मक प्रभाव आत्मसम्मान तको न्यून करते हैं और लोगों की व स्वयं की आशा-अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतर पाने के कारण ना असुरक्षा का भाव सुलगता रहता है।

न्यून आत्मसम्मान के कारण हम सामाजिक स्थितियों से बचते फिरते हैं, नई चीजों को आजमाना बंद करते हैं और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों से भागते रहते हैं। तात्कालिक रूप में हमें इसमें अनुभव होती है किंतु दीर्घकाल में यही अंदर भय व संशय को उत्पन्न करके हैं और अवसाद के शिकार हो जाते हैं।

अखंड ज्योति

प्रकाशक, मुद्रक : राजीव रंजन श्रीवास्तव द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लि. के लिए 506, आई.एन.एस. बिल्डिंग, 9, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित एवं बीएफएल इंफोटेक लि., सी 9, सेक्टर-3, नोएडा से मुद्रित। सम्पादक : राजीव रंजन श्रीवास्तव, (पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार)। आर.एन.आई. नं. DELHIN/2008/24216. दिल्ली कार्यालय :फोन: 011-23718195,23357784, फैक्स: 011-43581404, नोएडा कार्यालय: फोन: 0120-4114404 फैक्स: 0120-4273770
ई-मेल: deshbandhudelhi@gmail.com वेब: www.deshbandhu.co.in

देश

उवाच

भाजपा नेता ने मीडिया के सवालों के जवाब में कहा, 'मैं राहुल गांधी को बिल्कुल भी राजनेता नहीं मानता हूं क्योंकि इतनी उम्र के बाद भी वह खुद को युवा नेता कहते हैं। अगर 55 साल की उम्र में लोग युवा नेता बने रहेंगे तो युवाओं का क्या होगा? ये वैसे लोग हैं जो युवाओं से रोजगार छीनते हैं, जो बुढ़ापे में भी खुद को जवान कहते हैं: **दिलीप जायसवाल, अध्यक्ष भाजपा बिहार**

तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	33.4	24.3
मुंबई	31.4	26.1
कोलकाता	29.6	26.6
चेन्नई	37.2	27.1

भारत, जापान में बौद्ध धर्म की साझी विरासत दोनों देशों के नागरिकों को आपस में जोड़ती है : बिरला

- जापान के हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स के स्पीकर महामहिम नुकागा फुकुशिरो के साथ बैठक की
- जापानी संसदीय शिष्टमंडल भारत की पांच दिवसीय यात्रा पर आया है

भारत और जापान के बीच प्राचीन एवं गहरे रिश्तों का दोनों सभ्यताओं में बौद्ध धर्म की साझी विरासत है, दोनों देशों के मैत्रीपूर्ण संबंधों की बुनियाद है, जापान से भारत आने वाले पर्यटक एवं तीर्थयात्रीयों से दोनों देशों के नागरिकों के बीच आपसी समझ विकसित होती है : ओम बिरला

नई दिल्ली, 1 अगस्त (एजेंसियां)। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने गुरुवार को संसद भवन परिसर में जापान के हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स के स्पीकर महामहिम नुकागा फुकुशिरो के साथ बैठक में कहा कि भारत और जापान की सभ्यताओं में बौद्ध धर्म की साझी विरासत है, जो दोनों देशों के नागरिकों को आपस में जोड़ती है। जापानी संसदीय शिष्टमंडल यहां भारत की पांच दिवसीय यात्रा पर आया है।

श्री बिरला ने जापानी संसदीय शिष्टमंडल की गर्मजोशी से स्वागत किया। इस अवसर पर श्री बिरला ने भारतीय संसद की नारी सशक्तीकरण की प्रति प्रतिबद्धता की जिक्र करते हुए कहा कि महामहिम फुकुशिरो को सूचित किया कि नये संसद भवन के पहले सत्र में नारी शक्ति वंदन अधिनियम सहित कई महत्वपूर्ण विधेयक पारित हुये। बजट सत्र को सबसे महत्वपूर्ण सत्र बताते हुये श्री बिरला ने भारत की बढ़ती आर्थिक प्रगति का उल्लेख किया और कैसे हर क्षेत्र में भारत आगे बढ़ रहा है, इसका जिक्र किया। उन्होंने भारत और जापान के बीच प्राचीन एवं गहरे रिश्तों का उल्लेख करते हुये कहा कि दोनों सभ्यताओं में बौद्ध धर्म की साझी विरासत है, जो दोनों देशों के नागरिकों को आपस में जोड़ती है। श्री बिरला ने इस प्रकार के जन से जन संपर्क को दोनों देशों के मैत्रीपूर्ण संबंधों की बुनियाद बताया। श्री बिरला ने बौद्ध धर्म से जुड़े धार्मिक स्थानों की यात्रा के लिए प्रतिवर्ष जापान से भारत आने वाले पर्यटक एवं तीर्थयात्रीयों की बड़ी संख्या पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुये कहा कि इससे दोनों देशों के नागरिकों के बीच आपसी समझ विकसित होती है। उन्होंने भारत और जापान के सांझे लोकतंत्र मूल्यों का उल्लेख करते हुये जापानी शिष्टमंडल को सूचित किया कि इस वर्ष हुये लोक सभा चुनाव में लगभग 65 करोड़ लोगों ने अपने मताधिकार को प्रयोग किया। उन्होंने कहा कि भारत में प्रति निर्वाचन क्षेत्र में औसतन 20 लाख से भी अधिक मतदाता होते हैं। भारत की निर्वाचन प्रक्रिया निर्वाचन आयोग द्वारा सम्पन्न की जाती है, जो स्वयं एक संवैधानिक संस्था है। उन्होंने कहा कि भारत के निर्वाचन आयोग का स्वच्छ, स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव कराने का रिकॉर्ड रहा है। उन्होंने देश की लंबी लोकतान्त्रिक यात्रा का उल्लेख करते हुये कहा कि वर्ष 1947 में आजादी के बाद से भारतीय लोगों ने लोकतंत्र के माध्यम से अपने देश का विकास किया है। उन्होंने कहा कि इस कालखंड में देश में व्यापक सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन हुये हैं। श्री बिरला ने कहा कि देश की विकास यात्रा में कई चुनौतियों का देश के जनप्रतिनिधियों ने सहमति-असहमति और चर्चा संवाद से समाधान किया है।

लोकसभा अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार सरकार बनने का उल्लेख करते हुये कहा कि आज भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि देश में मजबूत और पारदर्शी सरकार होने के कारण आर्थिक निवेश की बड़ी संभावनायें हैं। राज्यों में भी निवेश के पर्याप्त अवसर हैं। उन्होंने हर्ष व्यक्त करते हुये कहा कि भारत में कई जापानी कंपनियां कार्य कर रही हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि आर्थिक निवेश और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भविष्य में भी दोनों देशों का आपसी सहयोग और बढ़ता रहेगा।

सरकार ने किसानों की हालत सुधारने के लिए कोई वादा पूरा नहीं किया : सुरजेवाला

मोदी सरकार ने वादा किया था कि वर्ष 2022 तक किसानों की आय दोगुनी कर दी जायेगी, किसानों की आय दोगुना तो नहीं की जा सकी बल्कि यह कुछ राज्यों में पहले से भी कम हो गयी है: सुरजेवाला

नई दिल्ली, 1 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस ने गुरूवार को राज्यसभा में आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने किसानों की हालत सुधारने के लिए अब तक जो भी वादे किये वे केवल जुमले साबित हुए और किसानों की आय दोगुना करने से लेकर न्यूनतम समर्थन मूल्य पर फसल की खरीद करने जैसे एक भी वादे को पूरा नहीं किया गया है। कांग्रेस के रणदीप सुरजेवाला ने सदन में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के कामकाज पर चर्चा की शुरूआत करते हुए कहा कि मोदी सरकार के किसान कल्याण क्रियाकलापों का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि सरकार ने पांच वर्षों में कृषि मंत्रालय के बजट का एक लाख करोड़ रूपया वापस लौटाया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने वादा किया था कि वर्ष 2022 तक किसानों की आय दोगुनी कर दी जायेगी लेकिन मंत्रालय की स्थायी समिति की रिपोर्ट में कहा गया है कि किसानों की आय दोगुना तो नहीं की जा सकी बल्कि यह कुछ राज्यों में पहले से भी कम हो गयी है।

उन्होंने कहा कि सरकार बजट में कृषि के आवंटन को चार प्रतिशत से कम कर कुल बजट के केवल 2.74 प्रतिशत पर ले आयी है। उन्होंने सरकार की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि देश में सवा लाख से अधिक किसानों ने आत्महत्या की है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि यह निजी बीमा कंपनियों के लिए मुनाफे का सौदा बन गयी है। श्री सुरजेवाला ने कहा कि सरकार ने तीन विवादास्पद कृषि कानूनों को वापस लेने के समय एमएसपी लागू करने का वादा किया था लेकिन अब तक यह पूरा नहीं हुआ है। उन्होंने कृषि मंत्री द्वारा दिये गये आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि सरकार खुद उसके द्वारा घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य पर ही फसलों की खरीद नहीं कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार ने गेंहूं, चना, जौ और सरसों के कुल उत्पादन में से बहुत कम फसल को एमएसपी पर खरीदा है। उन्होंने कहा कि फिर एमएसपी का क्या औचित्य रह जाता है। किसानों के लिए शुरू की गयी प्रधानमंत्री कुसुम योजना का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार ने इसके तहत जो घोषणाएं की थी वे धरातल पर नहीं उतरी हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने उर्वरक पर सब्सिडी में भी कटौती की है।

संसद से

सभी के घरों तक शुद्ध जल पहुंचाना सरकार का लक्ष्य: पाटिल

नई दिल्ली, 1 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी आर पाटिल ने गुरुवार को लोकसभा में कहा कि जल जीवन मिशन के तहत सरकार सभी घरों तक शुद्ध जल पहुंचाने का काम कर रही है। श्री पाटिल ने प्रश्नकाल के दौरान एक पूरक प्रश्न के उत्तर में कहा कि जल प्रबंधन राज्य का विषय है लेकिन केंद्र सरकार की ओर से राज्यों को आर्थिक सहायता दी जाती है। हर घर जल से सभी की समस्या का समाधान होगा। सरकार इस दिशा में निरंतर काम कर रही है। सरकार राज्यों के साथ मिलकर इस दिशा में काम कर रही है। हर गांव में जो पानी दिया जाता है, वह शुद्ध मिल रहा है। उन्होंने कहा कि सत्तर साल से लोगों को शुद्ध जल नहीं मिल रहा था, लेकिन मोदी सरकार में यह संभव हो पाया है। पहले पानी के लिए महिलाओं को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था, लेकिन अब घरों में ही शुद्ध जल मिल रहा है। उनूहोंने एक अन्य प्रश्न के जवाब में कहा कि जहां पर पानी नहीं मिलने की शिकायत है उसे दूर करने के लिए राज्य सरकारों के साथ समन्वय स्थापित कर दूर करने पर काम किया जा रहा है।

शहरों को सुविधा संपन्न तथा विकसित करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है सरकारः मनोहर लाल

केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने बृहस्पतिवार को राज्यसभा में कहा कि देश में शहरों की संख्या तथा उनकी आबादी निरंतर बढ रही है और सरकार उन्हें सुविधा संपन्न एवं विकसित करने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। श्री लाल ने सदन में आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के कामकाज पर करीब तीन घंटे चली चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि सरकार देश में हर व्यक्ति को आवास मुहैया कराने के लिए ठोस योजना पर कार्य कर रही है और मोदी सरकार ने अपने तीसरे कार्यकाल में मंत्रिमंडल की पहली ही बैठक में तीन करोड़ आवास बनाने की योजना को मंजूरी दी थी। उन्होंने कहा कि इनमें से दो करोड आवास ग्रामीण क्षेत्रों में तथा एक करोड़ शहरों में बनाये जायेंगे। उन्होंने कहा कि आजादी के शुरू के वर्षों में देश की आबादी का बहुत छोटा सा हिस्सा शहरों में रहता था लेकिन अब शहर निरंतर बढ रहे हैं और इनका आकार बढने के साथ साथ इनकी आबादी भी बढ रही है। उन्होंने कहा कि दस वर्षों में शहरों की आबादी देश की कुल आबादी का 40 प्रतिशत हो जायेगी। उन्होंने कहा कि सरकार इसे ध्यान में रखकर निरंतर कदम उठा रही है और इस बार के बजट में मंत्रालय के लिए 80 हजार करोड़ रुपये से अधिक का बजट आवंटन किया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार देश में ढांचागत सुविधाओं और आवास सुविधाओं के निर्माण पर विशेष ध्यान दे रही है।

डिजी यात्रा ऐप को और बेहतर करने का प्रयास किया जा रहा: नायडू

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू ने गुरुवार को लोकसभा में कहा कि हवाई अड्डे पर प्रवेश के लिए लाइनों से बचने के वास्ते डिजी यात्रा ऐप को और बेहतर बनाने और अधिक से अधिक हवाई अड्डों पर इसे शुरू करने का प्रयास किया जा रहा है। श्री नायडू ने प्रश्नकाल के दौरान एक पूरक प्रश्न के जवाब में कहा कि देश में 15 हवाई अड्डों पर डिजी यात्रा ऐप संचालित किया जा रहा है। बारह हवाई अड्डों पर जल्द इसे शुरू करने की तैयारी है। उन्होंने कहा कि 30 से 40 हवाई अड्डों में डिजी यात्रा ऐप की सुविधा शुरू हो जाने के बाद यात्रा करने वाले करीब 90 प्रतिशत यात्री इसकी सुविधा का उपयोग कर सकेंगे। उन्होंने एक अन्य सवाल के जवाब में कहा कि डिजी यात्रा ऐप में किसी प्रकार की निजता का हनन नहीं हो रहा है। यह ऐप यात्रा करने वाले के यात्री के स्मार्ट फोन में होता है, जिससे किसी तरह के खतरे की आशंका नहीं है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में जल जीवन मिशन के तहत जो काम होना चाहिए था, वह नहीं किया गया लेकिन वर्तमान सरकार इस दिशा में काम कर रही है।

झारखंड विधानसभा से भाजपा के 18 विधायकों के निलंबन पर नेता प्रतिपक्ष ने कहा, स्पीकर ने लोकतंत्र की हत्या की

झारखंड विधानसभा से 18 भाजपा विधायकों को सस्पेंड किए जाने पर सियासी आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गया है। विधायकों को निलंबित करने के स्पीकर के आदेश के बाद नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने मीडिया से कहा, स्पीकर रबींद्रनाथ महतो ने दिनदहाड़े लोकतंत्र की हत्या की है। बाउरी ने कहा, स्पीकर ने राज्य सरकार के इशारे पर विधायकों को सस्पेंड किया है। उन्होंने संविधान की मर्यादा तार-तार कर दी है। एक साथ पूरे विपक्ष को सस्पेंड करने का यह देश में शायद सबसे पहला शर्मनाक उदाहरण है। स्पीकर ने आज सदन में जिस तरह का व्यवहार किया, वह बताता है कि यह सरकार निरंकुश हो चुकी है। बाउरी ने कहा कि हमने विधानसभा में उन पांच लाख युवाओं की नौकरी और अनुबंध कर्मियों के स्थायीकरण को लेकर जवाब मांगा था, जिसका वादा कर ये लोग सरकार में आए थे।

लोकसभा में पेश हुआ आपदा प्रबंधन (संशोधन) विधेयक 2024, सरकार और विपक्ष के बीच हुई बहस

आपदा प्रबंधन विधेयक- 2005 में अहम बदलाव लाने वाले आपदा प्रबंधन (संशोधन) विधेयक 2024 को केंद्र सरकार ने गुरुवार को लोकसभा में पेश कर दिया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की तरफ से केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने गुरुवार को लोकसभा में आपदा प्रबंधन (संशोधन) विधेयक 2024 को पेश किया। बिल को सदन में पेश करने के दौरान केंद्र सरकार के अधिकार और इस विधेयक की संवैधानिकता को लेकर सरकार और विपक्ष के बीच तीखी बहस भी हुई। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने इस बिल को पेश करने का विरोध करते हुए कहा कि यह संविधान के मुताबिक सही नहीं है और राज्य सरकार के अधिकार में हस्तक्षेप करता है। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी प्रकार की प्राकृतिक आपदा के समय सबसे पहले स्थानीय प्रशासन ही मदद के लिए आगे आता है। उन्होंने इसे लेकर केंद्र सरकार के अधिकार क्षेत्र का भी मुद्दा उठाया।

सार संक्षेप

मुंबई की सड़कों पर गड्ढों को लेकर यूथ कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन

मुंबई। मुंबई की सड़कों पर गड्ढों के विरोध में मुंबई यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान कांदिवली पश्चिम स्थित आर दक्षिण बीएमसी में तालाबंदी आंदोलन किया गया। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ता मुंबई महानगर पालिका के कार्यालय पर ताला लगाने का प्रयास कर रहे थे, लेकिन पुलिस ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने 500 रुपये के नकली नोट हवा में फेंक कर विरोध जताया। यूथ कांग्रेस के मुंबई अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि सड़कों पर गड्ढों के खिलाफ हमने %लाडला खड्डा योजना% अभियान शुरू किया है। बीएमसी सड़कों के गड्ढों को भरने में नाकाम साबित हुई है। बीएमसी निकम्मी और कामचोर है। बीएमसी और देवेंद्र फडणवीस कमीशनखोर हैं। आज दुर्घटना हो रही है, मुंबई के लोग परेशान हैं।

कैबिनेट मंत्री और एनसीपी शरद पवार गुट के नेता जितेंद्र आव्हाड की गाड़ी पर हमला

मुंबई। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई से इस वक्त की बड़ी खबर सामने आ रही है, जहां प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री और एनसीपी (शरद पवार गुट) के नेता जितेंद्र आव्हाड की गाड़ी पर हमला किया गया है। जानकारी के अनुसार, तीन अज्ञात लोगों ने जितेंद्र आव्हाड की गाड़ी पर हमला किया है। यह हमला ठाणे की तरफ जाते समय फ्री-वे रोड के पास हुआ है। हमलावर स्वराज संगठन के कार्यकर्ता बताए जा रहे हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस हमले के बाद राजनीतिक हलकों में हड़कंप मच गया है। एनसीपी (शरद पवार गुट) के नेताओं ने हमले की निंदा की है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। इस घटना के बाद पत्रकारों से बात करते हुए जितेंद्र आव्हाड ने कहा कि तीन लोगों ने मेरी कार पर हमला किया।

रांची में कोचिंग सेंटरों की जांच का अभियान शुरू, पहले ही दिन पकड़ में आईं कई गड़बड़ियां

रांची। दिल्ली के ओल्ड राजेंद्र नगर हादसे के बाद रांची में भी जिला प्रशासन ने गुरुवार से कोचिंग सेंटरों की जांच का अभियान शुरू किया है। जिला प्रशासन की ओर से गठित स्पेशल टीम ने शहर के लालपुर, कांटा टोली और अन्य इलाकों में स्थित कोचिंग सेंटरों का औचक निरीक्षण किया तो कई तरह की गड़बड़ियां एक साथ सामने आईं। यह पाया गया है कि ज्यादातर कोचिंग सेंटर में सुरक्षा नियमों की अनदेखी की जा रही है। कुछ सेंटर तो ऐसी जगहों पर चलाए जा रहे हैं, जहां किसी तरह का हादसा होने की स्थिति में स्टूडेंट्स के बाहर निकलने का मार्ग बेहद संकरा है।

बिहार में वज्रपात से 5 लोगों की मौत, सीएम नीतीश ने अनुग्रह राशि देने का दिया निर्देश

पटना, 1 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार में कई इलाकों में मौसम के बदलाव के बाद कुदरत का कहर बरपा है। वज्रपात की घटनाएं भी शुरू हो गई हैं। इस दौरान पिछले 24 घंटे में वज्रपात से प्रदेश में पांच लोगों की मौत हो गई। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने वज्रपात से हुई मौत पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा गुरुवार को जारी एक बयान में कहा गया कि पिछले 24 घंटे के दौरान राज्य में वज्रपात से पांच लोगों की मौत हो गई। वज्रपात से रोहतास में दो एवं जहानाबाद में तीन व्यक्तियों की मौत पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपदा की इस घड़ी में वे प्रभावित परिवारों के साथ हैं।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को मृतक के परिजनों को अविलंब चार-चार लाख रुपए अनुग्रह अनुदान देने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने लोगों से अपील की है कि सभी लोग खराब मौसम में पूरी सतर्कता बरतें। खराब मौसम होने पर वज्रपात से बचाव के लिये आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा समय-समय पर जारी किए गए सुझावों का अनुपालन करें। खराब मौसम में घरों में रहें और सुरक्षित रहें।

सिद्दारमैया की अनुपस्थिति में कर्नाटक कैबिनेट की बैठक में सीएम को जारी नोटिस पर चर्चा

देश में हर चीज संविधान के अनुरूप होगी। बेंगलुरु वह शहर है, जो बहुत अधिक राजस्व देता है। आगामी समय में विश्व निवेशक बेंगलुरु आ रहे हैं। हम मनमोहन सिंह जी को धन्यवाद देते है, जिनके समय में शहर का इतना विकास हुआ है: डीके शिवकुमार

बेंगलुरु, 1 अगस्त (एजेंसियां)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दारमैया गुरुवार को कैबिनेट बैठक में शामिल नहीं हुए। बैठक में राज्यपाल द्वारा उन्हें जारी 'कारण बताओ नोटिस' पर चर्चा हुई। नोटिस में उनसे यह बताने के लिए कहा गया था कि कथित मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) साइट आवंटन के संबंध में अभियोजन को मंजूरी क्यों नहीं दी जानी चाहिए। गृह मंत्री परमेश्वर ने पत्रकारों से बात करते हुए बताया कि सिद्दारमैया ने उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार को बैठक की अध्यक्षता करने के लिए अधिकृत किया था। इसके बाद बैठक की अध्यक्षता उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार को ने की। बैठक से पहले उपमुख्यमंत्री ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि कैबिनेट मीटिंग के बाद आपको आगे के बारे में बताउंगा। देश में हर चीज संविधान के अनुरूप होगी। बेंगलुरु वह शहर है, जो बहुत अधिक राजस्व देता है। आगामी समय में विश्व निवेशक बेंगलुरु आ रहे हैं। हम मनमोहन सिंह जी को धन्यवाद देते है, जिनके समय में शहर का इतना विकास हुआ है। मनमोहन सिंह जी के समय में इस शहर को बहुत महत्व दिया गया था। उपमुख्यमंत्री ने कहा, अब हम वर्तमान प्रधानमंत्री मोदी से शहर के विकास में मदद करने की मांग कर रहे हैं। बता दें, कर्नाटक में इन दिनों मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) का मुद्दा गर्माया हुआ है।

कर्नाटक के मंत्री ने कहा, सिद्दारमैया को कारण बताओ नोटिस जारी करना सही नहीं

कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खड़गे ने गुरुवार को कहा कि मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) घोटाले के संबंध में मुख्यमंत्री सिद्दारमैया को कारण बताओ नोटिस जारी करने का राज्यपाल थावरचंद गहलोत का फैसला सही नहीं है। बेंगलुरु में गृह मंत्री जी. परमेश्वर से मुलाकात के बाद पत्रकारों से बात करते हुए प्रियांक खड़गे ने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्दारमैया को कारण बताओ नोटिस मिला है और वह इसका उचित जवाब देंगे।

बदलते समय में कौशल को उन्नत बनायें नागरिक सेवा कर्मी : राजनाथ

- रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 83वें सशस्त्र सेना नागरिक सेवा दिवस समारोह को संबोधित किया

नई दिल्ली, 1 अगस्त (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सशस्त्र बल मुख्यालय नागरिक सेवाओं के कर्मियों से रक्षा मंत्रालय में कुशल नीति निर्माण और सुधारों के कार्यान्वयन के लिए तेजी से बदलते समय में अपने कौशल को उन्नत करने का आह्वान किया है। वह बृहस्पतिवार को यहां 83वें सशस्त्र सेना नागरिक सेवा दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। रक्षा मंत्री ने नागरिक सेवाओं को शासन का 'स्टील फ्रेम' बताते हुए आत्मनिर्भरता हासिल करने के प्रयासों और सैनिकों के कल्याण में किये जाने वाले योगदानों सहित विभिन्न कार्यों को आगे बढ़ाने में कर्मचारियों के समर्पण और कड़ी मेहनत की सराहना की। उन्होंने कहा, 'आप सशस्त्र बलों और बाकी नागरिक सरकार के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी हैं। बेहतर दक्षता के लिए अपनी क्षमताओं को और अधिक मजबूत करने की जरूरत है।'

श्री सिंह ने कहा, 'पिछले पांच वर्षों के दौरान रक्षा मंत्रालय में अभूतपूर्व सुधार किए गए हैं और विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। हमारी उपलब्धियों को वैश्विक स्तर पर मान्यता मिली है। यह टीम वर्क के कारण संभव हुआ है। सशस्त्र बलों और नागरिक सेवाओं को बेहतर परिणाम के लिए कमांड मुख्यालय एवं सेवा मुख्यालय से लेकर मंत्रालय स्तर तक मिलकर काम करना चाहिए। रक्षा मंत्रालय में नागरिक सेवा के अधिकारियों को प्रमुख भूमिकाओं में शामिल करने से निर्णय की गुणवत्ता बेहतर होगी।'

रक्षा मंत्री ने रक्षा विभाग से नागरिक सेवा के कर्मियों की करियर में बेहतर प्रगति की संभावनाएं तलाशने का आग्रह किया।

वियतनाम के प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति मुर्मू से मुलाकात की

नई दिल्ली, 1 अगस्त (एजेंसियां)। वियतनाम के प्रधानमंत्री फाम मिन्ह चिन्ह ने गुरुवार को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। वियतनाम के प्रधानमंत्री का स्वागत करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि भारत-वियतनाम संबंध घनिष्ठ सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संबंधों की मजबूत नींव पर बने हैं, जो आपसी विश्वास एवं समझ तथा अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सहयोग का प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि वियतनाम भारत की एक्ट ईस्ट नीति का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है, और हमारे इंडो-पैसिफिक विजन के लिए एक महत्वपूर्ण भागीदार है। उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता जताई की कि हमारी द्विपक्षीय भागीदारी राजनीतिक आदान-प्रदान से लेकर रक्षा साझेदारी, व्यापार, वाणिज्य और निवेश, विकास सहयोग, सांस्कृतिक संबंधों और लोगों से लोगों के संपर्कों तक सहयोग के व्यापक क्षेत्रों में है। दोनों नेताओं ने साझा बौद्ध विरासत और सभ्यतागत संबंधों पर ध्यान दिया और वियतनाम में विरासत स्थलों को पुनर्स्थापित करने के लिए चल रहे सहयोगात्मक प्रयासों पर संतोष व्यक्त किया। राष्ट्रपति मुर्मू ने विश्वास व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री फाम मिन्ह चिन्ह की यात्रा भारत-वियतनाम व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने में काफी मददगार साबित होगी।

आस्था | 33 दिन से दिनों से चल रही अमरनाथ यात्रा

4.76 लाख श्रद्धालुओं ने किए बाबा बर्फानी के दर्शन

जम्मू, 1 अगस्त (एजेंसियां)। अमरनाथ यात्रा शांतिपूर्ण ढंग से आगे बढ़ रही है। पिछले 33 दिनों में 4.76 लाख से अधिक तीर्थयात्री अमरनाथ यात्रा कर चुके हैं। अधिकारियों ने बताया कि कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच तीर्थयात्रा सुचारू रूप से चल रही है। अमरनाथ यात्रा 29 जून को शुरू हुई थी। यह 52 दिनों के बाद 19 अगस्त को श्रावण पूर्णिमा और रक्षाबंधन के त्यौहार के साथ समाप्त होगी।

अधिकारियों ने गुरुवार को बताया, 'कल (बुधवार को) 5 हजार से ज्यादा लोगों ने बाबा बर्फानी के दर्शन। 1,295 यात्रियों का एक नया जत्था गुरुवार सुबह 3:32 बजे दो सुरक्षा काफिलों में जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से घाटी के लिए रवाना हुआ। 15 वाहनों का पहला सुरक्षा काफिला 349 यात्रियों को लेकर उत्तरी कश्मीर के बालटाल बेस कैंप के लिए रवाना हुआ, जबकि 33 वाहनों का दूसरा काफिला 946 यात्रियों को लेकर दक्षिण कश्मीर के नुनवान (पहलगाम) बेस कैंप के लिए रवाना हुआ।'

पवित्र छड़ी के संरक्षक स्वामी दीपेंद्र गिरि ने बताया कि 9 अगस्त को भगवान शिव की छड़ी (छड़ी मुबारक) श्रीनगर शहर के श्री अमरेश्वर दशनामी अखाड़ा मंदिर में अपने स्थान से आगे बढ़ेगी। 14 अगस्त को पहलगाम से पवित्र गुफा मंदिर के लिए रवाना होगी। सुरक्षा, सामुदायिक रसोई (लंगर), पारगमन और बेस कैंपों की व्यवस्था तथा जम्मू से कश्मीर तक राजमार्ग पर सुरक्षा बलों की तैनाती ने इस साल सुरक्षित, सुचारू और परेशानी मुक्त यात्रा सुनिश्चित की है।

- श्रावण पूर्णिमा और रक्षाबंधन के त्यौहार के साथ समाप्त होगी यात्रा

- 1,295 यात्रियों का एक नया जत्था घाटी के लिए रवाना हुआ

गुफा मंदिर में बर्फ की एक संरचना है जो चंद्रमा के चरणों के साथ घटती-बढ़ती रहती है। भक्तों का मानना है कि यह बर्फ की संरचना भगवान शिव की पौराणिक शक्तियों का प्रतीक है। यह गुफा कश्मीर हिमालय में समुद्र तल से 3,888 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। भक्त या तो पारंपरिक दक्षिण कश्मीर पहलगाम मार्ग से या फिर उत्तर कश्मीर बालटाल मार्ग से गुफा मंदिर तक पहुंचते हैं।

पारंपरिक पहलगाम गुफा मंदिर मार्ग 48 किलोमीटर लंबा है। जिससे बाबा बर्फानी तक पहुंचने में 4 से 5 दिन लग जाते हैं। दूसरा मार्ग बालटाल का है। ये 14 किलोमीटर लंबा है। इस मार्ग का चयन करने वाले लोग 'दर्शन' करने के बाद उसी दिन आधार शिविर लौट आते हैं। बता दें कि उत्तरी कश्मीर मार्ग पर बालटाल और दक्षिण कश्मीर मार्ग पर चंदनवाड़ी में तीर्थयात्रियों के लिए हेलीकॉप्टर सेवाएं भी उपलब्ध हैं।

प्रादेशिकी

शानन परियोजना को वापिस लेने के लिए जारी हैं गंभीर प्रयास: मुख्यमंत्री

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने आज यहां वरिष्ठ अधिकारियों के साथ जिला मंडी के जोगिन्द्रनगर में 110 मेगावाट की शानन जल विद्युत परियोजना को लेकर जारी कानूनी लड़ाई के संदर्भ में एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को इस परियोजना पर सर्वोच्च न्यायालय में प्रदेश सरकार का मामला मजबूती से प्रस्तुत करने के निर्देश दिए, ताकि प्रदेश के लोगों के हितों की रक्षा हो सके। उन्होंने कहा कि इस परियोजना के माध्यम से प्रदेश के लोगों को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार हिमाचल के अधिकारों को वापिस लेने के लिए कानूनी लड़ाई लड़ रही है। उन्होंने कहा कि ब्रिटिश काल के दौरान शानन जल विद्युत परियोजना का निर्माण किया गया था। वर्ष 1925 में मंडी के तत्कालीन राजा जोगिन्द्र बहादुर और पंजाब के मुख्य अभियंता के बीच 99 वर्षों के लिए लीज़ समझौता हस्ताक्षरित हुआ था। उस समय से ही इसका प्रशासनिक अधिकार पंजाब के पास है।

हिमाचल पर नहीं टला आसमानी आफत का खतरा

शिमला, 1 अगस्त (देशबन्धु)। हिमाचल प्रदेश में अगस्त महीने की शुरुआत जल प्रलय के साथ हुई। राज्य में बीती रात बादल फटने की पांच घटनाओं में 2 लोगों की मौत हो गई जबकि 50 अन्य लापता हैं जिनकी तलाश जारी है। बादल फटने की ये घटनाएं शिमला, मंडी और कुल्लू जिलों में हुई। इन घटनाओं में लापता लोगों की गलश जारी है और इस कार्य में वायु सेना तथा एनडीआरएफ की मदद भी ली जा रही है। राज्य में आई इस जल प्रलय में केंद्र सरकार ने भी मदद का हाथ बढ़ाया है और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू को फोन कर हर संभव मदद का भरोसा दिया है।

■ **अमित शाह ने मुख्यमंत्री सुक्खू को फोन कर हर संभव मदद का भरोसा दिया**

कुल्लू जिले में दो जगह पर बादल फटने से 10 लोग लापता हैं जबकि बाढ़ से दर्जनों मकानों को नुकसान पहुंचा है। मलाणा की ऊंची पहाड़ियों पर बादल फटने से पावर प्रोजेक्ट एडिट 1 बंद फटने से मलाणा पावर प्रोजेक्ट एडिट 2 को भारी नुकसान पहुंचा है। इस घटना के कारण आई बाढ़ से मणिकर्ण घाटी के जरी बालाजी गांव में तीन से चार मकान पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हुए हैं। दूसरी बादल फटने की घटना श्री खंड महादेव की ऊंची पहाड़ियों पर हुई।

इस बीच प्रदेश में बुधवार देर रात पांच जगह बादल फटने की घटनाओं के कारण भारी बारिश से हुए हुए नुकसान की समीक्षा के लिए मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने आज शिमला में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आपात बैठक की अध्यक्षता की। सुक्खू ने कहा इस समय लोगों के जीवन की सुरक्षा प्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और पूरी मशीनरी युद्धस्तर पर राहत एवं पुनर्वास कार्य में जुटी हुई है। उन्होंने संबंधित जिला प्रशासन को निर्देश दिए हैं कि प्रभावित परिवारों को फैारन राहत पहुंचाई जाए तथा बेली पुलों का निर्माण किया जाए, ताकि प्रभावित क्षेत्रों के लोगों को किसी असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पुलिस को पांच ड्रोन दे रही है, ताकि प्रभावित क्षेत्र में परिवहन गतिविधियों का संचालन किया जा सके। संचार तंत्र को सुदृढ़ करने के लिए उप-मंडलाधिकारी स्तर पर सैटेलाइट फोन उपलब्ध करवाए गए हैं। पुलिस स्टेशनों और चौकियों को 50 विद्युत जेनरेटर भेजे जा रहे हैं, ताकि विद्युत आपूर्ति में कोई बाधा न आए। उन्होंने कहा कि जीवन की सुरक्षा और लोगों की संपत्ति को सुरक्षित रखने के लिए सरकार भरपूर प्रयास कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मौसम विभाग द्वारा आगामी शुक्रवार सुबह तक भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। उन्होंने लोगों से इस दौरान ऐहतियात बरतने और नदी-नालों के करीब न जाने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल को सुदृढ़ किया गया है और प्राकृतिक आपदा से निपटने के लिए आवश्यक उपकरण उपलब्ध करवाए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में आपदा निगरानी के लिए 13 स्थानों पर राज्य आपातकालीन केन्द्र स्थापित किए गए हैं, जिनके माध्यम से सभी संवेदनशील स्थानों पर 24 घंटे निगरानी रखी जाएगी। मुख्यमंत्री ने पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं प्रकट की हैं जिन्होंने अपनों को खोया है। उन्होंने प्रभावित परिवारों को हर संभव मदद का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि आपदा की इस घड़ी में प्रदेश सरकार प्रभावितों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है और उन्हें राहत पहुंचाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य एवं जिला स्तर पर आपातकालीन संचालन केंद्र स्थापित किए गए हैं और हेल्पलाइन नंबर जारी कर दिए गए हैं।

मोदी भी रख रहे हैं स्थिति पर नजर

हिमाचल प्रदेश में बीती रात हुई बादल फटने की पांच घटनाओं के बाद उत्पन्न स्थिति पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी नजदीक से नजर रख रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि आपदा की इस घड़ी में केंद्र सरकार हिमाचल की जनता के साथ खड़ी है और केंद्र की ओर से राज्य को हरसंभव सहायता दी जा रही है उन्होंने अधिकारियों को स्थिति से निपटने के लिए हर संभव कदम उठाने के निर्देश दिए ताकि स्थिति को जल्द से जल्द सामान्य बनाए जा सके।

प्रलय के समय लोगों के जीवन की सुरक्षा प्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और पूरी मशीनरी युद्धस्तर पर राहत एवं पुनर्वास कार्य में जुटी हुई है : **ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू**

समेज में बादल फटने की घटना में लापता लोगों की सूची

शिमला जिला के ऊपरी क्षेत्र झाकडी के समोज में हुई बदलपटने की घटना में 36 लोक लापता हैं। इसमें 4 प्रवासी मजदूर, 8 लोग कंदराहड़ खुश्वा क्षेत्र से, 7 कर्मचारी ग्रींको प्रोजेक्ट समेज के और 14 स्थानीय निवासी समेज गांव के शामिल हैं। लापता लोगों में ममता पत्नी राज कुमार पांडे निवासी झारखंड, मुस्कान पुत्री राज कुमार पांडे निवासी झारखंड, रूपनी देवी पत्नी भोला नाथ उराँव, पता झारखण्ड और अंजलि पुत्री भोला नाथ उराँव पता झारखण्ड। कुशवा बाइफ्रिकेशन के पास कंदराहड़ गांव के लापता स्थानीय लोगों की सूची में सूरत राम, संतोष कुमारी, नीरज कुमार, रचना, अनीता, योग प्रिया, मुकेश पुत्र अशोक कुमार और वेद राज पुत्र कौल राम शामिल हैं। ग्रीनको समेज हाइड्रो एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी के लापता लोगों में पुष्प देव शर्मा ग्राम खुन्ना रामपुर, हरदीप सिंह ग्राम नगरोटा बगवा कांगड़ा, हरदेव सिंह ग्राम सैंज, कुल्लू, अजय कुमार निवासी शिलाई, सिरमौर, भाग चंद निवासी शिंगला रामपुर, सिद्धार्थ खेड़ा निवासी कांगड़ा और रूप सिंह गांव सिका सेरी सरपारा, रामपुर शामिल हैं। समेज के स्थानीय लापता लोगों की सूची में शिक्षा पत्नी गोपाल, जिया पुत्री गोपाल, कल्पना पत्नी जय सिंह, अक्षिता पुत्री जय सिंह स्नैल, अद्विक पुत्र जय सिंह सनायल, कृष्णा देवी पत्नी स्वर्गीय पुरूषोत्तम, श्याम सिंह पुत्र चंदर सिंह, आरुषि पुत्री श्याम सिंह, अरुण पुत्र श्याम सिंह, सरस्वती उतनी श्याम सिंह, तनु केदारटा पुत्री रविंदर केदारनाथ, रानू केदारटा पुत्री रविंदर केदारटा, आरुषि पुत्री श्याम सिंह और मंगला देवी पत्नी सुना राम ग्राम शामिल हैं।

राज्य के पांच जिलों में फ्लैश फ्लड की भी चेतावनी

शिमला। हिमाचल प्रदेश पर आसमानी आफत का खतरा अभी टला नहीं है। मौसम विभाग द्वारा जारी ताजा पूर्व पूर्वानुमानों में राज्य के तीन जिलों कांगड़ा कुल्लू और मंडी में एक और 2 अगस्त को भारी से बहुत भारी वर्षा का रेड अलर्ट जारी किया गया है। इसी तरह मौसम विभाग ने चंबा जिला के लिए भारी से बहुत भारी वर्षा का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है जबकि किन्नौर, हमीरपुर, बिलासपुर और ऊना जिलों को छोड़कर अन्य जिलों के लिए भारी वर्षा का येलो अलर्ट जारी किया गया है। यही नहीं मौसम विभाग ने राज्य के पांच जिलों कांगड़ा, मंडी, कुल्लू, शिमला और सिरमौर के लिए फ्लैश फ्लड की भी चेतावनी जारी की है।

सार संक्षेप

विनाशकारी नुकसान और जनजीवन के अस्त-व्यस्त होने के गहरा दुःख : नड्डा

शिमला। भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने हिमाचल प्रदेश में बादल फटने के कारण हुए विनाशकारी नुकसान और जनजीवन के अस्त-व्यस्त होने के दुःखद समाचार पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। श्री नड्डा ने हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू से फोन पर वार्तालाप इस प्राकृतिक आपदा की विकट परिस्थितियों की जानकारी ली और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से हर संभव मदद करने आश्वासन दिया। उन्होंने इस संकट की स्थिति में हिमाचल प्रदेश के लोगों के साथ खड़े रहने और उनकी हर संभव मदद करने का भरोसा दिया। श्री नड्डा ने कहा कि केंद्र सरकार हिमाचल प्रदेश के लोगों के साथ खड़ी है और इस कठिन समय में उनकी हर संभव सहायता करने के लिए प्रतिबद्ध है। जगत प्रकाश नड्डा ने हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष राजीव बिंदल से भी बात की और सभी भाजपा कार्यकर्ताओं को राहत कार्यों में तुरंत जुटने का निर्देश दिया।

हरियाणा में कानून व्यवस्था पूरी तरह पंगु : अर्जुन चौटाला

सिरसा। इंडियन स्टूडेंट आर्गेनाइजेशन (आईएसओ) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अर्जुन चौटाला ने गुरुवार को कहा कि प्रदेश में वर्तमान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासन में अपराधों के ग्राफ में जो बढ़ोतरी हुई है, वह पूरे देश में हरियाणा के लिए शर्मनाक है।
श्री चौटाल ने आज रानियां हलके के गांव भंबूर, भंबूर खुर्द, मंगाला, ढाणी काहन सिंह, टीटूखेड़ा, नानकपुर, चकराइयां, चकसाहिबा, मौजदीन, गिदड़ांवाली, ढाणी प्रताप सिंह व ओटू में जनसंपर्क करते हुए ग्रामीणों को संबोधित करते हुए यह बात कही।
उन्होंने कहा कि प्रदेशभर में आज कोई भी जिला सुरक्षित नहीं है और व्यापारियों, राजनेताओं से फिरौती मांगी जा रही है जिससे प्रमाणित होता है कि राज्य में कानून व्यवस्था पूरी तरह से पंगु हो चुकी है। श्री चौटाला ने कहा कि प्रदेश सरकार सिरसा जिले से राजनीतिक रंजिश रखकर काम कर रही है और इसी वजह से यहां बिजली, पानी के अभाव के साथ-साथ किसानों को नकली खाद और बीज आदि का वितरण किया जा रहा है।

इग्नू में नए प्रवेश तथा पुन-पंजीकरण की तिथि बढ़ाई

चंडीगढ़। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) ने जुलाई, 2024 सत्र के लिए सभी मास्टर्स, बैचलर्स, पीजी डिप्लोमा, डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कार्यक्रमों में ऑनलाइन प्रवेश और सभी मास्टर्स और बैचलर्स के ऑनलाइन पुनः पंजीकरण की अंतिम तिथि 14 अगस्त तक बढ़ा दी है। इग्नू क्षेत्रीय केंद्र चंडीगढ़ के वरिष्ठ क्षेत्रीय निदेशक डॉ भानु प्रताप सिंह ने गुरुवार को बताया कि इच्छुक आवेदक अपनी पसंद के किसी भी परास्नातक, स्नातक, पीजी डिप्लोमा, डिप्लोमा और प्रमाणपत्र कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए इग्नू की बेवसाइट पर आवेदन कर सकते हैं । श्री सिंह ने बताया कि अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति के छात्रों को कुछ डिप्लोमा/ पीजी डिप्लोमा और स्नातक कार्यक्रमों में बिना कोई शुल्क लिए प्रवेश दिया जाएगा और उन्हें शुल्क छूट के लिए ऑनलाइन आवेदन करना होगा और सभी आवश्यक दस्तावेज अपलोड करने होंगे।

अनुराग के खिलाफ नारेबाजी, पुतला फूंका

शिमला, 1 अगस्त (देशबन्धु)। प्रदेश कांग्रेस ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर संसद में सांसद अनुराग ठाकुर की अभद्र व अपमानजनक भाषा के विरोध में उपायुक्त कार्यालय के बाहर अनुराग के खिलाफ नारेबाजी करते हुए उनका पुतला फूंका। शिमला नगर निगम के महापौर सुरेंद्र चौहान ने इस दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि सांसद अनुराग ठाकुर ने जिस प्रकार से नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का सदन के भीतर अपमान किया है वह बहुत ही निंदनीय है। एनएसयूआई के प्रदेशाध्यक्ष छतर सिंह ने संसद में अनुराग ठाकुर की राहुल गांधी से जाति पूछने व उन्हें अपमानित करने की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि कांग्रेस अपने नेता का किसी भी स्तर पर अपमान सहन नही कर सकती। उन्होंने कहा कि भाजपा राहुल गांधी की आवाज को दबाने का असफल प्रयास कर रही है। आज जिस प्रकार से राहुल गांधी गरीबों, पिछडो व दलितों की आवाज को संसद के अन्दर व बाहर उठा रहे हैं उससे भाजपा की नींद उड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि भाजपा न तो राहुल गांधी की आवाज को दबा सकती है और न ही देश के लोगों को डरा सकती है। कांग्रेस और इंडिया गठबंधन पूरी मजबूती के साथ लोगों के साथ खड़ा है। प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष जैनब चंदेल ने सांसद अनुराग ठाकुर की आलोचना करते हुए कहा कि वह उस परिवार से उनकी जाति पूछ रहे है जिनके परिवार ने इस देश को अपनी जान की कुर्बानी तक दी है। उन्होंने कहा कि अनुराग ठाकुर ने राहुल गांधी का ही नही अपितु देश के स्वतंत्रता सेनानियों का भी अपमान किया है। उन्होंने कहा कि अनुराग ठाकुर को राहुल गांधी व पूरे देश से माफी मांगनी चाहिए। इस धरना प्रदर्शन में शिमला नगर निगम के महापौर सुरेंद्र चौहान, एनएसयूआई के अध्यक्ष छतर सिंह, शिमला शहर के कांग्रेस कार्यकारी अध्यक्ष आंनद कौशल,सचिव बलदेव ठाकुर, एस के सहगल,प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष जैनब चंदेल,सेवादल अध्यक्ष अनुराग शर्मा,डॉक्टर मस्तराम शर्मा, शिमला नगर निगम के पार्षदगण,जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष विनीता वर्मा,कमलेश ठाकुर, लुकेश्वरी, कृष्णा जरयाल,मोहन नेगी,प्रदेश युवा कांग्रेस महासचिव शिवम राणा,दवेंद्र कुमार रत्न, एनएसयूआई के पदाधिकारी वीनू मेहता,तुसार स्तान,प्रवीण मिन्हास,टोनी,अमित चौहान, हार्दिक,अरविंद ठाकुर,मनोज व पार्टी के कई पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

■ राहुल गांधी का सदन के भीतर अपमान किया है, यह बहुत ही निंदनीय है

स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी ने ली बैठक

देहरादून, 1 अगस्त (देशबन्धु)। जिलाधिकारी सोनिका ने स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त की तैयारियों को लेकर ऋषिपर्ण सभागार में बैठक कर सम्बन्धित अधिकारियों को समय पर तैयारी पूर्ण करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को उनके दायित्वों को समझाते हुए निर्देशित किया कि जो भी जिम्मेदारियां एवं दायित्व दिए गए हैं उनको जिम्मेदारी से निर्वहन करें। उन्होंने लोक निर्माण विभाग, विद्युत विभाग, पेयजल, नगर निगम को परेड ग्राउंड में अस्थाई निर्माण कार्य, सीटिंग व्यवस्था, विद्युत, पेयजल, सफाई आदि समुचित व्यवस्था बनाने के निर्देश दिए। समस्त उप जिलाधिकारी को अपने अपने क्षेत्र में स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम एवं प्रभातफेरी अयोजित करने तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी को प्रभातफेरी के दौरान चिकित्सक सहित एंबुलेंस तैनात करने के निर्देश दिए। नारी निकेतन, कारागार में मिष्ठान तथा चिक्तसालयों में फल वितरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। शिक्षा विभाग को स्कूलों वाद व विवाद, निबन्ध लेखन प्रतियोगिता आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने नगर निगम को कार्यक्रम शहर में सफाई व्यवस्था, एमडीडीए एवं नगर निगम को मुख्य चौराहों, शासकीय भवन पर प्रकाश व्यवस्था बनाने के निर्देश दिए। सूचना विभाग मुख्य चौराहों पर देश भक्ति के गीत प्रसारित करने तथा कार्यक्रम स्थल एवं प्रमुख चौराहों पर एलईडी स्थापना, कार्यक्रम स्थल पर फोटो गैलरी स्थापित करने। शिक्षा विभाग प्रभातफेरी तथा जिला पूर्ति अधिकारी को कार्यक्रम स्थल जलपान एवं प्रभातफेरी के दौरान मिष्ठान की व्यवस्था के निर्देश दिए। पुलिस विभाग को कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था एवं यातायात व्यवस्था बनाने के निर्देश दिए। बाल विकास विभाग कार्यक्रम स्थल पर रंगोली बनाने। उन्होंने निर्देश दिए की स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पॉलिथिन से बनी झंडे एवं सामग्री निषेध रहेगी। जिला आबकारी अधिकारी को 14 अगस्त रात्रि से 16 अगस्त प्रात: 10 बजे तक शराब की दुकानें, कैंटीन समस्त आबकारी अनुज्ञापन बंद रखने के निर्देश दिए।

■ जनपद के अधिकारियों को दी गई जिम्मेदारी

एचडीएफसी ने ग्राहकों को धोखाधड़ी वाले ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म से सावधान रहने की सलाह दी

देहरादून, 1 अगस्त (देशबन्धु)। भारत के सबसे बड़े निजी क्षेत्र के बैंक एचडीएफसी बैंक ने अपने ग्राहकों को धोखाधड़ी वाले ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म से सावधान रहने की सलाह दी है, जो ज्यादातर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से निवेश के अवसर प्रदान करते हैं। इसका उद्देश्य ग्राहकों की सुरक्षा के लिए संभावित निवेश धोखाधड़ी के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। निवेश धोखाधड़ी के मामलों में धोखेबाज आमतौर पर स्टॉक, आईपीओ, क्रिप्टोकरेंसी, बिटकॉइन आदि में निवेश पर असामान्य रूप से उच्च रिटर्न का वादा करते देखे जाते हैं। इसमें नकली स्वचालित निवेश प्लेटफॉर्म या ऐप बनाना शामिल है, जहां पीड़ितों को निवेश में उच्च रिटर्न का संकेत देने वाले नकली डैशबोर्ड दिखाई देते हैं। ऐसे प्लेटफॉर्म को सोशल मीडिया पर भी प्रचारित किया जाता है, जिसमें लोगों को इन उच्च रिटर्न वाली निवेश योजनाओं में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया जाता है, जो वास्तव में फर्जी हैं। धोखेबाज आमतौर पर सोशल इंजीनियरिंग रणनीति के माध्यम से लोगों का शोषण करते हैं, हालांकि सतर्क रहना और उचित परिश्रम के बाद ही लेन-देन करना धोखेबाजों से बचने में मदद करेगा। एचडीएफसी बैंक के कार्यकारी उपाध्यक्ष - क्रेडिट इंटेलिजेंस और कंट्रोल, श्री मनीष अग्रवाल ने इस धोखाधड़ी के बारे में चेतावनी देते हुए कहा कि हम निवेश धोखाधड़ी के मामलों की संख्या में वृद्धि देख रहे हैं और इस मुद्दे के बारे में व्यापक जागरूकता और ज्ञान पैदा करने में मदद करना चाहते हैं, ताकि उपभोक्ता इन भ्रामक योजनाओं के शिकार होने से बच सकें।

ड्रग्स विभाग और पुलिस की छापेमारी, 3 मेडिकल स्टोर के लाइसेंस कैंसिल

पिथौरागढ़, 1 अगस्त (देशबन्धु)। ड्रग्स विभाग, कोतवाली पिथौरागढ़ पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम ने पिथौरागढ़ शहर के मेडिकल स्टोरों में ताबड़तोड़ छापेमारी की। जहां अनियमितताएं पाए जाने पर 3 मेडिकल स्टोरों के लाइसेंस निरस्त की कार्रवाई की गई। जबकि एक मेडिकल स्वामी, मेडिकल की आड़ में क्लीनिक चलाकर लोगों की जिंदगी के साथ खिलवाड़ कर रहा था। टीम ने मेडिकल स्टोर को सील कर दिया है। एसपी पिथौरागढ़ रेखा यादव ने बताया कि शहर में कई मेडिकल स्टोर पर नियमों के विपरीत गतिविधियां पाए जाने की शिकायत मिल रही थी। जिसके बाद पुलिस और ड्रग्स विभाग ने संयुक्त रूप से छापामारी की। छापामारी में अनियमिताएं पाए जाने के बाद ड्रग्स विभाग ने कार्रवाई की है। औषधि निरीक्षक मीनाक्षी बिष्ट ने बताया कि संयुक्त टीम द्वारा शहर के मेडिकल स्टोरों में छापेमारी की गई। इस दौरान टीम द्वारा शहर के लगभग 10 मेडिकल स्टोरों की चेकिंग की गई। चेकिंग के दौरान तीन मेडिकल स्टोरों में अनियमितताएं पाईं गई, जिनके लाइसेंस निरस्त करने हेतु संबंधित को रिपोर्ट प्रेषित की गई है। एक मेडिकल स्टोर स्वामी द्वारा मेडिकल की आड़ में क्लीनिक चलाया जा रहा था।

उत्तराखंड में आसमान से बरसी आफत

पिछले 24 घंटे में प्रदेश में हुई 10 लोगों की मौत

अमरनाथ तिवारी

देहरादून, 1 अगस्त (देशबन्धु)। उत्तराखंड में पिछले 24 घंटे के भीतर हुई भारी बारिश के चलते प्रदेश के तमाम जगहों पर आपदा जैसे हालात बन गए हैं। टिहरी, रुद्रप्रयाग जिलों में बादल फटने की घटनाएं सामने आई हैं। प्रदेश के कई इलाकों में नदियों का जलस्तर बढ़ने से भी लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा है। बीते 24 घंटे में प्रदेश में हुई अलग अलग घटनाओं में 10-11 लोगों की मौत हुई है। सभी जगहों पर राहत बचाव कार्य जारी है। एसडीआरएफ की टीमें बचाव कार्य में लगी हुई हैं।

■ 200 श्रद्धालुओं को हवाई मार्ग से किया गया रेस्क्यू
■ राहत बचाव कार्यों के लिए एसडीआरएफ की 29 टीमें पहले से ही की गई थी तैनात

मौसम विभाग ने अगले 48 घंटे प्रदेश के तमाम हिस्सों में भारी बारिश की संभावना जताते हुए रेड अलर्ट जारी किया है। जिसे देखते हुए एसडीआरएफ भी अलर्ट पर है। एसडीआरएफ सेनानायक मणिकांत मिश्रा ने बताया बारिश के चलते उत्तराखंड के दो जिले रुद्रप्रयाग और टिहरी गढ़वाल का क्षेत्र काफी अधिक प्रभावित हुआ है। वर्तमान समय में दोनों जिलों की स्थिति सामान्य है। भारी बारिश के चलते केदारनाथ यात्रा मार्ग के दो जगहों पर क्षति हुई है। जिसके चलते केदारनाथ यात्रा मार्ग पर कुछ लोग फंस गए थे। जिन्हें हेलीकॉप्टर के जरिए सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा जा रहा है। उन्होंने बताया गढ़वाल रीजन में राहत बचाव कार्यों के लिए एसडीआरएफ की 29 टीमें पहले से ही तैनात की गई थी, जो राहत बचाव कार्य में लगी हैं। इसके साथ ही केदारनाथ यात्रा मार्ग पर फंसे लोगों के राहत बचाव के लिए आठ टीमें तैनात की गई हैं। श्रद्धालुओं में से करीब 200 श्रद्धालुओं को सिरसी हेलीपैड पर सुरक्षित पहुंचाया जा चुका है। 200 लोग फंसे लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचने की कोशिश की जा रही

टिहरी में 3 लोगों की मौत

नई टिहरी। टिहरी जिले की घनसाली विधानसभा के अंतर्गत जखन्याली के नौताड़ में बीती रात 31 जुलाई को पहाड़ी से भारी मलबा आ गया। जिसमें सड़क किनारे एक छोटे होटल को अपनी चपेट में ले लिया। होटल के अंदर रह रहे तीन लोग मलबे में दब गए। जिसमें दो लोग भानु और उसकी पत्नी नीलम का शव को बरामद किया गया। विपिन को घायल अवस्था में मलबे से निकलकर पिलखी अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टर ने घायल विपिन को हायर सेंटर के लिए रेफर किया। रास्तें विपिन की भी मौत हो गई।

छत गिरने से 2 मासूमों की मौत

हरिद्वार। हरिद्वार के बहादराबाद के पास भारापुर भौरी के समीप डेरा गांव में तेज बारिश के कारण मकान की छत गिर गई। हादसे में घर में मौजूद परिवार और मेहमान मलबे में दब गए। घटना के बाद लोगों के बीच चीख पुकार मच गई। घटना की सूचना स्थानीय निवासियों ने प्रशासन को दी। जिसके बाद प्रशासन मौके पर पहुंचा और रेस्क्यू ऑपरेशन अभियान चलाया।

दून में डूबने से दो लोगों की मौत

देहरादून। बीती देर रात रायपुर क्षेत्र के अंतर्गत ऑर्डनेंस फैक्ट्री और शराब ठेके के बीच सड़क किनारे नहर में दो लोग डूब गए। जिनकी खोजबीन के लिए एसडीआरएफ की टीम ने सर्च अभियान चलाया। सर्च अभियान के दौरान एक शव रात को ही बरामद कर लिया गया। दूसरे शख्स का सर्च अभियान पूरी रात चलता रहा। उसका शव आज सुबह बरामद हुआ है।

गैरसैंण में गर्भवती की मौत

चमोली जिले के गैरसैंण में मकान ढहने से एक गर्भवती महिला की जान चली गई। महिला सात माह की गर्भवती थी। वहीं, गर्भवती महिला की मौत के बाद परिवार और गांव में मातम पसरा हुआ है।

राहुल गांधी ने जताया दुख

देहरादून। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने लिखा उत्तराखंड में भारी बारिश के कारण कई लोगों की मृत्यु का समाचार अत्यंत पीड़ादायक है। शोकाकुल परिजनों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। साथ ही सभी श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों की सुरक्षा की आशा करता हूं। उन्होंने सभी कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं से राहत और बचाव कार्य में प्रशासन को हर संभव सहायता प्रदान करने की अपील की है।

मसूरी में हुआ लैंडस्लाइड

देहरादून। मसूरी में बुधवार की देर शाम को मसूरी देहरादून मार्ग कोलू खेत के ऊपर भारी भूस्खलन हो गया। सड़क पर भारी भूस्खलन होने से बड़े-बड़े बोल्डर और मलबा आ गया। मार्ग बंद होने से दोनों और वाहनों का लंबा जाम लग गया, जिससे लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। बारिश भी लगातार हो रही है जिससे सड़क को खोलने में काफी दिक्कत आई। लोक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता केके उनियाल ने बताया कि पहाड़ का एक बड़ा टुकड़ा गिर गया।

धामी ने आपदा प्रबंधन सचिव से की बात

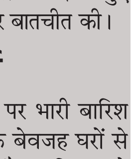

देहरादून। उत्तराखंड में बुधवार दोपहर से ही भारी बारिश का सिलसिला जारी है। भारी बारिश के चलते न सिर्फ प्रदेश की सभी नदी नाले उफान पर हैं, बल्कि सड़कें भी जलमग्न हो गई हैं। प्रदेश में कई जगह से भूस्खलन और घरों में मलबा घुसने के मामले सामने आ चुके हैं। प्रदेश में लगातार हो रही भारी बारिश को देखते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार देर रात आपदा प्रबंधन सचिव से फोन पर बातचीत की।

48 घंटे तक बारिश का रेड अलर्ट

देहरादून। सीएम धामी ने कहा कि मौसम विभाग की ओर से कई जगहों पर भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। उन्होंने प्रदेश की जनता से अपील की है कि बेवजह घरों से बाहर न निकलें। अगर बहुत जरूरी काम है, तभी घर से बाहर निकलें। मौसम विभाग ने अगले 48 घंटे के भीतर प्रदेश के सात जिलों में भारी से अत्यंत भारी बारिश की संभावना जताते हुए रेड अलर्ट जारी किया है। जिसके चलते प्रदेश से कई जिलों में आंगनबाड़ी से लेकर 12वीं तक के स्कूलों मैं छुट्टी घोषित की गई है।

प्रादेशिकी

अयोध्या के धार्मिक स्थलों की सैर कराएंगी गोल्फ कार्ट

अयोध्या। भगवान राम की नगरी अयोध्या धाम की सड़कों पर गोल्फ कार्ट दौड़ती नजर आएंगी। 25 गोल्फ कार्ट अयोध्या पहुंची हैं। जो अयोध्या, गुप्तार घाट के गार्डन में खड़ी की गई हैं।विकास प्राधिकरण के सचिव सत्येंद्र सिंह ने बताया कि 25 गोल्फ कार्ट अयोध्या पहुंच गई हैं। अभी 25 गोल्फ कार्ट और आनी हैं। उन्होंने बताया कि अभी रूट मैप तय किया जाना है। अयोध्या आने वाले पर्यटकों को गोल्फ कार्ट से घूमने का मौका मिलेगा। ये गोल्फ कार्ट रामपथ, गुप्तार घाट से लेकर अयोध्या के सभी धार्मिक स्थलों पर घूमती नजर आएंगी। गोल्फ कार्ट का संचालन अयोध्या विकास प्राधिकरण की ओर से कराया जाएगा। एडीए सचिव ने बताया कि गोल्फ कार्ट पर तीन शिफ्ट में तीन अलग-अलग चालक काम करेंगे। गोल्फ कार्ट काफी आरामदायक होने के कारण सवारियों की यात्रा में सहायक साबित होंगी।

उत्तर प्रदेश आज रेवेन्यू सरप्लस स्टेट बन चुका है : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान अनुपूरक बजट पर सदन को किया संबोधित

लखनऊ, 1 अगस्त (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि उत्तर प्रदेश आज रेवेन्यू सरप्लस स्टेट बन चुका है और अपनी ज्यादातर आवश्यकताओं की पूर्ति खुद करने में सक्षम हो चुका है। सीएम योगी गुरुवार को विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान अनुपूरक बजट को लेकर सदन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 5 ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी के संकल्प को पूरा करने और प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी बनाने के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए 12 हजार 209 करोड़, 93 लाख रुपए का अनुपूरक बजट लाया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बीते फरवरी माह में वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए पारित मूल बजट की 44 फीसदी धनराशि जारी हो चुकी है और 20 फीसदी खर्च भी हुए हैं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि इसके बाद अब वित्तीय वर्ष 2024-25 के मूल बजट का आकार साढ़े सात लाख करोड़ रुपए का हो चुका है। यह 2015-16 के बजट के आकार से दोगुना है। उन्होंने कहा कि यूपी की बढ़ती आवश्यकताओं के अनुरूप प्रदेश के बजट का दायरा बढ़ाया गया है। सीएम योगी ने इस बात की भी जानकारी दी कि 11 विभागों के माध्यम से 196 योजनाओं के लिए 70 हजार करोड़ रुपए का डीबीटी के जरिए हुआ हस्तांतरण है, जो गरीब जनता के खातों में सीधे ट्रांसफर हुआ है। डीबीटी कैसे एक गरीब को भ्रष्टाचार मुक्त व्यवस्था देने में सहायक होती है, यह उसका बड़ा उदाहरण है।

■ वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी के लक्ष्य की पूर्ति के लिए लाया गया 12 हजार 209 करोड़ का अनुपूरक बजट

मुख्यमंत्री ने अपने उद्बोधन के शुरुआत में सदन के साथ ही नेता प्रतिपक्ष को विशेष रूप से धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि वयोवृद्ध नेता प्रतिपक्ष ने कई महत्वपूर्ण सुझाव दिये हैं। हमने हमेशा अपने से बुजुर्गों को सम्मान दिया है। हमारे यहां मान्यता है कि वो सभा सभा नहीं होती, जहां बुजुर्ग का सम्मान नहीं होता। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें विरासत में जैसा यूपी मिला था और आज जैसा यूपी आज है, वो सबके सामने है। हमने अटल जी की पंक्तियों से प्रेरणा प्राप्त की है, कि 'मनुष्य को चाहिए कि वह परिस्थितियों से लड़े, एक स्वप्न टूटे, तो दूसरा गढ़े...'

मुख्यमंत्री ने कहा कि फरवरी में मूल बजट पारित करके अप्रैल में वित्तीय वर्ष शुरू होते ही हमने उसका उपयोग करना शुरू कर दिया। 2024-25 का मूल बजट 7 लाख 36 हजार 437 करोड़ 71 लाख रुपए का था। हालांकि वित्तीय वर्ष शुरू होते ही आम चुनाव का वक्त आ गया, इसके बावजूद विभिन्न विभागों के लिए बजट का औसतन 44 फीसदी धनराशि रिलीज हुई है और 20 फीसदी से अधिक खर्च भी हुआ है। हमने बिना भेदभाव के समाज के सभी वर्गों के लिए सरकार की कार्ययोजना को आगे बढ़ाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा कैपिटल एक्सपेंडिचर इस बात को दर्शाता है कि बजट का पैसा बड़े निर्माण में लग रहा है। ये अनुपूरक बजट यूपी में निवेश बढ़ाने वाला है। आज उत्तर प्रदेश की जीडीपी और प्रति व्यक्ति आय दोगुने से ज्यादा बढ़ी है।

हर निवेश नया रोजगार देता है, यह विकास भी लेकर आता है

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को विधानसभा में अनुपूरक बजट पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रदेश में शिक्षा व खेल व अन्य कार्यों के लिए धनराशि की व्यवस्था की गई है। प्रदेश सरकार ने रोजगार मिशन समिति के माध्यम से विशेष प्रस्ताव भी रखा है, जिसमें संचालन के लिए धनराशि की व्यवस्था की है। कौशल विकास में युवाओं की ट्रेनिंग के लिए 200 करोड़ का प्रावधान किया है। रोजगार प्रशिक्षण के साथ-साथ 'प्रोजेक्ट प्रवीण' के लिए 100 करोड़ की व्यवस्था की गई है। 150 आईटीआई को टाटा कंसल्टेंसी के साथ विश्व स्तरीय स्किल डवलपमेंट सेंटर के रूप में विकसित करने की कार्रवाई को बढ़ाया है। इसमें 23 प्रकार के न्यू एज कोर्स प्रारंभ करने जा रहे हैं, यह आज की आवश्यकता के अनुरूप ग्लोबल मार्केट व इंडस्ट्री की डिमांड है। योगी आदित्यनाथ ने बताया कि 284 राजकीय इंटर कॉलेज में प्रयोगशालाओं के लिए 28.40 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। 1040 राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी लैब की स्थापना के लिए 66 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है।

देश की तेज गति से कदम मिला रहा उत्तर प्रदेश

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को विधानसभा में अनुपूरक बजट पर चर्चा करते हुए कहा कि देश को 5 ट्रिलियन की इकॉनमी बनाने का प्रधानमंत्री जी का जो विजन है, उसके अनुरूप देश की सबसे बड़ी आबादी वाला राज्य होने के नाते उत्तर प्रदेश का भी दायित्व बनता है कि हम देश की स्पीड के साथ प्रदेश के नागरिकों की स्पीड को आगे बढ़ा सकें और उसी स्पीड को मैच करने के लिए उत्तर प्रदेश ने भी तय किया कि हम उत्तर प्रदेश की इकॉनमी को वन ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी के रूप में खुद को स्थापित करेंगे। यह बजट उसी श्रृंखला का एक हिस्सा है। उत्तर प्रदेश में वन ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी के लिए एक रोडमैप तैयार हुआ है। प्रदेश के अंदर सभी विभागों को हमने 10 सेक्टर में विभाजित किया है। हमारा कोई वरिष्ठ मंत्री उस सेक्टर की निगरानी कर रहा है। अपर मुख्य सचिव और प्रमुख सचिव स्तर के अधिकारी उसकी मॉनीटरिंग कर रहे हैं।

सदन में योगी ने कहा- 'मैं यहां नौकरी करने नहीं आया हूं'

लखनऊ। वैसे तो सीएम योगी अपने सार्वजनिक जीवन के विषय में बहुत सारी बातें कई बार कह चुके हैं, लेकिन विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान गुरुवार को एक वक्त ऐसा भी आया जब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राजनीति में आने के अपने उद्देश्य के बारे में भी सदन के सदस्यों को बताया। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि जनता जनार्दन की सेवा करते हुए उन्हें किन लोगों से लड़ाई लड़नी पड़ रही है। सीएम योगी ने कहा कि मैं यहां नौकरी करने नहीं आया हूं। इस दौरान उन्होंने यह भी साफ किया कि राजनीति में उन्हें कोई प्रतिष्ठा नहीं चाहिए। विधानसभा में अनुपूरक बजट पर बोलते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सपा समेत समूचे विपक्ष को आईना दिखाते हुए बताया कि राजनीति में जनता की सेवा और सुरक्षा ही सबसे बड़ा धर्म है। इसमें किन लोगों से उन्हें लड़ना पड़ रहा है इस बारे में बोलते हुए उन्होंने कहा प्रदेश के नौजवानों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाले, बेटी और व्यापारी की सुरक्षा में सेंध लगाने वाले और अराजकता फैलाकर आम आदमी जीवन मुहाल करने वाले लोगों से लड़ने के लिए आया हूं। जो ऐसा करेगा वो भुगतेगा भी।

सार संक्षेप

मेरठ ट्रिपल मर्डर केस में 10 आरोपी दोषी करार

मेरठ। गुदड़ी बाजार ट्रिपल मर्डर केस में कोर्ट ने 10 आरोपियों को दोषी करार दिया है। इसमें गर्लफ्रेंड शीबा सिरोही शामिल हैं। एक आरोपी देवेंद्र आहूजा उर्फ मन्नु कांवड़ लेने गया है, जो आज उपस्थित नहीं था। अन्य आरोपी में शीबा सिरोही, अफजाल, इजलाल, वसीम, रिजवान, बदरुद्दीन, महराज, इजहार और अब्दुल रहमान उर्फ कलुवा सभी कोर्ट पहुंचे थे। कोर्ट ने शीबा सिरोही को धारा-109 और 302 में दोषी करार दिया है। वहीं, इजलाल को धारा- 302, 364, 304 और 325 में दोषी करार दिया है। इजलाल और शीबा के अलावा अन्य आरोपियों को कोर्ट ने धारा- 302, 364, 304 में दोषी करार दिया है। सभी को 147, 148, 364, 302, 149, 201, 404 इन धाराओं में हत्या का दोषी करार दिया है। कोर्ट मामले में 5 अगस्त को सजा सुनाएगी। गुरुवार को सुनवाई के दिन मुख्य आरोपी इजलाल अपने बॉडी गार्ड के साथ पहुंचा था, पुलिस ने उसके गार्ड को वापस भेज दिया था। यहीं से सभी को अरेस्ट पुलिस कस्टडी में भेज दिया गया है।

छात्रों के लिए वजीफा, छात्रवृत्ति के लिए करें ऑनलाइन आवेदन

मेरठ। जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी कैप्टन (अ0प्रा0) राकेश शुक्ला जनपद मेरठ के सभी भूतपूर्व सैनिकों को सूचित करते हुये बताया कि कक्षा 9वीं और उससे ऊपर के छात्रों के लिए वजीफा/छात्रवृत्ति ऑनलाइन फॉर्म/आवेदन 01 अगस्त, 2024 से खोले जाएंगे। उन्होंने सभी भूतपूर्व सैनिकों से अनुरोध किया कि योजना का पूर्ण लाभ लें।

विधवा पेंशनर्स बैंक खाते से लिंक कराएं आधार

मेरठ। जिला प्रोबेशन अधिकारी अतुल कुमार सोनी ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा महिला कल्याण विभाग के माध्यम से संचालित पति की मृत्युपरान्त निराश्रित महिला, (विधवा) पेंशन योजना चालू वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रथम तिमाही किस्त का भुगतान माह जून से आधार बेस पेमेन्ट के माध्यम से किया जा रहा है। उन्होंने पति की मृत्युपरान्त निराश्रित महिला, (विधवा) पेंशन योजनान्तर्गत प्राप्त कर रही समस्त लाभार्थियों को सूचित करते हुए बताया कि जिन लाभार्थियों ने अपना आधार कार्ड अपने बैंक से लिंक नहीं कराया है, वह सम्बन्धित बैंक की शाखा में यथाशीघ्र जाकर आधार लिंक (केवाईसी) ध् डीबीटी अपडेट कराने का कष्ट करें, जिससे वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रथम तिमाही एवं आगामी द्वितीय किस्त में पेंशन की किस्त अवशेष लाभार्थियों को प्राप्त हो सकें।

पूर्व मंत्री ने किया कांवड़ भंडारे का उद्घाटन

मवाना। हस्तिनापुर रोड पिंजरापोल गौशाला के सामने अंजू चैहान के शोरूम पर तीसरे कावड़ भंडारे शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री पूर्व विधायक प्रभु दयाल वाल्मीकि ने गुरुवार को फीता काटकर किया। उनके साथ शिक्षक नेता चौधरी नरेश पाल, अंजू चौहान व सचिन शर्मा भी थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता ठाकुर रामसिंह चौहान ने की।

बारिश के चलते मकान की दीवार गिरी, बाल-बाल बचा परिवार

मवाना, 1 अगस्त (देशबन्धु)। फलावदा थाना क्षेत्र के महलका में बारिश के चलते मकान की दीवार गिर गई। मकान की दीवार के नीचे दबने से परिवार के लोग बाल-बाल बच गये। महलका निवासी अनिल सक्सेना बुधवार की रात को परिवार के साथ घर में सो रहे थे। अचानक बुधवार को देर रात में तेज बारिश होने के कारण कच्चे मकान की एक दीवार भरभराकर गिर गई। तेज आवाज सुनकर पूरा परिवार जाग गया और मकान से बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। यह पूरा मकान कच्चा होने के कारण कभी भी गिरने से बड़ा हादसा हो सकता है। अब पूरा परिवार आसमान की खुली छत के नीचे रहने को मजबूर हो गया है। पीड़ित परिवार गरीब और असहाय होने के कारण अपना मकान भी नहीं बना सका।

ग्रामीणों ने बताया कि अनिल सक्सेना के मकान की दीवार के साथ में पड़ोसी मकान की दीवार ईंटों से बनी हुई हैं। ऐसे में बारिश होने पर कच्ची दीवार ईंटों का सहारा छोड़ गिर जाती है। परिवार के सभी सदस्य तेज धमाके की आवाज सुनकर मकान से बाहर आ गया। गुरुवार को मौके पर पहुंचे प्रधान असलम कुरैशी का कहना है कि संबंधित अधिकारियों को पीड़ित का बारिश से मकान गिरने की सूचना दे दी गई है। अधिकारियों के सर्वे के बाद इस गरीब परिवार का मकान बनवाने के लिए हर संभव मदद करेंगे।

दो घरों पर लगे मिले अवैध मीटर, चार दिन बाद भी एफआईआर नहीं

मेरठ, 1 अगस्त (देशबन्धु)। पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लि. के भ्रष्टाचार के मामले एक न एक दिन सामने आ ही जाते हैं। अब हापुड़ रोड स्थित काजीपुर बिजली घर का एक नया कारनामा सामने आया है। जिसमें एक ही परिसर पर अवैध रूप से लगे बिजली के मीटर पकड़े तो गए, लेकिन तीन दिन बीतने के बावजूद कार्यवाही शून्य। बिजली विभाग के अधिकारी मामले की लीपापोती में लगे होने की बात सामने आ रही है। मामला काजीपुर बिजली घर क्षेत्र के फतेहउल्लापुर रोड स्थित काला आम के पास रानी मेडिकल स्टोर के सामने दो मकानों पर अवैध मीटर का है। चार दिन पूर्व जेई संदीप यादव ने अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचकर कार्यवाही की। जिसमें मीटर रीडर सुन्दर द्वारा दोनों घरो को यह अवैध मीटर लगाने की बात सामने आ रही है। कार्यवाही को आज करीब चार दिन बीत चुके हैं, लेकिन अब तक न तो कोई कार्यवाही हुई और न ही एफआईआर। सूत्रों से पता चला है कि बिजलीकर्मियों द्वारा मामले में लीपापोती के लिए सांठ-गांठ की जा रही है। जेई संदीप यादव ने बताया कि दो मकानों में से एक मीटर मिस मैच पाया गया जिसे लैब जांच करने के लिए भेजा गया है, जांच के बाद ही आगे की कार्यवाही होगी। दूसरा मीटर का कुछ पता नहीं चल पाया है उसके बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। जेई गोलमोल जवाब देकर इस मामले में सवालों से बचते रहे। लेकिन क्या ऐसा मुमकिन है कि बिजली विभाग की टीम कार्यवाही करे और चार बाद भी एफआईआर न हो। नियम तो ये है कि कार्यवाही के अगले 24 घंटों के भीतर ही एफआईआर दर्ज होना अनिवार्य है, नहीं तो संबंधित अधिकारी के खिलाफ कार्यवाही होना तय माना जाता है।

■ लीपापौती में लगे बिजली विभाग के अधिकारी
■ मीटर रीडर द्वारा लगवाए गए थे दोनों अवैध मीटर
■ जेई ने मौके पर पहुंचकर की थी कार्रवाई, मीटर को जांच के लिए भिजवाया था लैब

शिवरात्रि के लिए सभी तैयारियां पूरी 2 अगस्त को होगा जलाभिषेक

मवाना, 1 अगस्त (देशबन्धु)। नगर क्षेत्र में आगामी श्रवण माह के पवित्र कांवड़ मेले को सकुशल संपन्न कराने व कांवड़ियों द्वारा किए जाने वाले जलाभिषेक की तैयारियों के लिए तमाम मंदिरों, शिवालयों में तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। मवाना में मेरठ रोड स्थित प्राचीन बड़ा महादेव मंदिर में बुधवार को सावन माह शुरू होते ही साफ. सफाई, रंगाई पुताई का कार्य पूर्ण हो गया था। सावन महीने की 2 अगस्त को शिवरात्रि पर्व है जिसमें बड़ी संख्या में शिव भक्त कांवड़िए उत्तराखंड के गौमुख, गंगोत्री, ऋषिकेश, हरिद्वार से पवित्र कांवड़ व पवित्र गंगाजल लेकर बड़ी संख्या में मवाना पहुंचकर त्रियोदशी व चैदस का जल विधि विधान के साथ अर्पित कर मनोकामनाओं को पूरा करने के लिए व्रत रखते हैं। मवाना के बड़ा महादेव मंदिर में भी मवाना कस्बा व आसपास के गांवों के शिवभक्त कांवड़िए जलाभिषेक करते हैं। कांवड़ियों की सेवा के लिए हर वर्ष दो बार मंदिर में की व्यवस्था की जाती है। श्री बड़ा महादेव शिव मंदिर कमेटी के सर्वेंद्र चैधरी, बोधराज आग्रवाल ने जानकारी देते हुए कहा की शिवभक्त कांवड़ियों की सेवा की सभी तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। शिवभक्तों के जलाभिषेक कराने के लिए तय समय पर सभी तैयारियां पूरी कर ली। शुक्रवार को भगवान शिव का जलाभिषेक किया जाएगा।

■ कांवड़ियों की सेवा के लिए हर वर्ष दो बार मंदिर में की व्यवस्था की जाती है

डीजी ने बाबा औघडनाथ मंदिर पहुंचकर लिया सुरक्षा व्यवस्था का जायजा

मेरठ। बड़ी संख्या में कावड़ियों द्वारा बाबा औघडनाथ मंदिर में जलाभिषेक किये जाने के दृष्टिगत आज एडीजी ध्रुव कान्त ठाकुर, आईजी नचिकेता झा, जिलाधिकारी दीपक मीणा एवं एसएसपी विपिन ताडा द्वारा बाबा औघडनाथ मंदिर पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। उन्होंने वहां कावंडियों के आने-जाने की व्यवस्था, बैरिकेडिंग, जलपान, प्रकाश व्यवस्था, कंट्रोल रूम आदि व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया व संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। सभी अधिकारियो ने बाबा औघडनाथ मंदिर में जलाभिषेक किया। जिलाधिकारी व एसएसपी ने सिविल डिफेंस द्वारा लगाए गए शिविर का उद्घाटन भी किया। इस अवसर पर संबंधित अधिकारी व पुलिस अधिकारीगण उपस्थित रहे।

हाईवे पर नापी डीजे की हाइट, पुलिस बढ़ाई सख्ती

मेरठ। पुलिस द्वारा हाइट वाले हेवी डीजे को रोककर उनकी ऊंचाई नापी जा रही है। पुलिसकर्मी खुद इंची टेप लेकर हाईवे पर खड़े हैं। आने वाले डीजे को नापा जा रहा है। जो भी डीजे 12 फुट से ज्यादा ऊंचे हैं। उनको खुलवाया जा रहा है। हाईवे पर ही डीजे के कॉलम उतारे जा रहे हैं। दिल्ली से हरिद्वार को जोड़ने वाला पूरा एनएच-58 हाईवे इस समय शिवमय हो गया है। हाईवे पर रात दिन कांवड़िए चल रहे हैं। शिव भक्त कांवड़िए हरिद्वार से गंगाजल लेकर अपने गंतव्य की ओर बढ़ते जा रहे हैं। 2 अगस्त को शिवरात्रि पर ये कांवड़िए मंदिरों में जलाभिषेक कर अपनी यात्रा संपन्न करेंगे।

पालिका ने पोकलेन मशीन 46.95 लाख रुपए में खरीदी

मवाना, 1 अगस्त (देशबन्धु)। नगर पालिका परिषद् मवाना ने भैसा रोड स्थित कूड़ा निस्तारण प्लान्ट के लिए 15 वें वित्त आयोग के अन्तर्गत पोकलेन मशीन 46.95 लाख रुपये से क्रय की गयी। इसका उदघाटन गुरुवार को पालिका अध्यक्ष अखिल कुमार कौशिक व अधिशासी अधिकारी राजीव कुमार ने संयुक्त रूप से फीता काटकर व नारियल फोड़कर किया गया। इस पोकलेन मशीन से भैसा रोड स्थित कूड़ा निस्तारण प्लान्ट पर कूड़े का शीघ्रता से निस्तारण किया जा सकेगा।

जायजा

बाबा औघडनाथ मंदिर पर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा होते देख कावंड़िए उत्साहित हुए

हेलीकॉप्टर से लिया कांवड मार्ग की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा

मेरठ, 1 अगस्त। शासन के आदेशानुसार आज जिलाधिकारी दीपक मीणा तथा एसएसपी विपिन ताडा द्वारा हेलीकॉप्टर से जनपद के कांवड मार्गो का हवाई सर्वेक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओ का जायजा लिया तथा कांवडियों पर पुष्प वर्षा की गई। जिलाधिकारी व एसएसपी ने बाबा औघडनाथ मंदिर, पल्लवपुरम, बागपत फ्लाईओवर, सिवाया टोल प्लाजा, दौराला, सकौती सहित समस्त नेशनल हाईवे-58 कांवड मार्ग पर हवाई सर्वेक्षण करते हुए कांवडियों पर पुष्प वर्षा की।

■ समस्त कांवड मार्ग पर कांवड़ियों की सुविधा का पूरा ख्याल रखा जा रहा है

बाबा औघडनाथ मंदिर पर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा होते देख कावंड़िए उत्साहित व गदगद हो गये। पुष्प वर्षा से खुश शिव भक्तों ने भगवान भोलेनाथ और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के लिए नारे भी लगाए। जिलाधिकारी ने कहा कि समस्त कांवड मार्ग पर कांवड़ियों की सुविधा का पूरा ख्याल रखा जा रहा है। साथ ही सुरक्षा के चाक चौबंद बंदोबस्त किए गए हैं। पुष्प वर्षा से खुश कांवड़ियों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को धन्यवाद देते हुए कहा कि समूचे कांवड़ मार्ग में बहुत अच्छी व्यवस्थाएं की गई हैं।

मुख्य कांवड़ मार्गो पर विशेष महासफाई अभियान चलाने के आदेश

मवाना। नगर पालिका अध्यक्ष अखिल कुमार कौशिक व अधिशासी अधिकारी राजीव कुमार ने श्रावण शिवरात्रि के अवसर पर नगर के मुख्य कांवड़ मार्गो पर विशेष महासफाई अभियान चलाए जाने व नियमित जलापूर्ति करने के लिए पालिका के सफाई नायकों व जलकल सुपरवाईजर की एक बैठक पालिका कार्यालय में आयोजित की गई, जिसमें पालिका अध्यक्ष अखिल कुमार कौशिक ने श्रावण शिवरात्रि के अवसर पर नगर के मुख्य कांवड़ मार्गो पर विशेष महासफाई अभियान चलाये जाने की सफाई नायकों को निर्देशित किया गया। पालिका के सफाई नायक राकेश कुमार ने नगर के पक्के तालाब से लेकर चौहान चौक तक व सफाई नायक मजहर अब्बास ने फलावदा तिराहे से लेकर पुलिस चौकी तक व सफाई नायक सुजीत कुमार ने पुलिस चौकी से एएस डिग्री कॉलेज तक व सफाई नायक चरणदास ने एएस डिग्री कालेज से बड़ा महादेव मन्दिर तक विशेष सफाई अभियान चलाया गया। मुख्य कांवड़ मार्ग की सड़क की दोनों साइड पटरियों पर नाली, झाडू व कूड़ा आदि का कार्य कराया गया।

भोले के भक्तों ने रोपित किए पौधे

मवाना। ए एस इंटर कॉलेज मवाना में आयोजित कैम्प में हरिद्वार से जल लेकर आए भोले के भक्तों ने गुरुवार को प्रधानाचार्य डॉ मेघराज सिंह, धर्म पत्नी डॉ पारुल के साथ सहजन, शमी, कटहल, अमरूद आदि के पौधों को रोपित किया। हरिद्वार से जल लेकर आने के उपरांत पौधों को आरोपित करने का उद्देश्य अपनी प्रकृति को सुरक्षित करना है, क्योंकि शुद्ध पर्यावरण के लिए शुद्ध जलवायु की आवश्यकता है, जो बिना पेड़ पौधों के संरक्षण के संभव नहीं है। इस कार्यक्रम में पूनम, अभिषेक चौहान, रविंद्र कुमार, महावीर सिंह, सुभाष, पल्लव, विशेष कुमार आदि का विशेष सहयोग रहा।

दुनिया रंग-बिरंगी

देशबन्धु | नई दिल्ली, शुक्रवार, 2 अगस्त, 2024, डाक पंजीयन संख्या :- DL (ND)-11/6176/2015-16-17

हिताची एनर्जी की नई पहल

नई दिल्ली। हिताची एनर्जी ने इंजीनियरिंग के छात्रों के लिए एक नई पहल, 'टेक्नोलॉजी कोलोक्वियम- टेक्नोलॉजीज फॉर एनर्जी ट्रांजिशन एंड सस्टेनेबल ग्रिड' की शुरुआत की है। इसकी मदद से हिताची एनर्जी का मकसद देश के सभी इंजीनियरिंग कॉलेजों के छात्रों को यह बताना है कि बिजली के क्षेत्र में क्या बदलाव हो रहे हैं और कैसे हम सभी मिलकर एक स्वच्छ और बेहतर भविष्य बना सकते हैं और नेट-जीरो लक्ष्यों को हासिल कर सकते हैं । ऊर्जा परिवर्तन हमारे समय के सबसे महत्वपूर्ण और जरूरी मुद्दों में से एक है। वर्ष 1949 से ही, हिताची एनर्जी भारत में पर्यावरण के लिए अच्छा काम कर रही है। कंपनी सिर्फ अपने उत्पाद नहीं बनाती, बल्कि यह भी सोचती है कि कैसे हम सभी के लिए एक बेहतर और स्वच्छ भविष्य बना सकते हैं।

वैज्ञानिकों ने जरूरत से अधिक पानी पीने पर किया शोध

अजीब लेकिन सच : बहुत अधिक पानी पीने से हो सकती है मौत

मानव शरीर का रक्त के माध्यम से बहता है लगभग 66 प्रतिशत पानी

नई दिल्ली, 1 अगस्त (एजेंसियां)। संस्कृत का सुप्रसिद्ध लघु सूत्र है 'अति सर्वत्र वर्जयेत' यानी अति करने से हमेशा बचना चाहिए क्योंकि अति का परिणाम हमेशा हानिकारक होता है और इसी को ध्यान में रखकर वैज्ञानिकों ने जरूरत से अधिक पानी पीने पर शोध किया है जिसका नतीजा बेहद चौंकाने वाला और घातक है। मानव शरीर का लगभग 66 प्रतिशत भाग पानी रक्त के माध्यम से बहता है, कोशिकाओं में रहता है और बीच की जगहों में छिपा रहता है। हर पल पानी पसीने, पेशाब, शौच या छोड़ी गई सांस के अलावा अन्य मार्गों से शरीर से बाहर निकल जाता है। इन खोए हुए भंडारों को प्रतिस्थापित करना आवश्यक है। इसके लिए पुनर्जलीकरण की आवश्यकता अधिक हो सकती है, लेकिन आवश्यकता से अधिक पानी पी लेने से घातक ओवरडोज़ की स्थिति भी बन सकती है।

इस वर्ष की शुरुआत में, कैलिफोर्निया की एक महिला (28) की रेडियो स्टेशन की ऑन-एयर पानी पीने की प्रतियोगिता में भाग लेने के बाद मृत्यु हो गई। 'होल्ड योर वी फॉर ए डब्ल्यू आईआई' प्रतियोगिता में तीन घंटे में लगभग छह लीटर पानी पीने के बाद, जेनिफर स्ट्रेंज को उल्टी हुई, तेज सिरदर्द के साथ वह घर गईं और तथाकथित पानी के इन्टॉक्सिकेशन से उसकी मृत्यु हो गई।

वर्ष 2005 में कैलिफ़ोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी, चिको में 21 वर्षीय व्यक्ति को ठंडे बेसमेंट में पुश-अप्स के बीच अत्यधिक मात्रा में पानी पीने के लिए मजबूर किया गया, जिससे उसकी मौत हो गई। वैज्ञानिकों ने प्रतिदिन आठ-10 गिलास पानी पीने के आधुनिक जीवन में प्रचलित भ्रामक प्रचार और अभ्यास को गंभीरता से लेते हुए गहन शोध किया है। वैज्ञानिकों के शोध और आम जीवन की कुछ घटनाओं से यह सिद्ध हो चुका है कि प्यास नहीं रहने पर भी जरुरत से अधिक पानी पीना प्राणघातक सिद्ध हो सकता है। न्यू इंग्लैंड जर्नल ऑफ मेडिसिन' में 2005 के एक अध्ययन में पाया गया कि लगभग हर छठे मैराथन धावक को कुछ हद तक हाइपोनेट्रेमिया हो जाता है या बहुत अधिक पानी पीने के कारण उनका रक्त पतला हो जाता है। हाइपोनेट्रेमिया, लैटिन और ग्रीक मूल से मिलकर बना शब्द है, जिसका मतलब 'रक्त में अपर्याप्त नमक' होता है। इसका मतलब रक्त में सोडियम सांद्रता 135 मिलीमोल प्रति लीटर या लगभग 0.4 औंस प्रति गैलन से कम होना है और यह स्थिति जरूरत से अधिक पानी पीने से बनती है। सामान्य सांद्रता 135 और 145 मिलीमोल प्रति लीटर के बीच होती है। हाइपोनेट्रेमिया के गंभीर मामलों में पानी का इंटॉक्सिकेशन हो सकता है। ऐसी स्थिति में व्यक्ति सिरदर्द, थकान, मतली, उल्टी, बार-बार पेशाब आना और आत्मविस्मृति (डिसॉरीअन्टेशन) की परेशानियों का सामना करता है। गुर्दे अपनी लाखों मुड़ी हुई नलिकाओं के माध्यम से रक्त को छानकर शरीर से निकलने वाले पानी, लवण और अन्य घुलनशील पदार्थों की मात्रा को नियंत्रित करते हैं। जब कोई व्यक्ति कम समय में बहुत अधिक पानी पीता है, तो गुर्दे उसे तेजी से बाहर नहीं निकाल पाते हैं और रक्त में पानी भर जाता है। इसके बाद खून शरीर के उन हिस्सों की तरफ भागता जहां नमक और अन्य घुलनशील पदार्थों का जमाव अधिक होता है। रक्त अतिरिक्त पानी छोड़ देता है और अंततः कोशिकाओं में प्रवेश करता है। कोशिकाएं रक्त की अधिकता के कारण गुब्बारे की तरह फूल जाती हैं। अधिकांश कोशिकाओं में खिंचाव के लिए जगह होती है, क्योंकि वे वसा और मांसपेशियों जैसे लचीले ऊतकों में अंतर्निहित होती हैं, लेकिन न्यूरॉन्स के मामले में ऐसा नहीं है।

ईपीएस-95 का सफल आंदोलन, केंद्रीय श्रम मंत्री और ईपीएफओ ने बुलाई बैठक

नई दिल्ली, 1 अगस्त (एजेंसियां)। कर्मचारी पेंशन योजना, 1995 (ईपीएस-95) के तहत आने वाले पेंशनधारक न्यूनतम मंथली पेंशन को बढ़ाकर 7,500 रुपये करने के साथ अपनी दूसरी मांगों के समर्थन में 31 जुलाई, 2024 को हज़ारों पेंशनधारकों ने सफल आंदोलन किया। एनएसी के अध्यक्ष कमांडर अशोक राऊत के निवेदन व धैर्यशील माने , सांसद कोल्हापुर (हातकडंगले) की अपील पर महाराष्ट्र के विभिन्न पक्षों के सांसद गण की बैठक व चर्चा संपन्न हुई।

एनएसी के तत्वावधान में पिछले 8 वर्षों से ईपीएस पेंशनर्स के अखंडित संघर्ष व उनकी न्यायोचित मांगो को मंजूर करवाने हेतु समाधान के उद्देश से रखी गई मीटिंग में कमांडर अशोक राऊत जी ने तथ्य व प्रमाणों के आधार ईपीएस 95 पेंशनर्स का पक्ष रखा। पेंशनधारकों के मुताबिक रिटायर्ड पेंशनधारकों को कर्मचारी पेंशन योजना, 1995 के तहत इतना कम पेंशन मिल रहा है कि उनके और उनके परिवार का गुजारा करना भी मुश्किल है। श्रम मंत्री डॉ मनसुख मंडाविया ने (ईपीएस-95) के एक दल को चर्चा के लिए बुलाया। उन्होंने आश्वाशन दिया कि सरकार बहुत जल्द इसके समाधान के लिए कटिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि यह आश्वासन नहीं है बल्कि प्रधानमंत्री भी इसके प्रति बहुत प्रतिबद्ध हैं। श्रम मंत्री ने आंदोलन समाप्त करने का आग्रह किया। इसके जवाब में कमांडर अशोक राउत के कहा कि एक तारीख से आगे का आंदोलन हम स्थगित कर देंगे। अभी 22 राज्यों से प्रतिनिधि के रूप में लोगों ने इस आंदोलन में शामिल हुए। मंत्री जी के साथ मीटिंग में कमांडर अशोक राउत, राष्ट्रीय महासचिव वीरेंदर सिंह राजावत, राष्ट्रीय मुख्य समन्वयक रमाकांत नारगुंड उपस्थित थे।

सनम सईद ने 'बरज़ख' में फवाद खान के साथ दोबारा काम करने व रहस्यमयी किरदार निभाने पर बात की

नई दिल्ली 1 अगस्त (एजेंसियां)। सनम सईद आगामी सीरीज बरज़ख में अपनी भूमिका को लेकर सुर्खियाँ बटोर रही हैं। इस प्रोजेक्ट में वह एक दशक से ज्यादा वक्त के बाद फवाद खान के साथ काम कर रही हैं। गौरतलब है कि जिन्दगी गुलज़ार है में फवाद के साथ उनकी जोड़ी काफी मशहूर हुई थी। बरज़ख को समीक्षकों की तरीफ पाने वाले असीम अब्बासी ने निर्देशित किया है। यह सीरीज ओटीटी प्लेटफॉर्म ज़ी5 और 'जिन्दगी' के यूट्यूब चैनल पर आ रही है। इसके नये एपिसोड हर मंगलवार और शुक्रवार को भारतीय समय के अनुसार रात 8 बजे उपलब्ध होते हैं। यह प्लेटफॉर्म सीमाओं के पार जाकर लोगों का दिल छूने वाले असरदार कंटेन्ट की पहल के लिये जाना जाता है। सनम ने बरज़ख में शहरजादी का किरदार निभाने की चुनौतियों और खुशी को याद किया है। यह किरदार अपने परिवार को एकजुट रखता है और उसकी एक रहस्यमयी दुनिया भी है। सनम ने अपने को-स्टार फवाद खान के साथ दोबारा काम करने पर जानकारी दी है और बताया है कि बरज़ख में वह नये अंदाज में दिखेंगे। फवाद ऐसे कलाकार हैं, जिनके भीतर एक सितारा छुपा है।

मेरे पिता हमेशा चाहते थे कि मैं आईएएस अधिकारी बनूं : अभिषेक बनर्जी

मुंबई, 1 अगस्त (एजेंसियां)। फिल्म 'स्त्री 2' में आईएएस बनने की चाहत रखने वाले जना का किरदार निभा रहे एक्टर अभिषेक बनर्जी ने बताया है कि वह अपने पिता के जीवन भर के सपने को मजेदार तरीके से पूरा कर रहे हैं। अभिषेक ने कहा कि मेरे पिता हमेशा चाहते थे कि मैं आईएएस अधिकारी के रूप में अपना करियर बनाऊं। जबकि मेरा दिल हमेशा अभिनय पर लगा रहता था। 'स्त्री 2' में यह भूमिका मुझे ऐसा महसूस कराती है जैसे मेरे पिता का सपना कभी मेरा साथ नहीं छोड़ता। उन्होंने कहा कि जना का किरदार निभाना वास्तव में प्यारा और मजेदार है। मेरे पिता और मैं आज भी इस बात पर हंसते हैं कि उनका बेटा होने के नाते मैंने उनके सपनों को साकार करने का अनोखा तरीका खोजा, अगर हकीकत में नहीं तो कम से कम स्क्रीन पर ही सही। अभिषेक ने अपने किरदार की सफलता की संभावनाओं पर भी मजाकिया अंदाज में टिप्पणी करते हुए कहा कि आईएएस परीक्षा की तैयारी के लिए जना का संघर्ष देखकर मुझे संदेह होता है कि वह अपने जीवन में कभी सफल हो पाएगा।

फेफड़ों का कैंसर सबसे आम, मस्तिष्क में फैलता है तेजी से

40 से 50 प्रतिशत मामलों में फेफड़े के कैंसर का मुख्य कारण ट्यूमर

नई दिल्ली, 1 अगस्त (एजेंसियां)। हर साल एक अगस्त को वर्ल्ड लंग कैंसर डे (विश्व फेफड़ों का कैंसर दिवस) मनाया जाता है। इस मौके पर विशेषज्ञों ने कहा कि फेफड़ों का कैंसर सबसे आम कैंसर है, जो मस्तिष्क तक फैल सकता है और दूसरा कैंसर पैदा कर सकता है। द लैंसेट रीजनल हेल्थ पत्रिका में प्रकाशित एक हालिया अध्ययन के अनुसार, भारत में फेफड़ों के कैंसर के हर साल 72,510 नए मामले सामने आते हैं, जो सभी कैंसर मामलों का 5.8 प्रतिशत है। यह तीसरा सबसे ज्यादा पाया जाने वाला कैंसर है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने कहा कि एक महत्वपूर्ण चुनौती तब पैदा होती है जब फेफड़ों का कैंसर शरीर के महत्वपूर्ण हिस्सों जैसे मस्तिष्क तक फैल जाता है। फोर्टिस अस्पताल के न्यूरोलॉजी विभाग के प्रमुख एवं प्रधान निदेशक प्रवीण गुप्ता ने बताया कि मस्तिष्क में कैंसर के फैलने की समस्या कई प्रकार के कैंसर में आम है, खासकर फेफड़ों के कैंसर के मरीजों में। प्रवीण गुप्ता ने आगे कहा कि एडवांस नॉन-स्मॉल सेल लंग कैंसर (एनएससीएलसी) के लगभग 10 प्रतिशत नये मरीजों में मस्तिष्क में कैंसर फैलता है। इन मामलों में 40 से 50 प्रतिशत मामलों में फेफड़ों का कैंसर मुख्य ट्यूमर होता है।

मस्तिष्क में कैंसर फैलने के मामलों का इलाज करने के लिए कई विशेषज्ञों की टीम की जरूरत होती है, जिसमें कैंसर विशेषज्ञ, न्यूरोलॉजिस्ट और पैलिएटिव केयर विशेषज्ञ शामिल होते हैं, ताकि मरीजों की जटिल जरूरतों को पूरा किया जा सके। डॉक्टरों का प्राथमिक लक्ष्य मरीजों के दर्द और परेशानियों को कम करना, उनकी जिंदगी की उम्मीद को बढ़ाना और लंबा करना, उनकी जिंदगी को बेहतर बनाने के लिए व्यक्तिगत उपचार और सहायक देखभाल देना होता है।

जब फेफड़ों का कैंसर मस्तिष्क में फैल जाता है, तो इसका इलाज विकिरण और सिस्टमिक कीमोथेरेपी जैसे उपचारों के माध्यम से किया जा सकता है। ये उपचार फेफड़ों में मौजूद मुख्य कैंसर और मस्तिष्क में फैले कैंसर दोनों को नियंत्रित करने में मदद करते हैं। भारत में फेफड़ों के कैंसर के लिए तम्बाकू धूम्रपान प्रमुख जोखिम फेक्टर है, जिससे बहुत से लोगों में यह बीमारी होती है।

एस्टर आरवी अस्पताल के इंटरवेंशनल पल्मोनोलॉजी एवं लंग ट्रांसप्लांटेशन के प्रमुख कंसल्टेंट पवन यादव ने बताया कि सिगरेट पीना फेफड़ों के कैंसर का मुख्य कारण है, जो सभी मामलों में लगभग 85 प्रतिशत जिम्मेदार है। सिगरेट पीना बंद करना जोखिम को कम करने का सबसे प्रभावी तरीका है। हालांकि, कैंसर का जल्द पता लगाना और समय पर जांच कराना, फेफड़ों के कैंसर के परिणामों को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने आगे कहा कि जब फेफड़ों के कैंसर का पता शुरुआती चरण में लग जाता है और जब यह शरीर के अन्य हिस्सों में नहीं फैला होता है, तो सफल उपचार और संभावित इलाज की संभावना ज्यादा होती है।

ट्यूशन छात्रों के लिए बन गया है एक जरूरी बैसाखी : जया घोष

ग्रेटर नोएडा, 1 अगस्त (देशबन्धु)। एक वक्त था जब मां की शिक्षा को ही सब कुछ मान लिया जाता था, मगर कुछ और ज्ञान अर्जन करने के लिए गुरू की आवश्यकता होती थी। तभी तो ऊंचे कुल के बच्चों को गुरूकुल भेजा जाता था, उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए। मगर जैसे-जैसे युग बदलता गया वैसे ही यह गुरु शिष्य प्रथा भी बदल गया। गुरूकुल स्कूल में और स्कूल की पढ़ाई को पूर्ण करने के लिए ट्यूशन की आवश्यकता होने लगी है। जया घोष, मैथ्स बुक ऑथर, मैथ्स एडुकेटर ने बताया कि आजकल की भारतीय शिक्षा प्रणाली के अनुसार अच्छी नौकरी के लिए परीक्षा में ज्यादा से ज्यादा अंक लाना जरूरी है, जिसके चलते हर अभिवावक को अपने बच्चे की भविष्य की चिंता रहती है। अच्छे से अच्छे निजी स्कूल में पढ़ने के बाद भी बच्चों में ट्यूशन व कोचिंग करने का चलन बढ़ता ही जा रहा है। ट्यूशन टीचर बच्चों को स्कूल के होमवर्क के साथ साथ नोट्स भी प्रदान करते हैं। इस तरह बच्चों को बहुत मदद मिल जाती है। हर मां-बाप अपने बच्चे को डॉक्टर या इंजीनियर बनाना चाहता है, स्कूल की कक्षाओं में कम से कम 35 से 40 छात्र होते हैं, ऐसे में सिर्फ वहां की पढ़ाई के भरोसे अच्छे नंबर लाना संभव नहीं है। इसके लिए बच्चों को ट्यूशन भेजना एक अच्छा विकल्प हो सकता है।

80 किमी0 पैदल चलकर जलाभिषेक को पहुंचे मासूम

रबूपुरा, 1 अगस्त (देशबन्धु)। श्रवण मास में पड़ने वाले महाशिवरात्रि पर्व पर चारों तरफ बम भोले का शंखनाद गूंज रहा रहा। मार्गों पर कांवड़ियों की टोलियां नजर आ रही हैं। इसी के साथ शिवभक्ति का जज्बा उस समय देखने को मिला जब दो मासूम बच्चे गंगाजल लेकर 80 किलोमीटर का सफर पैदल तय कर जलाभिषेक के लिए शिव नानकेश्वर महादेव मंदिर पहुंचे। बच्चों में शिवभक्ति का जज्बा देख मंदिर कमेटी ने उनका स्वागत व हौसले की सराहना की। इसी के साथ एक विकलांग युवक भी कांवड़ लेकर आया है। कमेटी के अध्यक्ष राजेश सिंह ने बताया कि गांव फलैदा निवासी मनोज का साढ़े पांच वर्ष का पुत्र कान्हा व जितेन्द्र (5 वर्ष) दोनों अनूपशहर से जल लेकर शिव मंदिर पर गुरुवार को जलाभिषेक के लिए पहुंचे हैं। जिन्होंने साबित कर दिया कि हौसला बुलंद हो तो उम्र कोई मायने नहीं रखती। इतनी छोटी अवस्था में 48 घण्टे के दरम्यान 80 किमी का सफर करने का हौसला और अपने धर्म व शिव भक्ति का जज्बा काबिले तारीफ है। कमेटी ने निर्णय लिया है सर्वप्रथम दोनों बच्चों से जलाभिषेक कराया जाएगा तथा पुरुस्कृत किया जाएगा। वहीं एक विकलांग युवक नानक भी गंगाजल लेकर जलाभिषेक के लिए पहुंचा है। गौरतलब है कि क्षेत्र के गांव भाईपुर स्थित शिव नानकेश्वर महादेव मंदिर पर विगत वर्षों की भांति इस बार 5 दिवसीय महाशिवरात्रि मेला आयोजित है जिसमें दूर दराज से हजारों शिव भक्त शुक्रवार को जलाभिषेक करेंगें। कांवड़ मार्ग व मेला परिसर में चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था के लिए भारी संख्या में पुलिस व पीएसी बल तैनात किया गया है।

सावन मास की शिवरात्रि का महत्व खास

नई दिल्ली, 1 अगस्त (एजेंसियां)। कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मासिक शिवरात्रि या मास शिवरात्रि के रूप में मनाया जाता है। सावन मास की शिवरात्रि का महत्व खास होता है। इस बार तिथि को लेकर भ्रम की स्थिति है। 2 अगस्त या फिर 3 अगस्त किस दिन करें भोले बाबा का जलाभिषेक, आइए जानते हैं।

श्रावण माह में आने वाली शिवरात्रि को सावन शिवरात्रि के नाम से जाना जाता है। इस दिन देश भर के शिव मंदिरों में विशेष पूजा का आयोजन किया जाता है। कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि 2 अगस्त को दोपहर 3:26 बजे शुरू होगी और अगले दिन, 3 अगस्त को दोपहर 3:50 बजे समाप्त होगी इसलिए सावन शिवरात्रि का पर्व 2 अगस्त को मनाया जाएगा। सावन शिवरात्रि हर साल मनाई जाने वाली बारह शिवरात्रियों में से एक है। सावन के महीने में पड़ने वाली यह शिवरात्रि भक्तों के लिए विशेष महत्व रखती है। पूजा कि विधि भी महत्वपूर्ण होती है। शास्त्रों के मुताबिक इस दिन ब्रह्म मुहूर्त में उठना श्रेयस्कर होता है। स्नान करने के बाद साफ कपड़े पहनकर सूर्य देव को जल का अर्घ्य देना चाहिए। व्रत का संकल्प लें। अगर मंदिर न जा पाएं तो घर में जहां ही एक चौकी पर साफ कपड़ा बिछाकर भगवान शिव और देवी पार्वती की मूर्ति रखें। भगवान शिव को कच्चे दूध, दही, गंगाजल और जल से स्नान कराएं और बेलपत्र, धतूरा और भांग चढ़ाएं।

स्तनपान सप्ताह : बच्चों के साथ मां के लिए भी फायदेमंद है स्तनपान

मां का कोलेस्ट्रम युक्त पीला गाढ़ा दूध नवजात के लिए संपूर्ण आहार

नई दिल्ली, 1 अगस्त (एजेंसियां)। वर्तमान समय में यह सवाल बेहद ही आम हो जाता है कि अगर महिलाएं अपने बच्चों को स्तनपान न कराएं तो क्या होगा? पुराने समय से चली रही धारणाओं की माने तो यह मां और बच्चे दोनों के लिए ही बेहद फायदेमंद है। आइए जानें कि इस पर गायनेकोलॉजिस्ट क्या कहती हैं?

प्रत्येक वर्ष 1 अगस्त से 7 अगस्त तक विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया जाता है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार मां का कोलेस्ट्रम युक्त पीला गाढ़ा दूध (डिलीवरी के बाद स्तनों में जो पहला दूध आता है, उसे कोलोस्ट्रम कहते हैं) नवजात के लिए संपूर्ण आहार होता है। ऐसा माना जाता है कि यह दूध जन्म के 1 घंटे के भीतर ही बच्चे को देना शुरू कर देना चाहिए। बात करें मां के दूध की अवधि की तो ये हर एक महिला में अलग होती है। कई माताओं को बच्चे के जन्म से लेकर 5 वर्षों तक दूध आता है। वहीं कई माताओं में यह 5 वर्ष से कम समय तक रहता है। माना जाता है कि ये मां की डाइट पर निर्भर करता है। इसमें दूसरी तरफ यह भी कहा जाता है कि जब तक बच्चा मां का दूध पीता है तब तक ही स्तन में दूध आता है और अगर बच्चा दूध पीना छोड़ दे तो मां को दूध बनना बंद हो जाता है।

डॉ. अपर्णा ने बताया कि स्तनपान मां और बच्चे दोनों के लिए ही बेहद फायदेमंद है। इमोशनल बॉन्डिंग से लेकर सेहतमंद रहने के लिए ये जरूरी है।

डॉ. कहती हैं कि स्तनपान का सबसे अहम फायदा यह है कि इससे महिलाएं ब्रेस्ट कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बची रहती है। बच्चों पर स्तनपान के फायदे के बारे में डॉ. अपर्णा ने बताया कि मां का पहला दूध बच्चे के लिए काफी बेहतर होता है। मां के दूध में प्रचूर मात्रा में एंटीबॉडी होती है जोकि बच्चे की इम्यूनिटी बढ़ाने में मदद करती है। उन्होंने कहा कि मां का दूध बच्चे को जीवनभर होने वाली कई तरह की बीमारियों से बचाता है।

महिलाओं के लिए स्तनपान के फायदे

अपर्णा ने बताया कि स्तनपान का सबसे पहला और अहम फायदा माताओं के लिए यह है कि जब वह पहली बार बच्चे को स्तनपान कराती है तो वह अपने और बच्चे के बीच एक अहम रिश्ता कायम कर सकती है। इससे दोनों में एक इमोशनल बॉन्डिंग बन जाती है। इससे एक फायदा यह होता है कि वह डिलीवरी के समय हुए सभी दुखों को भूल जाती है। सभी तरह सभी प्रकार के दर्द से उसका ध्यान हट जाता है। उन्होंने आगे बताया कि इससे महिलाओं को वजन घटाने में भी काफी मदद मिलती है। देखा जाता है कि जो माताएं बच्चों को स्तनपान कराती हैं वह डिलीवरी के समय अपने बढ़े हुए वजन को आसानी से कम कर पाती हैं। डॉ. अर्पणा ने यहां महिलाओं को सलाह देते हुए कहा कि अगर महिलाएं डिलीवरी के बाद अपनी डाइट का ध्यान रखने के साथ नियमित तौर पर बच्चे को स्तनपान कराती रहें तो आसानी से अपना वजन घटा सकती हैं।

अमेजन फ्रेश के सुपर वैल्यू डेज़ के साथ भाई-बहन के रिश्ते को दें मजबूती

नई दिल्ली। भाई-बहनों के अटूट रिश्ते का त्योहार रक्षाबंधन बस कुछ ही दिन दूर है। अगर आप अपने भाई-बहनों पर प्यार और आशीर्वाद न्यौछावर करने की तैयारी कर रहे हैं, तो उन स्वादिष्ट व्यंजनों को भी याद रखें, जो इस खास मौके को और भी खूबसूरत बना सकते हैं। 1 से 7 जुलाई तक चलने वाले अमेजन फ्रेश सुपर वैल्यू डेज़ में आपको स्वादिष्ट व्यंजनों की तैयारी के लिए खास प्रोडक्ट रेंज मिलेगी। साथ ही यहां आपको अपने भाई-बहनों के लिए एक बेहतरीन गिफ्ट हैम्पर खरीदने का सही मौका भी मिलेगा। ये गिफ्ट इस बात का इजहार करेंगे कि आपके लिए वे कितने मायने रखते हैं। यहां पर ताज़े फलों और सब्जियों से लेकर स्नैक्स, बेवरेजेस और रोज़मर्रा की ज़रूरत की वस्तुओं तक, उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला 45 प्रतिशत तक की छूट के साथ उपलब्ध कराई जा रही है। यहां ग्राहक अपने पसंदीदा डिलीवरी स्लॉट को चुन सकते हैं और सबसे स्वादिष्ट भोजन पकाने के लिए दावत, फॉर्च्यून और टाटा संपन्न जैसे लोकप्रिय ब्रांडों पर बड़ी बचत कर सकते हैं। प्राइम ग्राहक फलों और सब्जियों की खरीद पर 200 रुपये तक के कैशबैक का लाभ उठा सकते हैं।

[अर्थ जगत]

सर्वाधिक बढ़ने वाले शेयर

पावरग्रिड	3.63 प्रतिशत
एनटीपीसी	1.75 प्रतिशत
एचडीएफसी बैंक	1.44 प्रतिशत
नेस्ले इंडिया	1.38 प्रतिशत
अडाणी पोर्ट्स	1.26 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

महिंद्रा एंड महिंद्रा	2.68 प्रतिशत
टाटा स्टील	1.39 प्रतिशत
बजाज फिन सर्व	1.18 प्रतिशत
एसबीआई	1.15 प्रतिशत
टाटा मोटर्स	1.02 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	70,510
बिटुर	47,320
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	39,795
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	87,100
वायदा	68,426
चांदी सिक्का लिवाली	900
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	67.77	78.57
पौंड स्टर्लिंग	90.94	105.45
यूरो	76.54	88.78
चीन युआन	08.24	13.38

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दडा	2600-2700
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	3740-3840
चीनी एम	4100-4200
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4450-4550

दाल-दलहन

चना	6600-6700
दाल चना	7600-7700
मसूर काली	7650-7750
उड़द दाल	12500-12600
मूंग दाल	10300-10400
अरहर दाल	11400-11500

पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम अपरिवर्तित रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपए प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपए प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपए प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपए प्रति लीटर पर रहा।

जुलाई में धीमी पड़ी भारत के विनिर्माण की रफ्तार

- पीएमआई जुलाई में घटकर 58.1 हो गया जो जून में 58.3 था
- मांग में उछाल ने भी कीमतों पर डाला दबाव

नई दिल्ली,1 अगस्त (एजेंसियां)। भारत के विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर जुलाई माह में मामूली रूप से धीमी रही। नए ठेकों और उत्पादन की धीमी रफ्तार इसकी मुख्य वजह रही।

दूसरी ओर लागत दबाव तथा मांग में मजबूती के कारण अक्टूबर 2013 के बाद से बिक्री कीमतों में सबसे अधिक वृद्धि हुई। गुरुवार को जारी एक मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई। मौसमी रूप से समायोजित 'एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक' (पीएमआई) जुलाई में घटकर 58.1 हो गया जो जून में 58.3 था।

पीएमआई के तहत 50 से ऊपर सूचकांक होने का मतलब उत्पादन गतिविधियों में विस्तार है जबकि 50 से नीचे का आंकड़ा गिरावट को दर्शाता है।

एचएसबीसी के मुख्य भारत अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा कि भारत के मुख्य विनिर्माण पीएमआई में जुलाई में विस्तार की गति मामूली धीमी रही लेकिन अधिकतर घटकों के मजबूत स्तर पर बने रहने के कारण यह छोटी गिरावट चिंता का कारण नहीं है।

भारतीय विनिर्माताओं ने जून से मंदी के बावजूद नए ठेकों में पर्याप्त वृद्धि की सूचना दी। एशिया, यूरोप, उत्तरी अमेरिका और पश्चिम एशिया में स्थित ग्राहकों की ओर से मांग में मजबूती की भी खबर है।

भारतीय विनिर्माताओं ने जुलाई में अंतरराष्ट्रीय बिक्री में मजबूत वृद्धि का अनुभव किया। सर्वेक्षण के अनुसार, विस्तार की समग्र दर उल्लेखनीय रही और 13 वर्षों में दूसरी सबसे मजबूत थी।

कीमतों के मोर्चे पर, मांग में उछाल ने भी कीमतों पर दबाव डाला। कच्चे माल की लागत में करीब दो वर्षों में सबसे तेज वृद्धि हुई, जिसने अक्टूबर 2013 के बाद से बिक्री कीमतों में सबसे तेज वृद्धि में योगदान दिया। एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण पीएमआई को एसएंडपी ग्लोबल ने करीब 400 कंपनियों के एक समूह में क्रय प्रबंधकों को भेजे गए सवालों के जवाबों के आधार पर तैयार किया है।

प्रमुख बुनियादी उद्योगों की वृद्धि 20 महीने में सबसे सुस्त

- बिजली की मांग में कमी बड़ी वजह

नई दिल्ली। भारत के 8 प्रमुख बुनियादी ढांचा उद्योगों की वृद्धि दर जून में पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 4 फीसदी रही है। औद्योगिक संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) द्वारा जारी आंकड़ों से पता चलता है कि जून में वृद्धि की रफ्तार 20 महीने में सबसे सुस्त रही है। वृद्धि में सुस्ती की प्रमुख वजह उच्च आधार और मॉनसून के कारण बिजली की मांग में कमी है। मई 2024 में वृद्धि 6.4 फीसदी और जून 2023 में 8.4 फीसदी थी। आठ क्षेत्रों कोयला, स्टील, सीमेंट, उर्वरक, बिजली, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद और कच्चे तेल की देश के कुल औद्योगिक उत्पादन में हिस्सेदारी करीब 40 फीसदी है। ऐसे में औद्योगिक सूचकांक में इनका बड़ा असर होता है। इक्रा में मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा कि जून 2024 में प्रमुख क्षेत्र का विस्तार गिरकर 20 माह के निचले स्तर 4 फीसदी पर आ गया है, जिसकी वजह 8 में से 5 क्षेत्रों में आई कमी है। कोयला, उर्वरक और सीमेंट छोड़कर शेष क्षेत्रों में मई महीने की तुलना में गिरावट आई है। नायर ने कहा, 'मॉनसून के कारण दो महीने के बाद बिजली क्षेत्र की वृद्धि एक अंक में आ गई हालांकि अभी भी 7.7 फीसदी की मजबूत दर बनी हुई है। प्रमुख क्षेत्र की वृद्धि में गिरावट के साथ अब लगता है कि जून 2024 में आईआईपी वृद्धि 3.5 से 5 फीसदी के बीच रहेगी।' हालांकि एक साल पहले की समान अव ?धि की तुलना में देखें तो कच्चे तेल और रिफाइनरी उत्पादों को छोड़कर शेष 6 क्षेत्र में धनात्मक वृद्धि दर्ज की गई है। बिजली क्षेत्र में ज्यादा मांग के कारण जून में कोयले का उत्पादन 14.8 फीसदी बढ़ा है।

नीलाम हुई 385 खानों में से 50 में ही हो रहा उत्पादन

- सरकार के नियमों में संशोधन के बावजूद नहीं बदले हालात

नई दिल्ली,1 अगस्त (एजेंसियां)। वर्ष 2015 के बाद से 385 खनिज ब्लॉक की नीलामी हुई है लेकिन इनमें से केवल 50 खानें ही पिछले तीन साल में उत्पादन शुरू कर पाई हैं। यह भारत के खनन क्षेत्र की चुनौतियों को उजागर करता है।

सरकार के खान और खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1957 में अहम संशोधन किए जाने के बावजूद नीलाम खानों के परिचालन की यह स्थिति है। इस अधिनियम में संशोधन से भारत के खनन क्षेत्र में कई महत्त्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। उदाहरण के लिए खनिज संसाधनों के आवंटन में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए खनिज रियायतें देने के लिए नीलामी की पद्धति को अनिवार्य बनाना।

खान और कोयला मंत्री जी. किशन रेड्डी ने एक सवाल के जवाब में बताया था कि केंद्र सरकार द्वारा कई सुधार लागू करने से वर्ष 2015 की नई नीलामी व्यवस्था के तहत देश में कुल 385 खनिज ब्लॉक की नीलामी हुई थी लेकिन अभी इनमें से 50 खानों से उत्पादन हो रहा है।'

खान और कोयला मंत्री रेड्डी ने सरकार के खनन क्षेत्र में कुल खनन उपभोग में घरेलू खनन की हिस्सेदारी बढ़ाने और खनन क्षेत्र में 'आत्मनिर्भर भारत' को हासिल करने के लिए सरकार के जारी प्रयासों पर विस्तार से प्रकाश डाला। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) ने 'स्वच्छ ऊर्जा की राह में महत्त्वपूर्ण खनिजों की भूमिका' पर रिपोर्ट जारी की थी। इस रिपोर्ट में इंगित किया गया कि 2010 से 2019 के दौरान संचालित प्रमुख वैश्विक खनन परियोजनाओं को खनिज खोजने के बाद औसतन 16.5 वर्ष लगे थे। देश के सकल घरेलू उत्पाद में खनन और उत्खनन क्षेत्र का सकल मूल्य वर्धित (जीवीए) को योगदान 2 प्रतिशत है। खनन और उत्खनन क्षेत्र की हिस्सेदारी का मूल्य 2014-15 में बढ़कर 2,90,411 करोड़ रुपए हो गया।

यूएई व आंध्र ने तलाशी आर्थिक व निवेश भागीदारी की संभावना

विजयवाड़ा, 1 अगस्त (एजेंसियां)। संयुक्त आब अमीरात (यूएई) और आंध्र प्रदेश ने अधिक निवेश और आर्थिक भागीदारी की संभावना तलाशी है जिससे यूएई की कंपनियां आंध्र प्रदेश में निवेश करने की तैयारी कर रही है।

भारत में यूएई दूतावास ने यूएई-भारत सीईपीए परिषद (यूआईसीसी) और आंध्र प्रदेश सरकार के सहयोग से यहां आर्थिक और निवेश गोलमेज सम्मेलन का आयोजन किया जिसमें यह संभावना तलाशी गई। इस कार्यक्रम की सह-अध्यक्षता भारत में संयुक्त अरब अमीरात के राजदूत अब्दुल नासिर अलशाली और आंध्र प्रदेश के उद्योग एवं वाणिज्य तथा खाद्य प्रसंस्करण मंत्री टी.जी. भरत ने की। गोलमेज सम्मेलन में यूएई के प्रतिभागियों में यूआईसीसी के निदेशक अहमद अलजनेबी के साथ-साथ यूएई कंपनियों, अबू धाबी पोर्ट्स, एयर अरेबिया, अरामेक्स, डीपी वर्ल्ड, डीयूसीएबी, एमार, अमीरात एयरलाइंस, अमीरात एनबीडी, फ्लाईदुबई, लुलु ग्रुप और टैब्रीड के प्रतिनिधि शामिल थे। आंध्र प्रदेश की ओर से 50 वरिष्ठ सरकारी अधिकारी और कंपनी प्रतिनिधि इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

7.5 प्रतिशत की दर से बढ़ सकती है जीडीपी : रिपोर्ट

- बजट से विकास दर को मिलेगा सहारा
- खुदरा महंगाई दर पिछले वर्ष के मुकाबले कम रहने की उम्मीद

नई दिल्ली, 1 अगस्त (एजेंसियां)। इंडिया रेटिंग्स और रिसर्च ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए जीडीपी अनुमान 7.1 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.5 प्रतिशत कर दिया है। रेटिंग्स एजेंसी की ओर से जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि बजट से अर्थव्यवस्था को गति मिलने की उम्मीद है।

रिपोर्ट में आगे बताया गया कि भारत सरकार द्वारा किए जा रहे पूंजीगत व्यय, बैंकों की मजबूत बैलेंसशीट और प्राइवेट सेक्टर की ओर से भी पूंजीगत व्यय शुरू किए जाने के बाद अब नए बजट से भी अर्थव्यवस्था को सहारा मिलेगा।

बजट में सरकार ने कृषि और ग्रामीण क्षेत्र पर अपना फोकस बढ़ाया है और एमएसएमई के लिए क्रेडिट डिलीवरी में सुधार किया है। वहीं, रोजगार सृजन के लिए इंसेंटिव देने के लिए योजना शुरू की है। रेटिंग एजेंसी का कहना है कि सामान्य से अच्छा मानसून और वित्त वर्ष 2024-25 के बजट में किए गए ऐलानों से ग्रामीण क्षेत्रों और कम आय वाले घरों में मांग मजबूत होगी। रिपोर्ट में आगे कहा गया कि निजी अंतिम उपभोग व्यय (पीएफसीई) चालू वित्त वर्ष में 3 वर्षों के उच्चतम स्तर 7.4 प्रतिशत पर रह सकता है, जो कि वित्त वर्ष 24 में 4 प्रतिशत पर था। खाद्य उत्पादों में महंगाई का जोखिम बना हुआ है। हालांकि, खुदरा महंगाई दर पिछले वर्ष के मुकाबले कम रहने की उम्मीद है।

आरबीआई की ओर से अनुमान जताया गया है कि चालू वित्त वर्ष में भारत की अर्थव्यवस्था 7.2 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है। वहीं, बजट से पहले पेश किए गए आर्थिक सर्वेक्षण में कहा गया कि जीडीपी 6.5 से 7 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान है।

इससे पहले मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) अनंत नागेश्वरन ने कहा था कि वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के बीच भारत के लिए वित्त वर्ष 2024-25 में 7 प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि दर हासिल करना मुमकिन है। हालांकि, इस साल की शुरुआत के मुकाबले अब यह लक्ष्य पाना चुनौतीपूर्ण हो गया है। उन्होंने आगे कहा कि जब जनवरी में हमने जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान 7 प्रतिशत तय किया था, तब हमें अधिक आत्मविश्वास था, लेकिन वैश्विक परिस्थितियां बदल गई हैं।

सार संक्षेप

अवीवा इंडिया अपने नए सिग्नेचर सीरीज का किया विस्तार

नई दिल्ली। निजी जीवन बीमा कंपनी अवीवा लाईफ इंश्योरेन्स ने दो इन्श्योरेन्स प्लान अवीवा सिग्नेचर इन्वेस्टमेन्ट प्लान प्लेटिनम और एन्हान्स्ड अवीवा सिग्नेचर 3डी टर्म प्लान विद प्रीवेन्टिव वैलनैस पैकेज- के साथ अपनी प्रमुख सिग्नेचर सीरीज़ का विस्तार करने की घोषणा की। कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि इस पेशकश के साथ अवीवा अपने प्रोडक्टों में प्रीवेन्टिव वैलनैस को शामिल करने वाला पहला ब्राण्ड बन गया है। अवीवा के उपभोक्ताओं की विभिन्न जरूरतों को पूरा करने के लिए कंपनी के दृष्टिकोण 'लिव लाईफ' के तहत दोनों प्लान डिज़ाइन किए गए हैं, जो आर्थिक सुरक्षा के साथ-साथ समग्र कल्याण को भी सुनिश्चित करेंगे। उसने कहा कि आधुनिक फीचर जैसे कस्टमाइज़ेबल कवरेज, बचत एवं वैल्यू-एडेड वैलनैस सेवाओं के साथ ये नए प्लान उपभोक्ताओं को उत्कृष्ट मूल्य एवं समग्र फाइनैंशियल समाधान उपलब्ध कराने की अवीवा की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

एबी कैपिटल का तिमाही मुनाफा 15 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। आदित्य बिड़ला समूह के वित्तीय सेवा प्रदाता कंपनी एबी कैपिटल का चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में शुद्ध मुनाफा इसके पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के 649 करोड़ रुपए की तुलना में सालाना आधार पर 15 प्रतिशत बढ़कर 745 करोड़ रुपए हो गया। कंपनी ने गुरुवार को बयान जारी कर बताया कि वित्त वर्ष 2024-2025 की अप्रैल-जून तिमाही के दौरान उसका सकल राजस्व सालाना आधार पर 26 प्रतिशत की बढ़ोतरी लेकर 10258 करोड़ रुपए हो गया जबकि वित्त वर्ष 2023-2024 की समान तिमाही में यह 8144 करोड़ रुपए रहा था। कंपनी का 30 जून, 2024 तक समग्र उधार पोर्टफोलियो (एनबीएफसी और एचएफसी) साल-दर-साल 27 प्रतिशत बढ़कर 127705 करोड़ रुपए, कुल एयूएम (एएमसी, जीवन बीमा और स्वास्थ्य बीमा) साल-दर-साल 20 प्रतिशत बढ़कर 462891 करोड़ रुपए और कुल प्रीमियम साल-दर-साल 30 प्रतिशत बढ़कर 5027 करोड़ रुपए हो गया।

एनएसडीसी ने लॉन्च किया महिला उद्यमिता प्रोग्राम

नई दिल्ली। महिला उद्यमियों को सशक्त बनाने और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के प्रयास में राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी)ने महिला उद्यमिता प्रोग्राम शुरू करने की घोषणा की है। कंपनी ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य महिलाओं को ज़रूरी कौशल, ज्ञान एवं नेटवर्किंग के अवसर प्रदान कर उनके समक्ष उद्यमिता में आने वाली चुनौतियों को हल करना है। प्रोग्राम का लॉन्च कॉम्प्लीमेंटरी सेल्फ-लर्निंग बेसिक एंटरेप्रेन्योरशिप कोर्सेज़ के साथ हुआ, जो स्किल इंडिया डिजिटल हब पर कई भाषाओं में उपलब्ध हैं। इनको पूरा करने के बाद प्रतिभागियों को उनके उद्यमिता कौशल एवं दक्षता के लिए एनएसडीसी, ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज़ और नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर एंटरेप्रेन्योरशिप एण्ड स्मॉल बिज़नेस डेवलपमेन्ट की ओर से को-ब्राण्डेड सर्टिफिकेट दिया जाएगा।

लिवाली की बदौलत नए शिखर पर पहुंचा बाजार

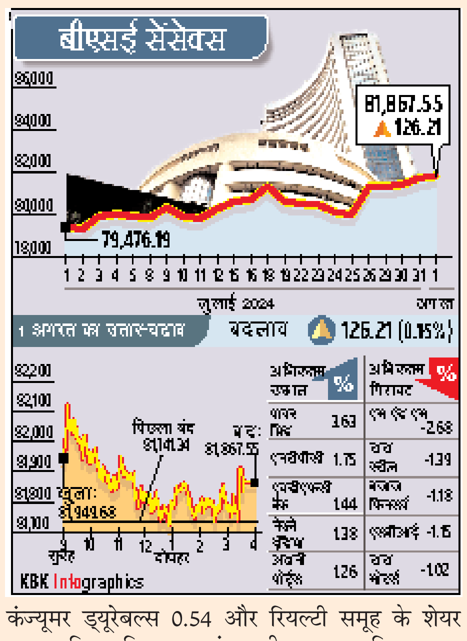

- सेंसेक्स 126.21 अंक की मजबूती के साथ 81,867.55 के रिकॉर्ड स्तर पर
- निफ्टी 59.75 अंक की बढ़ोतरी लेकर पहली बार 25,010.90 पर बंद

मुंबई,1 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल के सितंबर से ब्याज दर में कटौती शुरू करने के सुझाव के बाद विश्व बाजार में गिरावट आने के बावजूद स्थानीय स्तर पर पावरग्रिड, एनटीपीसी, मारुति और रिलायंस समेत पंद्रह दिग्गज कंपनियों में हुई लिवाली की बदौलत आज सेंसेक्स और निफ्टी नए शिखर पर पहुंच गए।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 126.21 अंक की मजबूती के साथ 81,867.55 अंक के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 59.75 अंक की बढ़ोतरी लेकर पहली बार 25 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के पार 25,010.90 अंक पर बंद हुआ। हालांकि दिग्गज कंपनियों के विपरीत बीएसई की मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों में बिकवाली हुई। इससे मिडकैप 0.80 प्रतिशत लुढ़ककर 48,247.70 अंक और स्मॉलकैप 0.70 प्रतिशत कमजोर होकर 54,945.66 अंक रह गया। इस दौरान बीएसई में कुल 4048 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2383 में गिरावट जबकि 1577 में तेजी रही वहीं 88 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह निफ्टी की 28 कंपनियों में लिवाली जबकि 22 में बिकवाली हुई। बीएसई के सात समूहों में तेजी रही वहीं अन्य में गिरावट का रुख रहा। इस दौरान यूटिलिटीज 2.04, ऊर्जा 0.80, एफएमसीजी 0.07, हेल्थकेयर 0.29, धातु 0.35, तेल एवं गैस 0.59 और पावर समूह के शेयर 0.86 चढ़ गए। वहीं, इंडस्ट्रियल्स 1.09, आईटी 0.54, दूरसंचार 0.73, ऑटो 0.78, कैपिटल गुड्स 1.18, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.54 और रियल्टी समूह के शेयर 1.67 प्रतिशत गिर गए। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गिरावट का रुख रहा। इस दौरान ब्रिटेन का एफ़टीएसई 0.15, जर्मनी का डैक्स 1.00, जापान का निक्केई 2.49, हांगकांग का हैंगसेंग 0.23 और चीन का शंघाई कम्पोजिट 0.22 प्रतिशत टूट गया। शुरूआती कारोबार में सेंसेक्स 208 अंक की तेजी के साथ 81,949.68 अंक पर खुला और दमदार लिवाली की बदौलत थोड़ी देर बाद ही पहली बार 82 हजार के मनोवैज्ञानिक स्तर के पार 82,129.49 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। वहीं, इसके बाद ऊंचे भाव पर मुनाफावसूली शुरू होने से यह लगातार गिरता हुआ दोपहर तक 81,700.21 अंक के निचले स्तर तक लुढ़क गया। अंत में पिछले दिवस के 81,741.34 अंक के मुकाबले 0.15 प्रतिशत की बढ़त लेकर 81,867.55 अंक हो गया। इस दौरान सेंसेक्स की जिन कंपनियों के शेयर लाभ में रहे उनमें पावरग्रिड 3.63, एनटीपीसी 1.75, एचडीएफसी बैंक 1.44, नेस्ले इंडिया 1.38, अदाणी पोर्ट्स 1.26, मारुति 1.01, भारती एयरटेल 0.84, रिलायंस 0.71, जेएसडब्ल्यू स्टील 0.68, अल्ट्रासिमको 0.58, एक्सिस बैंक 0.51, एशियन पेंट 0.48, हिंदुस्तान यूनिलीवर 0.36, टाइटन 0.32 और टीसीएस 0.25 प्रतिशत शामिल रही। वहीं, महिंद्रा एंड महिंद्रा 2.68, टाटा स्टील 1.39, बजाज फिन सर्व 1.18, एसबीआई 1.15, टाटा मोटर्स 1.02, एलटी 0.95, टेक महिंद्रा 0.89, इंफोसिस 0.84, कोटक बैंक 0.75, इंडसइंड बैंक 0.60, बजाज फाइनेंस 0.53, आईटीसी 0.26, आईसीआईसीआई बैंक 0.24, एचसीएल टेक 0.19 और सन फार्मा के शेयर 0.11 प्रतिशत कमजोर रहे।

इंफोसिस ने जीएसटी भुगतान में चोरी से किया इनकार

नई दिल्ली, 1 अगस्त (एजेंसियां)। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र की बहुराष्ट्रीय कंपनी इंफोसिस ने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) भुगतान में चोरी से साफ इनकार किया और कहा कि कंपनी ने अपने सभी जीएसटी बकाए का भुगतान कर दिया है और इस मामले में केंद्र और राज्य के नियमों का पूरी तरह से अनुपालन कर रही है।

इंफ़ोसिस ने बताया कि यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि जीएसटी भुगतान आईटी सेवाओं के निर्यात के विरुद्ध क्रेडिट या रिफंड के लिए है न कि इंफ़ोसिस के विदेशी शाखा कार्यालयों द्वारा किए गए खर्चों पर। कर्नाटक के जीएसटी अधिकारियों ने इंफ़ोसिस के विदेशी शाखा कार्यालयों द्वारा किए गए खर्चों के लिए जुलाई 2017 से मार्च 2022 की अवधि के लिए 32,403 करोड़ रुपए के जीएसटी के भुगतान के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया है। कंपनी ने सरकार द्वारा हाल ही में जारी एक परिपत्र का हवाला देते हुए कहा कि इंफ़ोसिस का मानना है कि नियमों के अनुसार इन खर्चों पर जीएसटी लागू नहीं होती है। इसके अलावा जीएसटी परिषद की सिफारिशों पर केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) और सीमा शुल्क द्वारा जारी एक हालिया परिपत्र (परिपत्र संख्या 210/4/2024 दिनांक 26 जून, 2024) के अनुसार, भारतीय संस्थाओं को विदेशी शाखाओं द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाएं जीएसटी के अधीन नहीं हैं। इंफ़ोसिस ने कहा कि उसने कारण बताओ नोटिस का जवाब दिया है। इस विषय पर समाचार पत्रों में लेखों के प्रकाशन के बाद इसे उसी मामले पर जीएसटी इंटेलिजेंस के महानिदेशक से कारण बताओ नोटिस भी मिला है और कंपनी इसका जवाब देने की प्रक्रिया में है।

खाद्य तेल सहित सभी जिंसों में रहा टिकाव

नई दिल्ली, 1 अगस्त (एजेंसियां)। विदेशी बाजारों की गिरावट के बीच स्थानीय स्तर पर उठाव सुस्त रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेल सहित जिंसों में टिकाव रहा।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में अगस्त का पाम ऑयल वायदा 21 रिंगिट गिरकर 4007 रिंगिट प्रति टन रह गया। इसी तरह अगस्त का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.39 सेंट की गिरावट लेकर 41.93 सेंट प्रति पौंड बोला गया।

इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे। **दाल-दलहन :** दाल-दलहन के बाजार में टिकाव रहा। चना, दाल चना, मसूर दाल, मूंग दाल, उड़द दाल और अरहर दाल में कोई बदलाव नहीं हुआ और वे पिछले स्तर पर पड़ी रही।

अनाज : अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान चावल और गेहूं के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ।

सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के थोक दाम इस प्रकार रहे :

दाल-दलहन : चना 6600-6700, दाल चना 7600-7700, मसूर काली 7650-7750, मूंग दाल 10300-10400, उड़द दाल 12400-12500, अरहर दाल 11400-11500 रुपए प्रति क्विंटल रहे।

स्किल इंडिया डिजिटल हब से युवाओं को मिल रहे अधिक रोजगार : जयंत

स्किल इंडिया व डिजिटल इंडिया का मिलाजुला स्वरूप है एसआईडीएच : जयंत

नई दिल्ली, 1 अगस्त (एजेंसियां)। स्किल इंडिया डिजिटल हब (एसआईडीएच) प्लेटफॉर्म पर जून में करीब 88 लाख से ज्यादा अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया है। वहीं, 9.59 लाख से ज्यादा अभ्यर्थियों ने मोबाइल ऐप डाउनलोड किया और 7.63 लाख अभ्यर्थियों ने ऑनलाइन कोर्स में पंजीकरण कराया है।

केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयंत चौधरी ने कहा कि एसआईडीएच प्लेटफॉर्म 752 ऑनलाइन कोर्स उपलब्ध कराता है और इसमें 7.37 लाख मिनट का डिजिटल कंटेंट उपलब्ध है।

मंत्री की ओर से आगे कहा गया कि इस प्लेटफॉर्म का प्राथमिक उद्देश्य स्किल डेवलपमेंट के लिए एक ऐसा प्लेटफॉर्म तैयार करना है जो कि इंडस्ट्री से जुड़े कोर्स युवाओं को ऑफर कर सके, जिससे उन्हें रोजगार पाने में आसानी हो। मंत्री ने आगे कहा कि एसआईडीएच भारत सरकार को दो बड़ी पहल स्किल इंडिया और डिजिटल इंडिया का मिलाजुला स्वरूप है। इसका उद्देश्य भारत के डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) को स्किल डेवलपमेंट, शिक्षा, रोजगार और उद्यमिता परिदृश्य के लिए उपयुक्त बनाना है।

उन्होंने आगे कहा कि देश के स्थित 33 नेशनल स्किल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (एनएसटीआई) में से 19 महिलाओं के लिए हैं। इन एनएसटीआई में क्राफ्ट इन्स्ट्रक्टर ट्रेनिंग स्कीम (सीआईटीआई) के तहत 19 और क्राफ्टमैन ट्रेनिंग स्कीम (सीटीएस) के तहत 23 कोर्स ऑफर किए जाते हैं। महिला उद्यमियों को आगे बढ़ाने के लिए नेशनल स्किल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (एनएसडीसी) ने महिला उद्यमिता प्रोग्राम शुरू किया है।

महिंद्रा ग्रुप इनोवेशन व रोजगार सृजन के लिए करेगा निवेश

नई दिल्ली। महिंद्रा और महिंद्रा ग्रुप अगले तीन वर्षों में देश के विकास और इनोवेशन एवं रोजगार सृजन के लिए 37,000 करोड़ रुपए का निवेश करेगा। महिंद्रा ग्रुप के चेयरमैन आनंद महिंद्रा की ओर से यह जानकारी दी गई है। आनंद महिंद्रा ने आगे कहा कि आम बजट 2024-25 में केंद्र सरकार द्वारा पेश की गई एम्प्लॉयमेंट लिंक्ड स्कीमों का निजी सेक्टर को लाभ उठाना चाहिए। इससे कॉलेज से निकलने वाले युवाओं के लिए अधिक रोजगार के अवसर पैदा होंगे। महिंद्रा ग्रुप के चेयरमैन महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम) ने एनुअल जनरल मीटिंग में शेयरधारकों से कहा कि यह निजी सेक्टर और सरकार की संयुक्त जिम्मेदारी है कि वे राष्ट्र निर्माण के लिए रोजगार के अवसर पैदा करे।

स्वप्निल ने शूटिंग में दिलाया भारत को तीसरा कांस्य पदक

■ **कुसाले ने आठ खिलाड़ियों के फाइनल में कुल 451.4 अंक अर्जित कर तीसरा स्थान प्राप्त किया**

चेटौरौक्स, 1 अगस्त (एजेंसियां)। स्वप्निल कुसाले ने गुरुवार को यहां पेरिस ओलंपिक में पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। वह इस चतुष्कोणीय प्रतियोगिता में पदक जीतने वाले पहले भारतीय निशानेबाज भी बन गए। यह भारत का इन खेलों में तीसरा पदक भी है। कुसाले ने आठ खिलाड़ियों के फाइनल में कुल 451.4 अंक अर्जित कर तीसरा स्थान प्राप्त किया। चीन के लियू युकुन ने कुल 463.6 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता। यूक्रेन के सेरही कुलिश ने 461.3 का स्कोर किया और रजत पदक जीता। कुल मिलाकर, पेरिस ओलंपिक में यह भारत का तीसरा पदक है।

इससे पहले, मनु भाकर ने सरबजोत सिंह के साथ महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल और 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में दो कांस्य पदक जीते थे। नीलिंग और प्रोन राउंड की समाप्ति के बाद, कुसाले 310.1 के स्कोर के साथ पांचवें स्थान पर थे। स्टैंडिंग पोजीशन, एक एलिमिनेशन राउंड, में भारतीय लगातार शीर्ष चार में बने रहे और अंततः कांस्य पदक हासिल किया। 28 वर्षीय कुसाले, जो टीम स्पर्धा में एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता हैं, पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन के फाइनल के लिए क्वालीफाई करने वाले पहले भारतीय थे। स्वप्निल बुधवार को क्वालिफिकेशन राउंड में 590-383 के स्कोर के साथ सातवें स्थान पर रहे। क्वालीफाइंग दौर में प्रतिस्पर्धा करने वाले 44 निशानेबाजों में से शीर्ष आठ ने फाइनल में जगह बनाई। एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर 11वें स्थान पर रहे और फाइनल से चूक गए। क्वालिफिकेशन में स्वप्निल ने तीन पोजीशन से 38 इनर 10 सहित कुल 590 अंक हासिल किए। 28 वर्षीय भारतीय निशानेबाज ने घुटना टेककर 198, प्रोन से 197 और खड़े होकर 195 अंक बनाए।

पेरिस ओलंपिक : स्वप्निल कुसाले के पदक जीतने पर राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री ने दी बधाई

नई दिल्ली, 1 अगस्त (एजेंसियां)। पेरिस ओलंपिक के छठे दिन गुरुवार को भारत की झोली में एक और मेडल आया। स्वप्निल कुसाले ने इतिहास रचते हुए शूटिंग की पुरुष स्पर्धा 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन में ब्रॉन्ज मेडल जीता। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह समेत तमाम नेताओं ने स्वप्निल कुसाले को ओलंपिक में पदक जीतने पर बधाई दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, स्वप्निल कुसाले का शानदार प्रदर्शन। पेरिस ओलंपिक 2024 में पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन में कांस्य पदक जीतने पर आपको बधाई देता हूं। उनका प्रदर्शन इसलिए खास है क्योंकि उन्होंने बेहतरीन लचीलापन और कौशल दिखाया है। वह इस श्रेणी में पदक जीतने वाले पहले भारतीय एथलीट भी हैं। हर भारतीय इससे काफी खुश है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने लिखा, पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने पर स्वप्निल कुसाले को हार्दिक बधाई। वह पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन श्रेणी में पदक जीतने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। यह पहली बार है कि भारत ने एक ही ओलंपिक खेलों में शूटिंग स्पर्धाओं में तीन पदक जीते हैं। पूरे शूटिंग दल ने भारत को गौरवान्वित किया है। मैं आगामी प्रतियोगिताओं के लिए हमारे सभी खिलाड़ियों को अपनी शुभकामनाएं देती हूं। मैं कामना करता हूं कि स्वप्निल कुसाले भविष्य में और भी पदक जीतें गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया पर लिखा, पेरिस ओलंपिक में स्वप्निल कुसाले ने 50 मीटर राइफल 3 पोजिशन पुरुष फाइनल स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। मुझे आप पर गर्व है। आपने जीत का एक ऐसा उदाहरण पेश किया है जो लाखों लोगों को खेल में चुनौतियों का सामना करने के लिए प्रेरित करेगा। जीतते रहिए और देश को गौरवान्वित करते रहिए। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लिखा, पेरिस ओलंपिक 2024 में पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन में कांस्य पदक जीतने के लिए स्वप्निल कुसाले को बधाई। यह किसी भी ओलंपिक में इस स्पर्धा में भारत द्वारा जीता गया पहला पदक है। आशा है कि यह सफलता आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगी। बता दें कि पहली बार किसी भारतीय शूटर ने ओलंपिक की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन स्पर्धा में मेडल जीता है। पेरिस ओलंपिक में भारत ने अपने नाम तीसरा मेडल किया है।

रेलवे में टीटीई से ओलंपिक पदक विजेता तक स्वप्निल कुसाले का प्रेरक सफर

चेटौरौक्स। भारत के निशानेबाज स्वप्निल कुसाले ने पेरिस 2024 ओलंपिक में पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन स्पर्धा में कांस्य पदक हासिल किया। स्वप्निल ने 590 के कुल स्कोर के साथ 7वें स्थान पर रहकर फाइनल राउंड के लिए क्वालीफाई किया था। 1995 में जन्मे स्वप्निल कुसाले एक साधारण कृषि पृष्ठभूमि से हैं और पुणे रेलवे डिवीजन में एक ट्रैवलिंग टिकट परीक्षक (टीटीई) हैं। खेल की दुनिया में उनकी यात्रा 2009 में शुरू हुई जब उनके पिता ने उन्हें महाराष्ट्र सरकार के क्रीड़ा प्रबोधिनी में नामांकित किया, जो एक प्राथमिक खेल कार्यक्रम था जिसका उद्देश्य युवा प्रतिभाओं का पोषण करना था। एक साल के कठोर शारीरिक प्रशिक्षण के बाद, कुसाले ने शूटिंग को अपने फोकस के खेल के रूप में चुना। उनका निर्णय आकस्मिक साबित हुआ, क्योंकि वह तेजी से आगे बढ़े और 2013 में लक्ष्य स्पोर्ट्स बैनर के तहत एक प्रायोजित एथलीट बन गए। कुसाले का शुरुआती वादा तब स्पष्ट हुआ जब उन्होंने कुवैत में 2015 एशियाई शूटिंग चैंपियनशिप में 50 मीटर राइफल प्रोन 3 पोजीशन जूनियर वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। इस जीत के बाद तुगलकाबाद में 59वीं राष्ट्रीय शूटिंग चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन किया, जहां उन्होंने 50 मीटर राइफल प्रोन स्पर्धा में गगन नारंग और चैन सिंह जैसे अनुभवी निशानेबाजों से बेहतर प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम : पूल-बी में चैंपियन बेल्जियम से हारा भारत

नई दिल्ली, 1 अगस्त (देशबन्धु)। तेज तर्रार यंग स्ट्राइकर अभिषेक के दूसरे क्वार्टर के तीसरे मिनट में दागे बेहतरीन मैदानी गोल की बदौलत बढ़त लेने और पीआर श्रीजेश के बेहतरीन बचावों के बावजूद तीसरे क्वॉर्टर की गलतियों के चलते दो गोल खाकर भारत बृहस्पतिवार को पेरिस

■ **बेल्जियम की लगातार चौथी जीत, भारत की पहली हार**

ओलंपिक में पुरुष हॉकी में पूल बी में मौजूदा चैंपियन बेल्जियम से 1-2 से हार गया। भारत के गोलरक्षक पीआर श्रीजेश की प्रशंसा करनी होगी उन्होंने बेल्जियम को मिले चार पेनल्टी कॉर्नर पर जो एक गोल खाया उसे भी पहले प्रयास में रोक लिया था लेकिन जॉन जॉन डामैन ने रिबाउंड पर गेंद गोल में डाल दी। भारत और बेल्जियम की टीम अपने बृहस्पतिवार के मैच के पहले ही क्वॉर्टर फाइनल में स्थान बना चुकी थी। बेल्जियम के अब लगातार चौथी के साथ

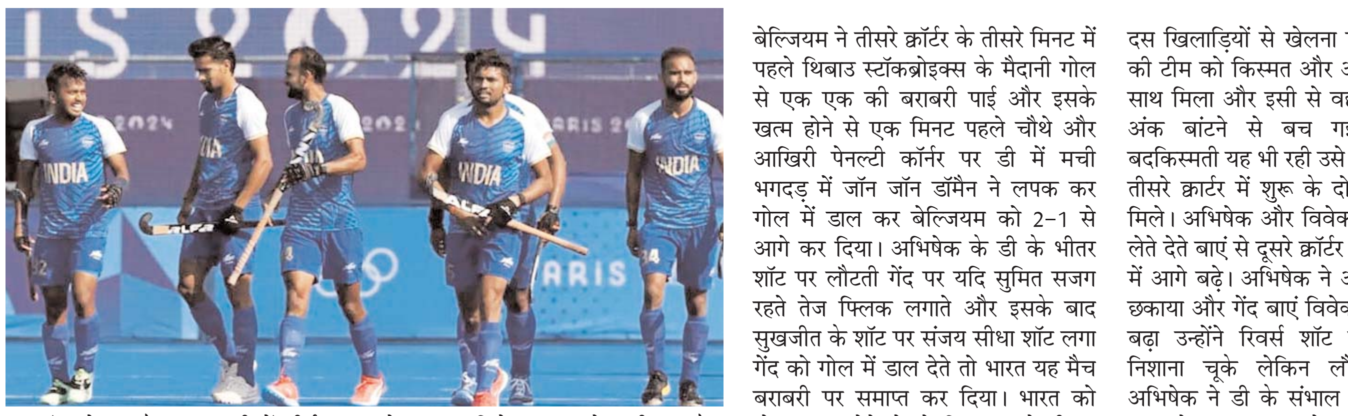

12 अंक हो गए है वह पूल बी में शीर्ष पर कायम है जबकि भारत के चार मैचों में दो जीत, एक ड्रॉ और एक हार के साथ सात अंक हैं। भारत बृहस्पतिवार को बेशक लगातार चौथे ओलंपिक में बेल्जियम से हार गया लेकिन उसे जीत उसके कौशल की बजाय किस्मत के सहारे ही मिली। भारत की किस्मत ने जरा साथ दिया होता तो उसके लिए पेरिस में बृहस्पतिवार को पहला गोल कर अभिषेक दूसरा गोल भी कर मैच ड्रॉ जरूर कर सकते थे। भारत की टीम बेल्जियम से 2012 में लंदन ओलंपिक में 0-3 से, 2016 में रियो ओलंपिक में आकाशदीप सिंह के गोल से बढ़त लेने के बाद 1-3 से और 2020 में टोक्यो ओलंपिक में सेमीफाइनल में 2-5 से हार गई थी। भारत अब शुक्रवार को अपने पूल बी मैच में ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगा।

बेल्जियम ने तीसरे क्वॉर्टर के तीसरे मिनट में पहले थिबाउ स्टॉकब्रोइक्स के मैदानी गोल से एक एक की बराबरी पाई और इसके खत्म होने से एक मिनट पहले चौथे और आखिरी पेनल्टी कॉर्नर पर डी में मची भगदड़ में जॉन जॉन डॉमैन ने लपक कर गोल में डाल कर बेल्जियम को 2-1 से आगे कर दिया। अभिषेक के डी के भीतर शॉट पर लौटती गेंद पर यदि सुमित सजग रहते तेज फ्लिक लगाते और इसके बाद सुखजीत के शॉट पर संजय सीधा शॉट लगा गेंद को गोल में डाल देते तो भारत यह मैच बराबरी पर समाप्त कर दिया। भारत को खेल खत्म होने से दो मिनट पहले तीसरा और आखिरी पेनल्टी कॉर्नर इस पर कप्तान हरमनप्रीत सिंह तेज ड्रैग फ्लिक को फ्लोरेंट वान अबुल ने गेंद रेखा पर रोका भारत ने इस पर रेफरल ले पेनल्टी स्ट्रोक मांगा लेकिन अंपायर ने इस पर महज कार्नर दिया। राज कुमार पाल ने बेवजह रफ टैकल कर येलो कार्ड लिया और पांच मिनट के लिए वेबजह बाहर हो गए और इस दौरान दस खिलाड़ियों से खेलना पड़ा। बेल्जियम की टीम को किस्मत और अंपायर का खूब साथ मिला और इसी से वह जीत के साथ अंक बांटने से बच गई। भारत की बदकिस्मती यह भी रही उसे जब दूसरे और तीसरे क्वार्टर में शुरू के दो पेनल्टी कॉर्नर मिले। अभिषेक और विवेक सागर गेंद को लेते देते बाएं से दूसरे क्वॉर्टर के तीसरे मिमन में आगे बढ़े। अभिषेक ने अपने मार्कर को छकाया और गेंद बाएं विवेक के लिए आगे बढ़ा उन्होंने रिवर्स शॉट लगाया लेकिन निशाना चूके लेकिन लौटती गेंद को अभिषेक ने डी के संभाल तेज नीचा शॉट जमा गोल कर भारत को 1-0से आगे कर दिया। भारत ने बीच मैदान में गेंद रखने की कोशिश की और ऐसे में मनप्रीत सिंह को बेल्जियम के कई खिलाड़ियों ने घेरने की कोशिश की लेकिन वह गेंद को बाहर निकाल टीम पर आया खतरा टालने में कामयाब रहे।

आज का मैच : भारत वि. ऑस्ट्रेलिया , शाम पौने पांच बजे

श्रीलंका के खिलाफ टी-20 सीरीज में शानदार जीत के बाद अब भारत की नजर वनडे सीरीज पर

■ **सत्येन्द्र पाल सिंह**

नई दिल्ली, 1 अगस्त (देशबन्धु)। रोहित शर्मा की अगुआई में भारत अगले साल होने वाली आईसीसी वन डे चैंपियंस ट्रॉफी की तैयारियों के मकसद से उससे पहले अपने नए हेड कोच गौतम गंभीर की मार्गदर्शन में मेजबान श्रीलंका के खिलाफ तीन वनडे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैचों की सीरीज भी जीत अपने सभी विकल्पों को आजमाने के मकसद से उतरेगा। मेजबान श्रीलंका के खिलाफ कोलंबो में जब शुक्रवार को भारत पहले वन डे में खेलने उतरेगा तो कप्तान रोहित शर्मा और नए हेड कोच गौतम गंभीर को अपनी एकादश को चुनने के लिए खासा मंथन करना होगा। रोहित, विराट कोहली और रवींद्र जडेजा के भारत को आईसीसी टी 20 विश्व कप जिताने के बाद टी 20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहने के बाद नए कप्तान सूर्य कुमार यादव की कप्तानी और नए हेड कोच गौतम गंभीर के मार्गदर्शन में भारत ने तीन टी 20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज में मेजबान श्रीलंका को 3-0 से हराकर उसका सूपड़ा साफ कर दमदार आगाज किया। खासतौर पर विराट कोहली, केएल राहुल और कप्तान रोहित शर्मा के बल्ले और तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, मोहम्मद शमी और बाएं हाथ के लेग स्पिनर कुलदीप यादव के स्पिन के बुने जाल की बदौलत भारत ने श्रीलंका से 2023 के वनडे विश्व कप सहित अपने पिछले पांच मैच एकतरफा और दमदार अंदाज में जीते हैं और वह बेहद मजबूत आता है। इसके मद्देनजर श्रीलंका के नए कप्तान चरित असालंका के लिए मेहमान भारतीय टीम को वनडे सीरीज में अपने घर में रोकना खासा मुश्किल नजर आता है। यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या भारत तीन तेज गेंदबाज के उतर कर नवोदित तेज गेंदबाज को देश के लिए अपने वनडे करियर को शुरू करने का मौका देगा। नए हेड कोच गंभीर के सामने बड़ा सवाल रहेगा बतौर विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल और ऋषभ पंत में कौन? श्रेयस अय्यर को जगह अथवा मात्र पांच खालिस गेंदबाजों के साथ उतर तीनों एकादश में। ऐसे क्या हेड कोच गंभीर तब ऑलराउंडर रेयन पराग और शिवम दुबे को दोनों को एकादश से बाहर बैठाएंगे?

आईसीसी वन डे चैंपियंस ट्रॉफी

■ **मेहमान भारत को श्रीलंका के लिए अपने घर में भी रोकना मुश्किल**

मैच का समय : भारत वि. श्रीलंका, दोपहर ढाई बजे से।

विष्णु ने डिंगी में शुरू किया अभियान

पेरिस, 1 अगस्त (एजेंसियां) भारत के विष्णु सरवनन गुरुवार को पेरिस ओलंपिक 2024 में पुरुषों की डिंगी नौकायन प्रतियोगिता की पहली रेस में 10वें स्थान पर रहे। मौजूदा ग्रीष्मकालीन खेलों में डिंगी नौकायन प्रतियोगिता की शुरुआती सीरीज में कुल 10 रेस होंगी। सीरीज के अंत में शीर्ष 10 में स्थान हासिल करने वाली नौकाएं पदक राउंड में पहुंचेंगी। टोक्यो 2020 में 20वें स्थान पर रहे 25 वर्षीय विष्णु आज ही दूसरी रेस में हिस्सा लेंगे।विष्णु ने पिछले साल चीन के हांगझोऊ में आयोजित एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीता था।

लक्ष्य ने क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया

पेरिस, 1 अगस्त (एजेंसियां) भारतीय बैंडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने गुरुवार को पेरिस ओलंपिक 2024 खेलों में पुरुष एकल के प्री-क्वार्टर बैडमिंटन मैच में

■ **ला चैपल एरिना में लक्ष्य ने प्रणॉय को 39 मिनट में हराते हुए मैच अपने नाम कर लिया**

हमवतन एचएस प्रणॉय को हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। लक्ष्य ने प्रणॉय के खिलाफ 21-12, 21-6 से जीत हासिल की। दो बार के युवा ओलंपिक पदक विजेता लक्ष्य का क्वार्टरफाइनल में शुक्रवार को चीनी ताइपे के 12वीं वरीयता प्राप्त चोउ टीएन चेन से मुकाबला होगा। एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता प्रणॉय आज लक्ष्य का मुकाबला करने में विफल रहे। ला चैपल एरिना में लक्ष्य ने प्रणॉय को 39 मिनट में हराते हुए मैच अपने

नाम कर लिया। इससे पहले 22 वर्षीय लक्ष्य ने ग्रुप एल में जोनाथन क्रिस्टी और जूलियन कैराग्गी को हराया था। वही 28 वर्षीय प्रणॉय ने ग्रुप के में फैबियन रोथ और ले डक फाट को हराया था। दोनों ही भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी ग्रुप विजेता के रूप में प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंचे थे।

लक्ष्य ने प्रणॉय को हराकर क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया

पेरिस, 1 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय बैंडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने गुरुवार को पेरिस ओलंपिक 2024 खेलों में पुरुष एकल के प्री-क्वार्टर बैडमिंटन मैच में हमवतन एचएस प्रणॉय को हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। लक्ष्य ने प्रणॉय के खिलाफ 21-12, 21-6 से जीत हासिल की। दो बार के युवा ओलंपिक पदक विजेता लक्ष्य का क्वार्टरफाइनल में चीनी ताइपे के 12वीं वरीयता प्राप्त चोउ टीएन चेन से मुकाबला होगा। एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता प्रणॉय आज लक्ष्य का मुकाबला करने में विफल रहे। ला चैपल एरिना में लक्ष्य ने प्रणॉय को 39 मिनट में हराते हुए मैच अपने नाम कर लिया। इससे पहले 22 वर्षीय लक्ष्य ने ग्रुप एल में जोनाथन क्रिस्टी और जूलियन कैराग्गी को हराया था। वही 28 वर्षीय प्रणॉय ने ग्रुप के में फैबियन रोथ और ले डक फाट को हराया था। दोनों ही भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी ग्रुप विजेता के रूप में प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंचे थे।

पेरिस ओलंपिक : समाप्त हुआ इन खिलाड़ियों को खेल

पुरुष युगल क्वार्टर फाइनल में हारे सात्विक-चिराग

पेरिस, 1 अगस्त (एजेंसियां)। सात्विकसाईराज रंकी रेड्डी और चिराग शेट्टी

की भारतीय जोड़ी यहां बैडमिंटन प्रतियोगिता के पुरुष युगल क्वार्टर फाइनल मैच में मलेशिया के आरोन चिया और सोह वूई यिक से गुरुवार को तीन कड़े गेमों में हारकर पेरिस ओलंपिक से बाहर हो गई। नवीनतम बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग में पांचवें स्थान पर मौजूद भारतीय जोड़ी, टोक्यो ओलंपिक में रजत पदक विजेता तीसरे स्थान पर मौजूद मलेशियाई जोड़ी से 21-13, 14-21, 16-21 से हार गई। पहले गेम में सात्विक-चिराग ने बढ़त बनाई लेकिन इस लय को बरकरार नहीं रख सके और इस जोड़ी को पूर्व विश्व चैंपियन चिया-यिक ने तीन गेम में हरा दिया। 10-10 की बराबरी से भारतीय जोड़ी ने अगले पांच अंक जीते और फिर इसे 17-11 तक बढ़ा दिया। सात्विक और चिराग के पास 20-12 पर गेम प्वाइंट था। मलेशियाई खिलाड़ियों ने एक गेम प्वाइंट बचाया, लेकिन भारतीयों को इससे इनकार नहीं किया जा सका और उन्होंने पहला गेम जीत लिया। पहला गेम 21-13 से जीतने के बाद, भारतीय खिलाड़ी दूसरा गेम 14-21 से हार गए क्योंकि मलेशियाई जोड़ी ने स्मैश और नेट शॉट्स की झड़ी लगाकर जोरदार वापसी की। 10-10 से उन्होंने बढ़त बनाई और इसे 17-12 तक बढ़ा दिया, सात्विक और चिराग ने अगले दो अंक जीते, लेकिन मलेशियाई ने लगातार चार अंक जीतकर गेम 21-14 से जीत लिया।

प्री-क्वार्टर फाइनल में हार के साथ निखत जरीन का अभियान हुआ समाप्त

पेरिस। पेरिस ओलंपिक में भारत की पदक की सबसे बड़ी उम्मीदों में एक निखत जरीन का अभियान प्री- क्वार्टर फाइनल तक ही रहा। गुरुवार को महिलाओं के 50 किग्रा राउंड ऑफ 16 में सर्व-सम्मत निर्णय से उन्हें 5-0 से हार का

सामना करना पड़ा।

एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता चीन की वू यू भारतीय मुक्केबाज के खिलाफ शुरुआत से ही हावी रहीं। वू यू ने शुरू से ही अपनी बेहतरीन तकनीक और फुर्ती का प्रदर्शन किया। उन्होंने पहले राउंड में अपना दबदबा बनाए रखा और अपने अनुभव का लाभ उठाते हुए शुरुआती बढ़त हासिल की। दो बार की विश्व चैंपियन निखत ने दूसरे राउंड में शानदार वापसी की, जिसमें उन्होंने बेहतरीन काउंटर-पंचिंग और रक्षात्मक कौशल का प्रदर्शन किया। हालांकि, राउंड कांटे का रहा और वू ने बढ़त हासिल की। तीसरे और अंतिम राउंड में चीनी मुक्केबाज ने पूरी तरह नियंत्रण हासिल कर लिया और अपनी गति और सटीकता का इस्तेमाल करते हुए भारतीय मुक्केबाज को मात दे दी। ज़रीन के आक्रामक होने के बेहतरीन प्रयासों के बावजूद, चीनी मुक्केबाज की गति और सटीकता ने बाजी मारी।

जाधव ओपनर में हारे, पुरुष तीरंदाजी में भारत का अभियान समाप्त

पेरिस, 1 अगस्त (एजेंसियां)। भारत के प्रवीण जाधव गुरुवार को 2024 ओलंपिक खेलों की तीरंदाजी प्रतियोगिता के पुरुष व्यक्तिगत मुकाबले के शुरुआती दौर में चीन के काओ वेनचाओ से हारकर बाहर हो गए। टोक्यो 2020

में दूसरे दौर में जगह बनाने वाले जाधव 6-0 (28-29, 29-30, 27-28) से हार गए। भारतीय तीरंदाज को 39वीं वरीयता दी गई थी, जबकि चीनी तीरंदाज रैंकिंग चरण में 26वें स्थान पर रहे थे। भारतीय सेना में हवलदार के रूप में कार्यरत, महाराष्ट्र के अमरावती जिले के 28 वर्षीय जाधव 2019 विश्व तीरंदाजी चैम्पियनशिप में रजत पदक जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा होने के बाद पुरुष तीरंदाजी में भारत की बड़ी उम्मीदों में से एक के रूप में पेरिस पहुंचे थे। जाधव के बाहर होने के साथ ही पुरुष व्यक्तिगत तीरंदाजी में भारतीय चुनौती भी समाप्त हो गई।

पुरुषों की 20 किमी पैदल चाल में भारत का खाता खाली

पेरिस। भारतीय धावक विकास सिंह 30वें और परमजीत सिंह बिष्ट 37वें स्थान पर रहे, जिससे भारत गुरुवार को यहां ट्रोकाडेरो में पेरिस ओलंपिक में पुरुषों की 20 किमी रेस वॉक में एक भी पदक नहीं जीत सका। इस स्पर्धा में दौड़ने वाले तीन भारतीय एथलीटों में विकास सबसे तेज़ थे, उन्होंने 1:22:36 का समय निकाला। 28 वर्षीय खिलाड़ी पिछले साल एशियाई खेलों में इस स्पर्धा में पांचवें स्थान पर रहे थे। एक अन्य भारतीय परमजीत ने अपने ओलंपिक पदार्पण पर 1:23:48 का समय निकाला। हालांकि, राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक अक्षदीप सिंह रेस को पूरा नहीं कर सके क्योंकि वह केवल 6 किलोमीटर के बाद बाहर हो गए। भारत ने ओलंपिक में 20 किमी रेस वॉक स्पर्धा में कोई पदक नहीं जीता है। इक्वाडोर के ब्रायन डेनियल पिंटाडो ने स्वर्ण पदक जीता। ब्राजील के काइओ बोनफिम और स्पैनियार्ड अल्वारो मार्टिन ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीते। 2023 विश्व पदक विजेता पिंटाडो ने 1:18:55 में रेस समाप्त करके अपने विश्व रजत को ओलंपिक स्वर्ण में अपग्रेड किया। यह पेरिस में इक्वाडोर के किसी एथलीट का पहला पदक था। ब्राजील के काओई बोनफिम ने 1:19:09 के साथ रजत पदक जीता, जबकि स्पेन के अल्वारो मार्टिन ने 1:19:11 के साथ कांस्य पदक जीता।